THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 320 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **माघ शु.13 2079 शुक्रवार, 3 फरवरी 2023**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

श्री राजस्थानी विश्वकर्मा समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद

प्लाट न. 68/69, जे. के.नगर, सुभाष नगर, कुतबुल्लापुर (सुचित्रा), जीडिमेट्ला, सिकन्दराबाद - हैदराबाद-55.

श्री विश्वकर्मा जयंती के उपलक्ष में
आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ

शुक्रवार,दि. 03-02-2023

श्री नेमीचन्दीजी खण्डेलवाल
अध्यक्ष, राजस्थानी विश्वकर्मा समाज

श्री नागरमलजी जांगीड़

श्री देवकरणजी जांगीड़
आगापुरा

श्री पुखराजजी सुथार
चिलकलगुडा

श्री मदनलालजी बामणिया
दम्मईगुड़ा

श्री नारायणरामजी कुलरिया
सुचित्रा

श्री सागररामजी माकड़
मियापुर

श्री मगारामजी भुन्दड
दम्मईगुड़ा

श्री अंबालालजी बामणिया
सुचित्रा

श्री राजेशजी जांगीड़
आगापुरा

श्री रमेशचन्द्रजी कुलरिया
सुचित्रा

श्री भंवरलालजी, देवेन्द्रजी,
घनश्यामजी भदेसा (बी एन रेड्डी नगर)

श्री शंकरलालजी छडिया
सुचित्रा

श्री ओमप्रकाशजी कुलरिया
सुचित्रा

श्री मांगीलालजी बामणिया
गोशामहल

श्री मांगीलालजी माकड़
अलवाल

श्री रामचन्द्रजी रालडिया
सुचित्रा

श्री पारसजी भुन्दड़
मियापुर

श्री गौतमचन्दजी पड़मा
सिकंदराबाद

श्री शंकरलालजी माकड़
शिवरामपल्ली

श्री गेनामरामजी सोयल
किस्मतपुरा

श्री सी एल जी शर्मा
सुचित्रा

श्री नारायणरामजी
महेन्दरजी लोढ़ा (सुचित्रा)

श्री भोमारामजी कुलरिया
उप्पल

श्री मदनलालजी बुढ़ड़
बोईनपल्ली

श्री महावीरजी जांगीड़
गोशामहल

श्री रामगोपालजी बड़वाड़िया
अलवाल

श्री कानारामजी जोपिंग
सुचित्रा

श्री सवाईराम कुलरिया
सुचित्रा

श्री विशनारामजी कुलरिया
सुचित्रा

श्री मिश्रीलालजी बुदड़
बोलाराम

श्री ताराचंदजी जोपिंग
उप्पल

श्री हीरालालजी बरड़वा
बोलाराम

श्री छगनलालजी कुलरिया
बोईनपल्ली

श्री जवेरीलालजी पड़मा
सिकंदराबाद

श्री जयकिशनजी बरड़वा
सुचित्रा

श्री भागवत जांगीड़
आगापुरा

श्री नारायणरामजी बुढ़ड़
बोलाराम

श्री मदनलालजी कुलरिया
काचीगुड़ा

श्री सुखरामजी, हस्तीरामजी
बरड़वा (कोमपल्ली)

श्री रामलालजी बुढ़ड़
बोईनपल्ली

श्री सवाईरामजी जोपिंग
सुचित्रा

श्री दीपारामजी सोहेल
सुचित्रा

श्री मांगीलालजी बामणिया
नागोल

श्री किशनारामजी बरड़वा
किस्मतपुरा

श्री अशोकजी धामु
हैदराबाद

श्री शांतिलालजी बुढ़ड़
(विश्वमंगल गौशाला, मुख्य सचिव)

श्री विश्नारामजी भदरैसा
अलवाल

श्री हनुमानरामजी कुलरिया
सुचित्रा

श्री ओमप्रकाशजी धामु
अलवाल

श्री सवाईजी बामणिया
दम्मईगुड़ा

श्री चेनारामजी देपड़ा
पटानचेरु

श्री नेमीचन्दजी भुन्दड़
खैरताबाद

श्री आदुरामजी लोढ़ा
रीजवनगर

श्री विक्रमजी बुढ़ड़
बोलाराम

श्री ओमप्रकाशजी भुन्दड़
अलवाल

श्री गोपारामजी भुन्दड़
खैरताबाद

श्री छेलारामजी देपड़ा
किस्मतपुरा

श्री भंवरलालजी भुन्दड़
बोईनपल्ली

श्री प्रेमजी पाखरवड़
किस्मतपुरा

श्री बाबुलालजी कुलरिया
दम्मईगुड़ा

श्री रामस्वरूपजी करेल
जीडिमेट्ला

श्री खीयारामजी सोयल
काचीगुड़ा

श्री शैतानारामजी जोपिंग
सुचित्रा

श्री ओमप्रकाशजी कुलरिया
काचीगुडा

श्री चेनारामजी लाडवा
बोईनपल्ली

श्री श्रवणकुमारजी मंगलाव
सुचित्रा

श्री पुनारामजी सांड
बोईनपल्ली

श्री पप्पुरामजी धीर
बोईनपल्ली

श्री दिनेशकुमारजी लुंजा
जगतगिरीगुट्टा

श्री रामसुखजी उठवासिया
अलवाल

श्री जितेन्द्रजी सुथार
अलवाल

श्री प्रभुरामजी भुन्दड़
अलवाल

श्री हंसराजजी जोपिंग
मियापुर

श्री मोहनलालजी जांगीड़
सुचित्रा

श्री झूमररामजी माकड़
मनीकोन्डा

श्री किशनारामजी छड़ियां
कोन्डापुर

श्री भुपेंद्रजी नागल
निजामपेट

श्री विशनारामजी जोपिंग
बोईनपल्ली

श्री भोमारामजी जोपिंग
बोईनपल्ली

श्री रामनिवासजी
विश्वकर्मा इंटिरियर (श्रीनगर कॉलोनी)

श्री कानारामजी पाखारवड़
सुचित्रा

श्री अमुरामजी बुढ़ड़
काचीगुड़ा

श्री जसराजजी भून्दड़
बोईनपल्ली

श्री पप्पुरामजी कुलरिया
बोईनपल्ली

श्री पारसराम, अशोकजी भदरैसा
बोईनपल्ली

श्री गोपालजी सलुण
काचीगुड़ा

श्री दिनेशजी बामणिया
दम्मईगुड़ा

श्री किशनारामजी सलुण
काचीगुड़ा

श्री अमृतलालजी पड़मा
सिकंदराबाद

श्री अशोककुमार खोखा
बोईनपल्ली

श्री कैलाश सुथार दायमा
बोईनपल्ली

श्री जेठारामजी जोपिंग
कोठी

श्री गोपारामजी, सवाईरामजी
मांडण (दम्मईगुड़ा)

श्री नरसिंगरामजी माकड़
बाईनपल्ली

श्री विशनारामजी कुलरिया
दम्मईगुड़ा

श्री विष्णुप्रकाशजी, कन्हैयालालजी
नागल (काचीगुड़ा)

श्री अचलारामजी नागल
मणीकोन्डा

श्री भादेशजी माकड़
बीरमगुडा

श्री सुखदेवजी, पप्पुजी
सरुपारामजी धाम (अलवाल)

श्री अनोपारामजी राजुरामजी
नरसीरामजी बामणिया (कोठी)

श्री रामचन्द्रजी रालडिया
अलवाल

श्री चंपालालजी बुढ़ड़
बोलाराम

श्री पन्नालालजी रोप
बोईनपल्ली

श्री पन्नालालजी बरड़वा
बालाजीनगर

श्री विजयराजजी रालडिया
बोईनपल्ली

श्री नेमीचन्दजी गुंगरिया
बोईनपल्ली

कांग्रेस विधायक के माकपा को माफिया से जोड़ने पर केरल के मुख्यमंत्री नाराज

तिरुवनंतपुरम, 2 फरवरी (एजेंसिया)। केरल विधानसभा में गुरुवार को कांग्रेस के एक विधायक द्वारा सत्तारूढ़ माकपा पर माफिया से संबंध होने का आरोप लगाने के बाद सत्ता पक्ष और विपक्षी बेंच के बीच नाराजगी देखी गई।

कांग्रेस विधायक डॉ. मैथ्यू कुझलनादन के आरोपों से मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन भी नाराज हो गए। कुझालनादन एक घटना पर स्थगन प्रस्ताव के लिए अनुमति मांग रहे थे, जिसमें अलप्पुझा में एक सीपीआई (एम) पार्षद ए. शाहनवाज को उनकी अलप्पुझा जिला पार्टी इकाई द्वारा निलंबित कर दिया गया था, पिछले महीने प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों को ले जाने वाली उनकी लॉरी को हिरासत में ले लिया गया था। खेप के साथ

गिरफ्तार दो लोग पार्षद के करीबी निकले, जिन्होंने पहले तो दोनों को जानने से इंकार कर दिया। लेकिन बाद में शाहनवाज के जन्मदिन समारोह में उनकी तस्वीरों ने पार्टी को कार्रवाई करने के लिए मजबूर कर दिया। सीपीआई (एम) की युवा शाखा के आरोपी दो सदस्यों को पार्टी से बाहर कर दिया गया था, शक्तिशाली शाहनवाज को संस्कृति राज्य मंत्री साजी चेरियन के साथ निकटता के लिए केवल निलंबित कर दिया गया था, जो हाल तक अलप्पुझा जिला सचिव थे। विधानसभा में, कुझलनादन ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ सीपीआई (एम) और उसके शीर्ष नेता अवांछित गतिविधियों में लगे अपने कार्यकर्ताओं को शरण देते हैं और स्थिति बहुत गंभीर होती है, तब मंत्री भी अपने कैडर के समर्थन में आ जाते हैं। इस पर विजयन ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि कोई विधायक है, यह उन्हें सीपीआई (एम) जैसी पार्टी के बारे में हास्यास्पद बातें कहने का अधिकार नहीं देता है। उन्होंने कहा, इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस पर विपक्ष के नेता वी.डी.सतीसन उठे और कहा, उन्होंने ही कुजलनादन को इस घटना को विधानसभा में पेश करने के लिए अधिकृत किया था और उन्होंने केवल तथ्यों को बताया है।

हालांकि, राज्य के आबकारी मंत्री एमबी राजेश ने कुझालंदन द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि एक जांच जारी है और गलत काम करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, लेकिन विपक्ष सिर्फ यह नहीं बता सकता कि आरोपी कौन है और उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकती।

राजेश ने कहा, समस्या यह है कि वर्तमान में विपक्ष राजनीतिक रूप से बाहर है और रचनात्मक रूप से काम करने में असमर्थ है और इसलिए यह गतिरोध है। स्पीकर द्वारा स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा की अनुमति नहीं दिए जाने पर पूरे विपक्ष ने सदन से वाकआउट कर दिया।

कौशल विकास के लिए 36 स्कूल प्रधानाचार्य सिंगापुर जाएंगे : भगवंत मान

चंडीगढ़, 2 फरवरी (एजेंसिया)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य के लोगों से किए वादे को पूरा करते हुए गुरुवार को 36 प्रिंसिपलों के पहले बैच की घोषणा की जो कौशल विकास के लिए सिंगापुर जाएंगे। मुख्यमंत्री ने लोगों के साथ ऑनलाइन बातचीत में कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने लोगों को गारंटी दी थी कि राज्य में शिक्षा प्रणाली को पूरी तरह से बदल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता हैं जो शिक्षा के स्तर को ऊपर उठा सकते हैं, इसलिए यह गारंटी दी जाती है कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण सुनिश्चित करके उनके शिक्षण कौशल को उन्नत किया जाएगा। सीएम मान ने कहा कि इस गारंटी के तहत 36 सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों का पहला बैच पेशेवर प्रशिक्षण के लिए चार फरवरी को सिंगापुर जाएगा।

बजट से खुश नहीं किसान

कृषि क्षेत्र को नजरअंदाज करने का आरोप, प्रदेशभर में प्रदर्शन

चंडीगढ़, 2 फरवरी (एजेंसिया)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से बुधवार को पेश किए बजट से पंजाब में किसान संगठन नाराज नजर आ रहे हैं। पंजाब के किसानों ने केंद्रीय बजट में कृषि को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया है।

पंजाब के सभी जिलों में उपायुक्त कार्यालयों के बाहर प्रदर्शन का एलान किया गया है। पंजाब के अमृतसर में किसान मजदूर संघर्ष ने वित्त मंत्री का पुतला फूंका है। किसानों से जुड़े संगठनों ने बजट को कृषि के लिए निराशाजनक बताया है। अमृतसर में किसान मजदूर संघर्ष कमेटी की ओर से पंजाब व कृषि सेक्टर को नजरअंदाज करने के खिलाफ मोदी सारकर ओर केंद्रीय वित्त मंत्री का पुतला फूंक कर रोष प्रदर्शन किया गया है। संगठन के नेता सरवन सिंह प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे हैं। बजट में खेती और किसानों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए किसान मजदूर संघर्ष कमेटी गुरुवार को सभी जिलों में धरना प्रदर्शन कर रही है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से बुधवार को पेश किए बजट ने किसानों व मजदूरों को निराश किया है। दिल्ली किसान मोर्चे में अहम भूमिका निभाने वाले भारतीय किसान यूनियन एकता (डकौंदा) के महासचिव जगमोहन सिंह ने बजट की आलोचना की है। उनका कहना है कि मोदी सरकार का यह 10वां बजट है, लेकिन इस बार भी पंजाब में खेतीबाड़ी सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष पैकेज नहीं दिया। केवल बार-बार मोटे अनाज की पैदावार बढ़ाने पर जोर दिया है। किसान खुद भी धान व गेहूं की परंपरागत खेती चक्कर से बाहर निकलना चाहते हैं, लेकिन सरकार की ओर से इसके लिए कोई ठोस योजनाबंदी बजट में पेश नहीं की गई। किसान नेता ने कहा कि केंद्र सरकार को चाहिए कि सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद की गारंटी दे।

उपराष्ट्रपति धनखड़ और रिजिजू के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका, पद से हटाने की मांग

मुंबई, 2 फरवरी (एजेंसिया)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और कानून मंत्री किरेन रिजिजू के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। याचिका में कहा गया है कि न्यायपालिका पर दोनों के हालिया बयान भारत के संविधान में विश्वास की कमी दिखाते हैं। ऐसे में उन्हें अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए। बॉम्बे लॉयर्स एसोसिएशन की ओर से दायर याचिका में मांग की गई है कि उच्च न्यायालय उपराष्ट्रपति धनखड़ व कानून मंत्री रिजिजू को

आधिकारिक कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोके और घोषित करे कि कि दोनों अपने सार्वजनिक आचरण और उनके बयानों के माध्यम से भारत के संविधान में विश्वास की कमी दिखाते हुए अपने संवैधानिक पदों को धारण करने से अयोग्य हैं।

मुस्लिम महिलाएं भी पति को दे सकती हैं तलाक

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसिया)। मद्रास हाईकोर्ट ने मुस्लिम महिलाओं के तलाक को लेकर एक अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि मुस्लिम महिलाएं भी खुला के लिए फैमिली कोर्ट से संपर्क कर सकती हैं। इस टिप्पणी को अहम इसलिए भी माना जा रहा है कि इसके बाद मुस्लिम महिलाओं में भी पति को तलाक देने का कानून रास्ता खुलेगा। कोर्ट ने कहा कि शरीयत काउंसिल जैसी निजी संस्थाएं तलाक को लेकर सर्टिफिकेट जारी नहीं कर सकती हैं। यह पूरी तरह से अवैध है। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि खुला भी तलाक का एक रूप है।

गर्भवती की मौत पर दो डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज, गोवा की जिला अदालत में घुसा चोर

ठाणे, 2 फरवरी (एजेंसिया)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में कथित रूप से बिना पंजीकरण चलाए जा रहे अस्पताल में गर्भवती महिला की मौत के मामले में पुलिस ने दो डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने वाडपे गांव की रहने वाली 31 वर्षीय महिला का भिवंडी शहर के तेमघर स्थित अपने अस्पताल में इलाज किया था। बाद में महिला की मौत हो गई थी।

अदालत के साक्ष्य कक्ष में चोर घुसा

गोवा की एक जिला एवं सत्र अदालत के साक्ष्य कक्ष में चोर घुस गया और विभिन्न मामलों में सबूत के तौर पर जब्त नकदी लेकर फरार हो गया। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को बताया कि यह घटना पुर्तगाली काल स्थित अदालत में हुई। इस दौरान चोर इमारत के पीछे की तरफ की खिड़की तोड़कर परिसर में घुस गया। अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि चोर विभिन्न मामलों में सबूत के तौर पर जब्त नकदी लेकर भाग गया।

मुंबई हवाईअड्डे पर 33.60 करोड़ की कोकीन के साथ यात्री गिरफ्तार

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बुधवार को मुंबई हवाईअड्डे पर साबुन की मोम की परत के नीचे छिपाकर रखी गई 33.60 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त की। डीआरआई के एक अधिकारी ने बताया कि एक भारतीय नागरिक अदीस अबाबा से मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरा था। वह इथोपियन एयरलाइंस के विमान से आया था। डीआरआई को खुफिया इनपुट मिले थे कि एक व्यक्ति नशीले पदार्थ के साथ मुंबई आ रहा है। इस पर डीआरआई ने यात्री को सामान की जांच के लिए रोका तो 16 छोटे साबुन के डिब्बे बरामद किए गए।

ज्वलनशील रसायन से भरे ड्रम के पास आग जलाते ही धमाका, दो मरे

जिले में एक व्यक्ति ने ज्वलनशील रसायन भरे ड्रम के पास सिगरेट जलाई तो जोरदार धमाका हो गया। इसकी चपेट में आकर दो लोगों की मौत हो गई। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रभारी अविनाश सावंत ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 8:30 बजे भिवंडी के कांबे में दो लोग कंटेनरों से डायथिलीन ग्लाइकोल निकाल रहे थे। उसी समय एक व्यक्ति ने सिगरेट जला ली तो इससे आग लग गई। इससे चार ड्रमों में जोरदार धमाका हुआ, जिसकी चपेट में आकर दोनों की मौत हो गई। सूचना पर अग्निशमन की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। मामले की जांच निजामपुर पुलिस कर रही है।

सीआरपीएफ ने 17 साल बाद नक्सलियों के गढ़ में स्थापित किया शिविर

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसिया)। नक्सली खतरे के कारण विस्मृत हुए वाणिज्यिक मार्ग की बहाली को एक कदम आगे बढ़ाते हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने छत्तीसगढ़ के अति नक्सल प्रभावित इलाके सुकमा के बेद्रे में अपना शिविर (एफओबी) स्थापित कर लिया है। ये सफलता सुरक्षा बलों के लिए नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई में एक उल्लेखनीय मील का पत्थर साबित होगी।

सीआरपीएफ ने ये जानकारी दी है। सीआरपीएफ के प्रवक्ता ने बताया कि सीआरपीएफ की 165 बटालियन और छत्तीसगढ़ पुलिस ने दक्षिण बस्तर क्षेत्र में स्थित सुकमा जिले के अत्यधिक नक्सल प्रभावित क्षेत्र बेद्रे में सफलतापूर्वक एक फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (एफओबी) स्थापित किया है। एक अधिकारी ने बताया कि यह एफओबी जगरगुंडा में इमली बाजार को जिला मुख्यालय बीजापुर और दंतेवाड़ा से जोड़ने वाले पुराने व्यापार मार्ग को फिर से खोलने में प्रभावी रूप से मदद करेगा, वहीं यह उस ट्रांजिट कॉरिडोर को भी बंद कर देगा जिसका उपयोग नक्सली पश्चिम बस्तर और दक्षिण बस्तर के बीच आवाजाही के लिए करते थे। गौरतलब है कि इसी के पास कुंदर में एक एफओबी की स्थापना 165 बटालियन सीआरपीएफ और छत्तीसगढ़ पुलिस ने पिछले साल दिसंबर के मध्य में की थी। यह बेद्रे एफओबी सिलगर और कुंदर एफओबी से लगभग 5 किलोमीटर और जगरगुंडा एफओबी से लगभग 10 किमी की दूरी पर स्थित है। जानकारी के मुताबिक 2006 में माओवादी खतरे के उभरने तक ये इलाका भारत के प्रमुख इमली बाजार के तौर पर जाना जाता था। जगरगुंडा इलाका इमली और अन्य वन उपज के लिए व्यापारिक केंद्र हुआ करता था। सीआरपीएफ ने बताया कि 17 साल बाद इस शिविर के साथ प्रशासन निर्णायक रूप से व्यापारिक मार्ग की बहाली कर पाएगा और इस प्रकार क्षेत्र के आर्थिक विकास का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

सीआरपीएफ ने भारी मात्रा में नक्सलियों के हथियार और गोला बारूद बरामद किए

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसिया)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को नक्सल विरोधी अभियान में एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन और झारखंड पुलिस के संयुक्त अभियान में सुरक्षा बलों ने झारखंड के लातेहार में भारी मात्रा में नक्सलियों के हथियार और गोला बारूद बरामद किए हैं।

सीआरपीएफ के प्रवक्ता ने बताया कि बुधवार को गुप्त सूचना के आधार पर झारखंड के लातेहार के नवाटोली के वन क्षेत्र जोकपानी में सीआरपीएफ की 209 कोबरा बटालियन और झारखंड पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा तलाशी अभियान चलाया गया। इस ऑपेरशन के दौरान नक्सलियों के ठिकानों से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किए गए। जानकारी के मुताबिक बरामद किए गए सामान में 5.56 इंसास एलएमजी, दो 7.62 एसएलआर राइफल, एक 5.56 इंसास राइफल, 13 मिश्रित मैगजीन और 470 मिश्रित राउंड गोलियां शामिल हैं। गौरतलब है कि बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में सुरक्षा बलों ने नक्सल गतिविधियों पर काफी हद तक काबू पा लिया है। यही वजह है, नक्सली अपना गढ़ छोड़कर भागने पर मजबूर हैं।

राज्य सरकार को आदेश : जिनका पीएफआई से संबंध नहीं

संपत्तियों पर कुर्की हटाकर उन्हें रिहा करें

तिरुवनंतपुरम, 2 फरवरी (एजेंसिया)। केरल हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि जिन लोगों का पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से कोई संबंध नहीं है और राज्य सरकार के राजस्व वसूली अधिकारियों द्वारा गलती से कुर्क की गई थी, उनकी संपत्तियों पर कुर्की हटाकर उन्हें रिहा किया जाए। दरअसल, राज्य सरकार ने हाईकोर्ट को बताया था कि पीएफआई से वसूली के संबंध में पहचान की गई संपत्तियों के नाम, पते और सर्वेक्षण संख्या में कुछ गलतियां हुई हैं। इसके परिणामस्वरूप उन व्यक्तियों की कुछ संपत्तियों को गलत तरीके से कुर्क कर लिया गया जो संगठन से जुड़े नहीं थे। राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत एक हलफनामे में यह जानकारी दी गई थी। हाईकोर्ट ने पिछले साल 2 सितंबर को पीएफआई को आदेश दिया था कि वह 30 सितंबर को संगठन द्वारा आयोजित अवैध हड़ताल के दौरान भड़की हिंसा में केरल राज्य परिवहन निगम (केएसआरटीसी) को हुए नुकसान की भरपाई के लिए दो सप्ताह के भीतर 5.20 करोड़ रुपये जमा कराए। अपने हलफनामे में राज्य सरकार ने कहा, आदेश (हाईकोर्ट के) के अनुपालन में आईजी द्वारा पहचान की गई संपत्तियों का विवरण, पंजीकरण कुर्की प्रक्रिया शुरू करने के लिए भूमि राजस्व आयुक्त को भेज दिया गया था।

चूंकि, ये सभी प्रक्रियाएं सीमित समय अवधि में शुरू की गई थीं, इसलिए पहचाने गए लोगों के नाम, पते, सर्वेक्षण संख्या आदि में कुछ समानता के कारण कुछ गलतियां हुईं। इसलिए इसके चलते उन व्यक्तियों की कुछ संपत्तियों को गलत तरीके से कुर्क कर लिया गया जो संगठन से जुड़े नहीं थे। हलफनामे में कहा गया था, जब सरकार के संज्ञान में यह आया कि कुर्की में कुछ गलतियां हुई हैं, तो भू-राजस्व आयुक्त और राज्य पुलिस प्रमुख को इन संपत्तियों के संबंध में आगे की कार्यवाही को रोकने का निर्देश दिया गया था, जिन्हें गलती से पहचाना गया था। 18 जनवरी 2023 के आदेश में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में पीएफआई से संबंधित 209 व्यक्तियों की संपत्तियों के संबंध में मांगी गई संपत्ति को कुर्क करने के लिए जिला कलेक्टरों को भेज दिया गया था।

कार पर पलटा सीमेंट मिक्सर, मां-बेटी की मौत

ट्रक का बैलेंस बिगड़ने से हुआ हादसा; बेटी को स्कूल छोड़ने जा रही थी महिला

बेंगलुरु, 2 फरवरी (एजेंसिया)। बेंगलुरु के बन्नेरघट्टा में सीमेंट कंक्रीट मिक्सर ले जा रहे ट्रक का बैलेंस बिगड़ गया। और वह पास से निकल रही एक कार पर पलट गया। हादसा इतना भयानक था कि ट्रक पलटने से कार में बैठी मां-बेटी की मौत हो गई।

हादसे के वक्त महिला अपनी बेटी को स्कूल छोड़ने जा रही थी। पुलिस ने ट्रक के मालिक की पहचान कर ली है। पुलिस की टीमें उसकी तलाश कर रही हैं।

कार में फंसी लाशों को निकालने 4 क्रेन बुलानी पड़ीं

पुलिस के मुताबिक 47 साल की गायत्री कुमार अपनी 16 साल की बेटी समता कुमार को स्कूल ले जा रही थी। हादसे के बाद लोगों ने पुलिस को खबर दी। मां-बेटी का शव कार में बुरी तरह फंस गए थे। जिन्हें निकालने के लिए चार मोबाइल क्रेन और एक अर्थ मूविंग व्हीकल बुलाना पड़ा। पुलिस ने कहा कि बेल्लारी की रहने वाली मृतिका गायत्री अपने पति सुनील कुमार और दो बच्चों के साथ बेंगलुरु के एक अपार्टमेंट में रहती थी।

रोज पापा के साथ स्कूल जाती थी समता

16 साल की समता को रोजाना उसके पिता ही स्कूल छोड़ने जाते थे। लेकिन बुधवार को मीटिंग के कारण वह जल्दी निकल गए। इस कारण गायत्री अपनी बेटी को छोड़ने स्कूल जा रही थी। मृतका के पति सुनील कुमार जब हादसे की जगह पहुंचे तो बेटी की लाश देखकर फूट-फूटकर रोने लगे। सुनील ने बताया कि उनका एक 10 महीने का बेटा भी है, जिसे वे उसकी मौसी के घर छोड़ आए हैं।

कार में अचानक लगी आग, गर्भवती महिला व पति की मौत

तिरुवनंतपुरम, 2 फरवरी (एजेंसिया)। केरल के कन्नूर जिले में गुरुवार को एक कार में अचानक आग लगने से एक गर्भवती महिला और उसके पति की मौत हो गई। दंपति, चार अन्य लोगों के साथ एक अस्पताल जा रहे थे, तभी सुबह करीब 10.40 बजे कन्नूर फायर स्टेशन के पास गाड़ी में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि आगे की सीटों पर बैठे दंपत्ति की जलकर मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे चार अन्य लोग भाग निकले। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आगे बैठे दो लोग दरवाजा नहीं खोल पाए, जबकि पीछे बैठा एक बच्चा और तीन अन्य भागने में सफल रहे। मृतकों की पहचान 26 वर्षीय रिशा और उसके पति प्रीजीत के रूप में हुई है। वे नियमित जांच के लिए स्थानीय अस्पताल जा रहे थे। कन्नूर पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, फोरेंसिक विशेषज्ञ जांच के बाद ही आग लगने के सही कारणों का पता लगा पाएंगे। कोई भी मौका नहीं छोड़ा जाएगा और जांच में सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा।

हिंदूवादी संगठन हिंदू मक्कल काची के नेता की बेरहमी से हत्या

हथियारों से लैस भीड़ ने किया हमला

मदुरै, 2 फरवरी (एजेंसिया)। तमिलनाडु के मदुरै में एक हिंदूवादी संगठन के नेता की बेरहमी से हत्या करने की घटना सामने आई है। पीड़ित की पहचान मणिकंदन (41 वर्षीय) के रूप में हुई है, जो कि हिंदू मक्कल काची संगठन के पदाधिकारी थे। घटना बीती 31 जनवरी की है और हत्यारों की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

खबर के अनुसार, मणिकंदन, हिंदू मक्कल काची दक्षिण मदुरै के डिप्टी सेक्रेटरी थे और मदुरै के एमके नगर में उनकी ज्वैलरी की दुकान चलाते थे। मंगलवार रात को वह अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों की भीड़ ने चाकू, दरांती और पत्थरों से उन पर पीछे से हमला बोल दिया। बेरहमी से हमला करने के बाद आरोपी मणिकंदन को घायल अवस्था में छोड़कर मौके से फरार हो गए। इसके बाद मणिकंदन को अस्पताल ले जाया गया लेकिन वहां उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मदुरै की जयहिंदपुरम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इस हत्या के पीछे कोई राजनीतिक या फिर निजी दुश्मनी तो नहीं है। आरोपियों की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

बाल विवाह के खिलाफ असम में 4000 से ज्यादा मामले दर्ज

सीएम सरमा बोले-तीन फरवरी से शुरू होगी कार्रवाई

गुवाहाटी, 2 फरवरी (एजेंसिया)। बाल विवाह पर लगाम लगाने के लिए असम सरकार ने कमर कस ली है और इसके खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। गुरुवार को राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट कर बताया कि असम सरकार राज्य में बाल विवाह के खतरे को समाप्त करने के अपने संकल्प पर दृढ़ है।

मुख्यमंत्री ने बताया, अब तक असम पुलिस ने राज्य भर में 4,004 मामले दर्ज किए हैं और आने वाले दिनों में और पुलिस कार्रवाई की संभावना है। उन्होंने बताया, सभी मामलों पर कार्रवाई तीन फरवरी से शुरू होगी। इसलिए सभी से सहयोग की अपील है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 320 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.13 2079 शुक्रवार, 3 फरवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

आरबीआई ने बैंकों से पूछा

अडाणी ग्रुप को कितना कर्ज दिया

संसद में हंगामा; विपक्ष ने कहा-संसद या सुप्रीम कोर्ट की कमेटी जांच करे

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर गुरुवार को संसद में जमकर हंगामा हुआ। पूरे विपक्ष ने अडाणी ग्रुप के वित्तीय लेनदेन की जांच संसदीय पैनल (जेपीसी) या सुप्रीम कोर्ट की कमेटी से कराने की मांग की। इस मुद्दे पर हंगामे के चलते लोकसभा और राज्यसभा को कार्यवाही शुरू होते ही पहले दोपहर 2 बजे तक और फिर अगले दिन तक के लिए स्थगित करना पड़ा।

इधर, आरबीआई ने सभी बैंकों से अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड को दिए कर्ज की जानकारी मांगी है। आरबीआई के अफसरों ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी है। वहीं, शेयर मार्केट में भी अडाणी ग्रुप के शेयर्स में 10% तक की गिरावट देखी गई।

बुधवार देर रात अडाणी ग्रुप ने 20 हजार करोड़ रुपए के फुली सबस्क्राइब्ड एफपीओ को रद्द कर इन्वेस्टर्स का पैसा लौटाने की बात कही थी। बुधवार को अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 26.70फीसद गिरकर 2179.75 पर बंद हुआ था। इस गिरावट को ही एफपीओ वापस लेने की वजह माना जा रहा है। गौतम अडाणी ने एफपीओ रद्द करने के बाद एक वीडियो मैसेज दिया। इसमें इन्वेस्टर्स का शुक्रिया अदा

किया। कहा, 'पिछले हफ्ते स्टॉक में हुए उतार-चढ़ाव के बावजूद कंपनी के बिजनेस और उसके मैनेजमेंट में आपका भरोसा हमारे लिए आश्वासन देने वाला है। इसलिए निवेशकों को संभावित नुकसान से बचाने के लिए हमने एफपीओ वापस ले लिया है। बोर्ड ने महसूस किया कि एफपीओ के साथ आगे बढ़ना नैतिक रूप से सही नहीं होगा।'

13 विपक्षी पार्टियों ने कहा- हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर संसद में चर्चा हो

अडाणी ग्रुप पर हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को लेकर कांग्रेस, टीएमसी, आम आदमी पार्टी, सपा, डीएमके, जनता दल और लेफ्ट समेत 13 विपक्षी पार्टियों ने मीटिंग की। यह बैठक राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के चेंबर में हुई। इनमें से 9 पार्टियों ने राज्यसभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि लोगों की मेहनत का पैसा बर्बाद हो रहा है। लोगों का विश्वास बैंक और एलआईसी से उठ जाएगा। कुछ कंपनियों के शेयर लगातार गिरते जा रहे हैं।

सभी पार्टियों के नेताओं ने मिलकर एक फैसला लिया है कि आर्थिक दृष्टि से देश में जो घटनाएं हो रही हैं उसे सदन में उठाना है, इसलिए हमने एक नोटिस दिया था। हम इस नोटिस पर चर्चा चाहते थे, लेकिन जब भी हम नोटिस देते हैं तो उसे रिजेक्ट कर दिया जाता है।

आप सांसद संजय सिंह ने बताया कि उन्होंने गौतम अडानी का पासपोर्ट जब्त करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी, ईडी और सीबीआई को एक लेटर लिखा है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं किया तो वह भी कई बिजनेसमैन की तरह देश से भाग जाएंगे और देश के करोड़ों लोगों के पास कुछ भी नहीं बचेगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा- अपने कुछ नेताओं को फायदा पहुंचाने के लिए भाजपा बैंक और एलआईसी के पैसे का इस्तेमाल कर रही है। शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा- पूरा विपक्ष दोनों सदनों में हिंडनबर्ग रिपोर्ट और अडाणी के स्टॉक क्रैश होने का मुद्दा उठाएगा।

भारत का हज कोटा 1.75 लाख तय

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। सरकार ने गुरुवार को कहा कि सऊदी अरब के साथ द्विपक्षीय समझौते के अनुसार इस साल के लिए भारत का हज कोटा 1,75,025 तय किया गया है।

लोकसभा में एक सवाल के लिखित उत्तर में अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की हज समितियों सहित हितधारकों के साथ हज प्रबंधन पर कई संवाद सत्र किए हैं, जिसमें हज कोटा बहाल करने के अनुरोध प्राप्त हुए हैं। ईरानी ने कहा, हज 2023 के लिए सऊदी अरब के साथ वार्षिक द्विपक्षीय समझौते के तहत इस मुद्दे का समाधान किया गया और कोविड-19 की चुनौतियों के बावजूद देश का मूल हज कोटा (1,75,025) बहाल कर दिया गया है। हज कोटा में वृद्धि ने अब सरकार को राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से अधिक तीर्थयात्रियों को भेजने में सक्षम बनाया है। सरकार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 से अब तक 21 विदेश यात्राएं की हैं और इन यात्राओं पर 22.76 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए। विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि 2019 से राष्ट्रपति ने आठ विदेश यात्राएं कीं और इन यात्राओं पर 6.24 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए। मंत्री के अनुसार, सरकार ने राष्ट्रपति की यात्राओं के लिए 6,24,31,424 रुपये, प्रधानमंत्री की यात्राओं के लिए 22,76,76,934 रुपये और विदेश मंत्री की यात्राओं के लिए 20,87,01,475 रुपये की राशि खर्च की।

पूर्व सीएम की बेटी ने डिब्बे में रखे जूते दिखाए

कहा-इन्हें पहनकर सीएम मेरे साथ पदयात्रा करें, जिससे जनता की समस्याएं पता चले

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में गुरुवार को वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की प्रमुख वाईएस शर्मिला ने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को डिब्बे में रखे एक जोड़ी जूते दिखाए और प्रजा प्रस्थान पदयात्रा में शामिल होने की चुनौती दी। कहा- इन्हें पहनकर चलने में आसानी होगी और वे जनता की समस्याएं जान सकेंगे।

आंध्र प्रदेश से अलग होकर बने तेलंगाना में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव हैं। ऐसे में वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की प्रमुख शर्मिला ने मुख्यमंत्री केसीआर के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। शर्मिला राज्य में प्रजा प्रस्थान पदयात्रा निकाल रही हैं। वे आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी और वर्तमान सीएम जगन मोहन रेड्डी की बहन हैं। शर्मिला ने 2021 में वाईएसआरटीपी पार्टी बनाई थी। पिछले साल उनके काफिले पर कथित हमले के बाद यात्रा को रोक दिया गया था।

गुरुवार को नरसमपेट से फिर से यात्रा शुरू हुई। यात्रा की शुरुआत के समय मीडिया से बातचीत में शर्मिला ने केसीआर को साथ चलने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि केसीआर तेलंगाना को गोल्डन स्टेट होने का दावा करते हैं। अगर यह सच साबित होता है तो वे राजनीति से संन्यास ले लेंगी। अगर यह सच नहीं है, तो केसीआर को इस्तीफा देना होगा और राज्य के लोगों से माफी मांगकर एक दलित को मुख्यमंत्री बनाना होगा। पिछले साल 29 नवंबर को तेलंगाना पुलिस शर्मिला की कार क्रेन से खींचकर ले गई थी। कार में शर्मिला मौजूद थीं और उसे खींचे जाने के दौरान अंदर से ही केसीआर के खिलाफ नारे लगा रही थीं। दरअसल, कुछ लोगों ने शर्मिला की पदयात्रा के साथ चल रही एक प्रचार बस को आग लगाने की कोशिश की थी। पुलिस ने इस मामले में शर्मिला की पार्टी के कार्यकर्ताओं पर ही एक्शन लिया था। इसके बाद वे कार्यकर्ताओं के साथ विरोध करने पहुंची थीं। इस पर पुलिस ने शर्मिला को हिरासत में ले लिया था। बाद में कोर्ट ने उन्हें सशर्त जमानत दी थी।

यात्रा रोकने के आरोप लगाकर सड़क पर दिया था धरना

पिछले साल दिसंबर में शर्मिला ने तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव पर उनकी पदयात्रा को रोकने का आरोप लगाया था। वे हैदराबाद में सड़क पर ही धरने पर बैठ गई थी और कहा था- मैं तेलंगाना में लोकतंत्र की रक्षा की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठी हूं और मुझे अपनी पदयात्रा करने की अनुमति दी जाए।

हैदराबाद के गोदाम में लगी भीषण आग

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के बागलिंगमपल्ली इलाके में गुरुवार को वीएसटी के पास एक गोदाम में भीषण आग लग गई। दमकल कर्मियों ने छह गाड़ियों की मदद से चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल, अभी तक किसी भी तरह के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है। पुलिस के मुताबिक, इमारत का इस्तेमाल शादियों और अन्य समारोहों में इस्तेमाल होने वाली सजावट की सामग्री को स्टोर करने के लिए किया जा रहा था। इमारत से उठती आग की लपटों और पूरे इलाके में फैले धुएं के कारण आसपास लोगों में दहशत फैल गई। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने घटनास्थल का दौरा किया और अग्निशमन विभाग और पुलिस के उच्च अधिकारियों से बात की। मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि गोदाम के मालिक ने अग्नि सुरक्षा के कोई उपाय नहीं किए थे। अधिकारियों को परिसर में आग बुझाने के लिए कोई उपकरण नहीं मिला। अधिकारियों को संदेह है कि शॉर्ट-सर्किट के कारण आग लगी। यह घटना शहर में एक बहुमंजिला व्यावसायिक इमारत में भीषण आग लगने के बाद सामने आई है, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी।

मजबूरी में गौ मांस खाने वालों के लिए दरवाजे खुले

संघ सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने कहा-उनकी घर वापसी संभव, भारत में रहने वाले सभी हिंदू

जयपुर, 2 फरवरी (एजेंसियां)। आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने गुरुवार को घर वापसी को लेकर बड़ा बयान दिया। जयपुर में बिड़ला ऑडिटोरियम के दीनदयाल स्मृति व्याख्यान में कहा, 'भारत में रहने वाले सभी हिंदू हैं, क्योंकि उनके पूर्वज हिंदू थे। उनकी पूजन पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन उन सभी का डीएनए एक है।'उन्होंने कहा, 'भारत में 600 से अधिक जनजातियां कहती थीं कि हम अलग हैं। हम हिंदू नहीं हैं। भारत विरोधी ताकतों ने उन्हें उकसाने का काम किया था। इस पर गोलवलकर जी ने कहा कि वे हिंदू हैं। उनके लिए दरवाजे बंद नहीं हैं, क्योंकि हम वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा पर काम करते हैं। किसी ने मजबूरी में गौ मांस ही क्यों न खाया हो, किसी कारण से वे चले गए तो दरवाजा बंद नहीं कर सकते हैं। आज भी उसकी घर वापसी हो सकती है।'

भारत हिंदू राष्ट्र, इसे बनाने वाले हिंदू

होसबोले ने कहा, 'भारत हिंदू राष्ट्र है, क्योंकि इस देश को बनाने वाले हिंदू हैं। कुछ लोग कहते हैं कि वेद पुराण में हिंदू नहीं हैं, लेकिन वेद पुराण में ऐसा भी नहीं कि इन्हें स्वीकार नहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि सत्य और उपयोगी बातों को स्वीकार करना चाहिए। डॉ. हेडगेवार इस व्याख्या में नहीं पड़े कि हिंदू कौन हैं। भारत भूमि को पितृ भूमि मानने वाले हिंदू हैं, जिनके पूर्वज हिंदू हैं, वे लोग हिंदू हैं। जो स्वयं को हिंदू माने, वो हिंदू है। जिन्हें हम हिंदू कहते हैं, वो हिंदू हैं।'

संघ सभी मतों और संप्रदाय को एक मानता है

संघ न तो दक्षिणपंथी है और न ही वामपंथी है। बल्कि राष्ट्रवादी है। संघ भारत के सभी मतों और संप्रदायों को एक मानता है। ऐसे में सभी के सामूहिक प्रयास से ही भारत विश्व गुरु बनकर दुनिया का नेतृत्व करेगा। संघ ने हर दर्द को सहा और कहा, एन्जॉय द पेन।

आज राष्ट्र जीवन के केंद्र बिंदु पर संघ है। संघ व्यक्ति निर्माण और समाज निर्माण के कार्य करता रहेगा। समाज के लोगों को जोड़कर समाज के लिए काम करेगा। आज संघ के एक लाख सेवा कार्य चलते हैं। संघ एक जीवन पद्धति और कार्य पद्धति है। संघ एक जीवन शैली है और संघ आज एक आंदोलन बन गया है। हिंदुत्व के सतत विकास के आविष्कार का नाम आरएसएस है।

उन्होंने कहा कि संघ को समझने के लिए दिमाग नहीं, दिल चाहिए। केवल दिमाग से काम नहीं चलेगा, क्योंकि दिल और दिमाग बनाना ही संघ का काम है। यही वजह है कि आज संघ का प्रभाव भारत के राष्ट्रीय जीवन में है। देश में लोकतंत्र की स्थापना में आरएसएस की भूमिका रही। ये बात विदेशी पत्रकारों ने लिखी थी।'

तमिलनाडु में मतांतरण के विरुद्ध हिंदू जागरण का शंखनाद हुआ था। जब पत्रकार संघ के कहने से खबर तक नहीं छापते थे, लेकिन आज संघ छपता है तो अखबार बिकता है। देश में संघ के सैकड़ों लोगों की हत्याएं हुईं, पर कार्यकर्ता डरे नहीं हैं। संघ सिर्फ राष्ट्र हित में काम करने वाला है और हम नेशनलिस्ट हैं।

यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने पर फैसला नहीं

कानून मंत्री ने राज्यसभा में कहा-इस पर उठे सवालों की जांच अभी पूरी नहीं हुई

नई दि, 2 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने अभी तक देश में समान नागरिक संहिता यानी यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने पर कोई फैसला नहीं लिया है। यह जानकारी कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को राज्यसभा में दी। उन्होंने बताया- सरकार ने 21वें लॉ कमीशन को समान नागरिक संहिता को लेकर उठे सवालों की जांच का जिम्मा सौंपा था। सरकार ने कमीशन को जांच के बाद अपनी सिफारिशें सौंपने को भी कहा था। 21वें कमीशन का कार्यकाल 31 अगस्त 2018 को खत्म हो गया था। अब उनसे मिली सूचनाएं 22वें कमीशन को सौंपी जा सकती हैं। यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू होने से सभी समुदाय के लोगों को एक समान अधिकार दिए जाएंगे। समान नागरिक संहिता लागू होने से भारत की महिलाओं की स्थिति में सुधार होगा। कुछ समुदाय के पर्सनल लॉ में महिलाओं के अधिकार सीमित हैं। ऐसे में यदि यूसीसी लागू होता है तो महिलाओं को भी समान अधिकार लेने का लाभ मिलेगा। महिलाओं का अपने पिता की संपत्ति पर अधिकार और गोद लेने से संबंधी सभी मामलों में एक सामान नियम लागू होंगे।

ईडी का दावा : दिल्ली सरकार ने शराब घोटाले का पैसा गोवा चुनाव में लगाया

सीएम केजरीवाल बोले-सारे केस फर्जी

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार में कथित शराब घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सनसनीखेज दावा किया है। गुरुवार को ईडी की ओर से कोर्ट में चार्जशीट पेश की गई, जिसमें दावा किया गया है कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने आबकारी नीति से अर्जित धन का कुछ हिस्सा गोवा के चुनाव में खर्च किया। वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ईडी की चार्जशीट को काल्पनिक और फर्जी बताया है। सीएम केजरीवाल ने कहा है कि ईडी ने इस सरकार के कार्यकाल में करीब 5000 चार्जशीट फाइल की होंगी। उसमें से कितने लोगों को सजा हुई? ईडी के सारे केस फर्जी हैं। ईडी का इस्तेमाल केवल सरकारें गिराने और सरकारें बनाने में होता है। ईडी भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए नहीं बल्कि इन लोगों की सरकारों के लिए एमएलए खरीदने और एमएलए तोड़ने के लिए प्रयोग में आती है।

जम्मू-कश्मीर में पहली बार परफ्यूम आईईडी बरामद

जम्मू, 2 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के नरवाल में 21 जनवरी को 20 मिनट के अंतराल पर दो बम धमाके हुए थे। इसमें 9 लोग घायल हुए थे। डीजीपी का दावा है कि इसमें परफ्यूम आईईडी का इस्तेमाल हुआ था। जम्मू-कश्मीर में आतंक फैलाने के लिए दहशतगर्द अब नए हथकंडे अपना रहे हैं। वे अब आम आईईडी की जगह हमलों के लिए परफ्यूम आईईडी का इस्तेमाल कर रहे हैं। 21 जनवरी को नारवाल में 20 मिनट के अंदर हुए दो धमाकों में इसी परफ्यूम आईईडी का इस्तेमाल किया गया था। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी दिलबाग सिंह ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

दिलबाग सिंह ने बताया कि हमने पहली बार धमाके में इस्तेमाल होने वाले परफ्यूम आईईडी बरामद किया है। नारवाल धमाके में शामिल आरिफ नाम के आतंकी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। वह रियासी का रहने वाला है, जो पिछले 3 साल से सीमा पार लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर के साथ जुड़ा था। हाल में हुई कई आतंकी घटनाओं के लिए आतंकी आरिफ जिम्मेदार है।

डीजीपी ने कहा कि परफ्यूम आईईडी परफ्यूम की बोतल की तरह ही होता है। अगर कोई इसे दबाने या खोलने की कोशिश करेगा तो आईईडी विस्फोट हो जाएगा। इस तरह का आईईडी पहली बार मिला है, इसलिए हम काफी सतर्क हो गए हैं।

6 करोड़ साल पुरानी शालिग्राम शिलाओं का अयोध्या में पूजन

नेपाल से 373 किमी और 7 दिन का सफर, भगवान श्रीराम की मूर्ति बनेगी

अयोध्या, 2 फरवरी (एजेंसियां)। 373 किलोमीटर और 7 दिन के सफर के बाद दो विशाल शालिग्राम शिलाएं अयोध्या पहुंच गई हैं। गुरुवार सुबह रामसेवक पुरम में 51 वैदिक ब्राह्मणों ने शालिग्राम शिलाओं का पूजन कराया। इसके बाद नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री विमलेंद्र निधि और जानकी मंदिर के महंत तपेश्वर दास ने चंपत राय को शालिग्राम शिलाएं सौंप दी। इसी 6 करोड़ साल पुराने शालिग्राम पत्थर से भगवान राम और सीता की मूर्ति बनेगी, जो राम दरबार में स्थापित होगी।

विमलेंद्र निधि ने बताया कि जनकपुर में राम व जानकी की जयंती से सात ही सीताराम विवाह धूमधाम से मनाते हैं। महंत तपेश्वर दास की मंशा से यह काम हो रहा है। न्यायालय के फैसले के बाद मन में आया कि राममंदिर में शालिग्राम शिला की मूर्ति लगे। इसके लिए 40 शिलाओं की पहचान की गई। वैज्ञानिक तरीके से पहचान के बाद ट्रस्ट से पत्रचार किया गया। विमलेंद्र निधि ने बताया कि वे नृपेंद्र मिश्र से भी मिले। फिर दोनों देशों के बीच सहमति बनी। शिला को भारत लाने के लिए मुझे और महंत राम तपेश्वर दास को जिम्मेदारी दी गई थी।

अयोध्या में उत्सव जैसा माहौल

बुधवार रात रथ के अयोध्या पहुंचने पर उत्सवी माहौल में सरयू नदी के पुल पर फूल बरसाकर और नगाड़े बजाकर स्वागत किया गया। जय श्रीराम के जयकारे लगे। श्रद्धालुओं का हजूम इस कदर उमड़ा कि शिलाओं को रामसेवकपुरम पहुंचने में 1 घंटा लग गया। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्र, मेयर ऋषिकेश उपाध्याय ने शिलाओं को रामसेवकपुरम में रखवाया। सुरक्षा के लिए बाहर पीएसी-पुलिस तैनात की गई है। रामजन्मभूमि परिसर में शिलाओं को रखने के खास इंतजाम किए गए हैं। वहीं, पूजन में शामिल होने के लिए 100 महंतों को आमंत्रित किया गया है। ओडिशा और कर्नाटक से भी शिलाएं अयोध्या आएंगी। इन सभी का तुलनात्मक अध्ययन मूर्तिकार करेंगे। फिर उनके परामर्श पर ट्रस्टी विचार करेंगे।

मूर्ति बनाने के लिए मूर्तिकारों को बुलाया

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने बताया, 'भगवान श्रीराम के मंदिर में मूर्ति किस तरीके की हो और किन शिलाओं से यह मूर्ति निर्मित हो इस पर राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट विचार कर रहा है। इसके लिए देशभर के मूर्तिकारों के विचारों को जानने के लिए बुलाया गया है। भगवान की मूर्ति की भाव भंगिमा कैसी हो, इस पर गहनता से विचार किया जा रहा है। ओडिशा और कर्नाटक की भी शिलाएं मंगवाई गई हैं, लेकिन उनके यहां आने का समय अभी तय नहीं हुआ है। सभी शिलाओं को एकत्र करने के बाद विशेषज्ञों की सलाह के बाद ही गर्भगृह की मूर्ति किस पत्थर से बनाई जाएगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 3 फरवरी, 2023 4

युविचार

काम की अधिकता नहीं अनियमितता आदमी को मार डालती है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/0110

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in व्दारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य बिजली अभियंता, निर्माण, दमरे, सिकंदराबाद व्दारा निम्न कार्यो हेतु टू पैकेट सिस्टम आफ टेंडरिंग पध्दति में ई-निविदा आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 1. निविदा आमंत्रण सूचना सं. इ29सीटीआरडीएससी 04-2022-2023, दि. 02-02-2023 कार्य विवरण: निविदा सं. इ29सीटीआरडीएससी 04-2022-2023, दि. 02-02-2023 दमरे के विजयवाडा जंक्शन 3 लाईन प्राजेक्ट -65 स्के.मीमी कैटेनरी वायर तथा 107 स्के.मीमी एचडीजी कापर कांटाक्ट वायर, एलटी सप्लाई ट्रांसफार्मर स्टेशनों में 25 केवी, 50 एचजेड सिंगल फेज एसी ट्रैक्शन ओवरहेड उपकरण की डिजाइनींग, आपूर्ति, इरेक्शन, टेस्टींग एवं कमीशनींग सहित मौजूदा ओएचइ में, एर्रुपालेम (छोडकर)-पंडरपल्ली(मिलाकर) काजीपेट जंक्शन के हिस्से के वरंगल यार्ड में, मोडिफिकेशन्स या परिवर्तन करना। (टीकेएम 75)

विवरणः अनुमानित मूल्यः रु. 25,42,38,366.%4 पूधरा /बोली सुरक्षा रु. 14,21,200.00 दस्तावेज मूल्यः निविदा दस्तावेज को आनलाइन रुप में निःशुल्क तौर पर डाउनलोड किया जा सकता है। पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तारीख व समयः 27.02.2023 के 15.00 बजे।

1)बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः http://ireps.gov.in पर लागिन करें।

2) ठेकेदारों व्दारा उक्त निविदा की पूधरा के भुगतान को, आयआरइपीएस पोर्टल पर उपलब्ध आनलाईन पेमेंट पध्दतियों जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि व्दारा ही किया जाना चाहिए। इस मामले में मैन्युएल पेमेंट, डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपाजिट रिसीप्ट्स आदि पर बिलकुल विचार नही किया जायेगा।

3) निविदादाताओं व्दारा अपने प्रस्तावों को आनलाइन रुप में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान जो निविदा बंद की तिथि से पंद्रह दिन पहले, के दौरान प्रस्तुत करना चाहिए।

4) निविदादाता व्दारा किसी भी शुध्दिपत्रों (केवल आनलाइन पर जारी) निविदा प्रस्तुति की अवधि के प्रारंभ की तिथि तक ही अवलोकन करना चाहिए।

मुख्य बिजली अभियंता,(निर्माण). सिकंदराबाद

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in व्दारा)

PUB0111

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य बिजली अभियंता, निर्माण, दमरे, सिकंदराबाद व्दारा निम्न कार्यो हेतु ,सिगंल पैकेट सिस्टम आफ टेंडरिंग पध्दति में ई-निविदा आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 1. निविदा आमंत्रण सूचना सं. इ(जीएस) /सीएन/2022-2023 दि. 02.02.2023

कार्य विवरणः निविदा सं. 13-2022-23-इ-जीएस-सीएन मुनिराबाद- महबूबनगर न्यू बीजी लाइन- कृष्णा व देवरकोंडा (65.%4किमी) के मध्य विद्युतीकरण हेतु साधारण बिजली व्यवस्था(टीआरडी) करना।

विवरणः अनुमानित मूल्यः रु. 3,21,55,701.00, पूधरा /बोली सुरक्षा रु. 3,10,800.00 दस्तावेज मूल्यः शून्य । पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तारीख व समयः 24.02.2023 के 15.00 बजे।

1)बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइटः http://ireps.gov.in** पर लागिन करें।

2) ठेकेदारों व्दारा उक्त निविदा की पूधरा के भुगतान को, आयआरइपीएस पोर्टल पर उपलब्ध आनलाईन पेमेंट पध्दतियों जैसे नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे सुविधाओं व्दारा ही किया जाना चाहिए।

3) निविदादाताओं व्दारा अपने प्रस्तावों को आनलाइन रुप में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान जो निविदा बंद की तिथि से पंद्रह दिन पहले, के दौरान प्रस्तुत करना चाहिए।

4) निविदादाता व्दारा किसी भी शुध्दिपत्रों (केवल आनलाइन पर जारी) निविदा प्रस्तुति की अवधि के प्रारंभ की तिथि तक ही अवलोकन करना चाहिए।

मुख्य बिजली अभियंता, (निर्माण), सिकंदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना सं. बी/ ई. 29- टीआरडी-टीएनडीआर-18-22-23, दि. 31-01.2023

PUB0112

अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्न कार्यों हेतु आयआरपीएस में निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 1. निविदा सं. बी/इ29-टीआरडी-टीएनडीआर-18-22-23 कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन- कवाली, राजमंड्री, सामलकोट जंक्शन तथा तुनी ट्रैक्शन सब स्टेशनों में कैपैसिटर बैंक का आगमेंटेशन करना।

पूरा करने की अवधिः 12 महिने, अनुमानित लागत(रु.) 2,08,01,222.00 बोली सुरक्षा राशिः(पूधरा) रु.2,54,000.00

क्रम सं.1- निविदा प्रपत्र मूल्य(रु.) शून्य

बंद करने की तिथिः 06.03.2023 के 15.00 बजे

वरिष्ठ मंडलीय बिजली अभियंतास टीआरडी विजयवाडा

खुली ई-निविदा सूचना सं. बी/ इ, इजीएस/ 14/2022-23, दि. 02.02.2023

PUB0113

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्न कार्यों हेतु निम्न विवरित तिथि नुसार 15.00 बजे तक निविदा आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1 निविदा सं. बी/ इ, इजीएस/ 14/2022-23, दि. 02.02.2023

कार्य विवरण विजयवाडा डिवीजन के एलटी ओएच लाइन्स से युजी केबुल्स तथा अन्य उपकरणों का अपग्रेडेशन करना।

पूरा करने की अवधि- 06 महिने निविदा मूल्य रु.99,54,649.00 पूधरा या बोली सुरक्षा(रु.) 1,99,100.00

निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य, बंद करने की तिथि- 27-02-2023

1)भावी निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि, तत्संबंधित किसी भी निविदा के किसी भी परिवर्तन या शुध्दिपत्रों हेतु वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।

मंडलीय रेल प्रबंधक(बिजली) विजयवाडा

A0170

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

देश में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक है तेलंगाना : शांति कुमारी

नेशनल डिफेंस कॉलेज के प्रतिनिधिमंडल ने सीएस से मुलाकात की

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि युवा राज्य तेलंगाना विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है और यह देश में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक है। नेशनल डिफेंस कॉलेज के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को यहां बीआरकेआर भवन में मुख्य सचिव से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए, मुख्य सचिव ने उन्हें मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों के बारे में जानकारी दी।

मुख्य सचिव ने कहा कि हालांकि तेलंगाना देश का सबसे युवा राज्य है, लेकिन इसने विकास की कहानी लिखी है, जिसने विभिन्न क्षेत्रों में परिवर्तनकारी बदलाव लाया है। भीषण गर्मी के दौरान भी उद्योग और कृषि के लिए 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। कृषि में काफी प्रगति हुई है जिसके परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है। राज्य का जीएसडीपी 2014 के 5.05 लाख करोड़ से बढ़कर 2022-2023 में 13.27 लाख करोड़ हो गया है। शांति कुमारी ने कहा कि प्रति व्यक्ति आय 1.24 लाख से बढ़कर 3.17 लाख हो गई है।

मुख्य सचिव ने कहा कि शासन को लोगों के करीब लाने के लिए कई नीतियां शुरू की गई हैं। "नए जिलों का निर्माण किया गया जिसके परिणामस्वरूप राज्य में कई विकास केंद्रों का विकास हुआ। इसी तरह, शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए नई नगर पालिकाओं और निगमों का गठन किया गया।

मिशन भागीरथ योजना एक और महत्वपूर्ण पहल है जिसने न केवल पेयजल की समस्या को कम किया है बल्कि स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं को हल करने में भी मदद की। तेलंगाना स्वास्थ्य क्षेत्र में विभिन्न मापदंडों में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक है।" मुख्य सचिव ने कहा कि हरितहारम कार्यक्रम मुख्यमंत्री के दिमाग की उपज है।

इस कार्यक्रम ने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में हरित क्षेत्र में 7.7 प्रतिशत की वृद्धि में मदद की है। राज्य भर में लगभग 270 करोड़ पेड़ लगाए गए हैं। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि मजबूत और दूरदर्शी नेतृत्व के कारण राज्य की तीव्र प्रगति संभव है। उन्होंने राज्य सरकार की विभिन्न पहलों की सराहना की, विशेष रूप से सक्रिय योजनाओं के माध्यम से जमीनी स्तर पर लोगों को सशक्त बनाने के साथ-साथ टी हब और अन्य ऐसी पहलों के माध्यम से प्रौद्योगिकी का उपयोग किया। विशेष मुख्य सचिव ऊर्जा सुनील शर्मा, प्रमुख सचिव पीआर एंड आरडी संदीप कुमार सुल्तानिया, सचिव डब्ल्यूसीडब्ल्यूडी क्रिस्टीना जोंगथू, सचिव स्वास्थ्य रिजवी, सचिव कृषि रघुनंदन राव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपने-अपने विभागों का अवलोकन किया। प्रियांक भारती संकाय प्रभारी के नेतृत्व में एनडीसी प्रतिनिधिमंडल भारत अध्ययन दौरे को समझने के लिए है और तेलंगाना के कई हिस्सों का दौरा किया।

राजनेताओं को देश के आर्थिक विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित करना जरूरी : केटीआर

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उद्योग, वाणिज्य और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री के.टी. रामाराव ने गुरुवार को राजनेताओं से राजनीति के बजाय देश के आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में नेता राजनीति पर ध्यान देते हैं न कि देश की अर्थव्यवस्था पर। उन्होंने एनएचआरडी 'डिकोड द फ्यूचर- द नेशनल कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए कहा कि भारत चुनावों के एक बारहमासी मोड में है और राजनेता हमेशा अगली पीढ़ियों के लिए संपत्ति बनाने की तुलना में चुनाव जीतने पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने कहा कि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं और चुनाव साल भर होते हैं और नेता हमेशा राजनीति से घिरे रहते हैं। केटीआर ने भी धन के समान वितरण को सुनिश्चित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश है और फिर भी देश की अधिकांश संपत्ति कुछ व्यक्तियों के पास है। उन्होंने कहा कि संपत्ति का वितरण सुनिश्चित करना प्रत्येक सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

केटीआर ने कहा कि हमें यह सोचने की जरूरत है कि क्या हमारे देश का नेतृत्व हमें 25 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था होने की आकांक्षा दे रहा है, इसके अलावा धन को सभी वर्गों के बीच समान रूप से कैसे वितरित किया जा सकता है। हम पृथ्वी ग्रह पर सबसे अधिक गरीब लोगों वाले देश हैं। मैं साम्यवाद का प्रचार नहीं कर रहा हूं, लेकिन जब तक धन समान रूप से वितरित नहीं किया जाता है और जब तक सरकार सबसे कमजोर लोगों की देखभाल नहीं करती है, हम नागरिक संघर्ष कर सकते हैं।

एमएलसी कविता ने मनरेगा फंड में कटौती के लिए बीजेपी सरकार की खिंचाई की

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी के कविता ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को कमजोर करने और अंततः खत्म करने के प्रयासों के लिए केंद्र की भाजपा सरकार की आलोचना की, जिससे ग्रामीण गरीबों के जीवन को संकट में डाल दिया गया। उन्होंने कहा कि नवीनतम केंद्रीय बजट में योजना के लिए धन के आवंटन में भारी कमी केंद्र की योजना को बंद करने की ओर इशारा करती है। गुरुवार को यहां मनरेगा एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कविता ने कहा कि केंद्र सरकार ने मनरेगा के लिए केवल 60,000 करोड़ रुपये आवंटित किए, जो पिछले पांच वर्षों में इस योजना के लिए सबसे कम आवंटन था। बीजेपी सरकार इस योजना के लिए 2020-21 में 1.1 लाख करोड़ रुपये, 2021-22 में 98,000 करोड़ रुपये, 2022-23 में 89,400 करोड़ रुपये कम कर रही है।

इस साल मनरेगा के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए कम से कम 2.72 लाख करोड़ रुपये की आवश्यकता है। लेकिन केंद्र ने केवल 60,000 करोड़ रुपये आवंटित किए, जो भाजपा सरकार के इरादों को इंगित करता है, विधायक ने कहा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले नौ वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के कोई नए अवसर पैदा नहीं किए हैं और मनरेगा जैसी मौजूदा योजनाओं को लागू नहीं कर रही है। उन्होंने कहा

कि जहां राज्य सरकार लोगों को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करने की कोशिश कर रही है, वहीं केंद्र सरकार राज्यों के साथ सहयोग नहीं कर रही है।

केंद्र ने एससीसीएल को 1,650 करोड़ रुपये आवंटित किए

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र ने कोयला क्षेत्र में सार्वजनिक उद्यमों में अपने निवेश के हिस्से के रूप में सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) को 1,650 करोड़ रुपये आवंटित किए। संसद में बुधवार को पेश किए गए 2023-24 के केंद्रीय बजट अनुमानों में ये प्रावधान किए गए हैं। केंद्र सरकार ने कोल इंडिया लिमिटेड में 16,500 करोड़ रुपये और एनएलसी इंडिया लिमिटेड में 2,880 करोड़ रुपये का निवेश करने का भी प्रस्ताव दिया है।

इसके अलावा, केंद्रीय बजट ने 2023-24 के लिए आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में आदिवासी विश्वविद्यालयों की स्थापना के लिए 37.67 करोड़ रुपये आवंटित किए। हालांकि 2022-23 के बजट में इस उद्देश्य के लिए 44 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, लेकिन इस संबंध में तेलंगाना को अभी तक कोई बड़ी धनराशि जारी नहीं की गई है।

गणतंत्र दिवस कैडेटों का एनसीसी निदेशालय में जोरदार स्वागत

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एनसीसी निदेशालय एपी और तेलंगाना के 121 सदस्यीय गणतंत्र दिवस दल का गुरुवार को यहां एनसीसी निदेशालय (एपी एंड टीएस) में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। दस्ते से, 18 कैडेट, नौ सीनियर डिवीजन (एसडी) और नौ सीनियर विंग (एसडब्ल्यू) से, गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर कर्तव्य पथ पर मार्च पास्ट में भाग लिया। टीम के स्टार सिकंदराबाद ग्रुप हेड क्वार्टर के सार्जेंट जी प्रेम कृतिका (एसडब्ल्यू) थी, जिन्हें सीनियर विंग (सेना) में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया था। उन्हें 28 जनवरी को नई दिल्ली में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से एक ट्रॉफी और बैटन मिला। कैडेट अमोघवरदराज नायडू (नौसेना एसडी) ने कांस्य जीता, जबकि कैडेट वी शिव गणेश (सेना जेडी) और कैडेट सीएच नितिन साई (नौसेना जेडी) ने डीजी एनसीसी मेडल मिला। एयर कमोडोर पी महेश्वर, उप महानिदेशक, ने दल के प्रयासों और प्रदर्शन की सराहना की और कहा, "आपकी कड़ी मेहनत और अनुशासन आज रंग लाया। यह सौभाग्य की बात है कि आपने खुद को साबित किया। उन्होंने कैडेटों से युवाओं को एनसीसी में शामिल होने के लिए प्रेरित करने और अपनी यात्रा में अनुशासन बनाए रखने का भी आग्रह किया। गौरतलब है कि एनसीसी निदेशालय एपी और तेलंगाना का

गणतंत्र दिवस दल में एक 1 अधिकारी, 121 कैडेट और दस अन्य सहायक कर्मचारी शामिल रहे। नई दिल्ली में 30 दिनों के गणतंत्र दिवस शिविर के सफल समापन के बाद सिकंदराबाद लौट आए हैं। देश के सभी 28 राज्यों के कैडेटों ने शिविर के दौरान आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लिया और प्रतिस्पर्धा की। एनसीसी आरडीसी कैंप 2023 की शुरुआत 01 जनवरी 2023 को करियप्पा परेड ग्राउंड, नई दिल्ली में हुई, जिसमें देश भर से 2155 कैडेटों ने भाग लिया। शिविर का उद्घाटन भारत के उपराष्ट्रपति द्वारा किया गया था और रक्षा मंत्री, रक्षाराज्य मंत्री, रक्षा सचिव, सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं के प्रमुख, दिल्ली के मुख्यमंत्री जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दौरा किया गया था। यह गर्व की बात है कि एनसीसी आंध्र प्रदेश और तेलंगाना निदेशालय के 9 सीनियर डिवीजन कैडेट और 9 सीनियर विंग कैडेट एनसीसी लड़के और लड़कियों की टुकड़ी का हिस्सा बने, जिन्होंने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर कर्तव्य पथ पर मार्च पास्ट में भाग लिया। इन कैडेटों का प्रशिक्षण सितंबर के महीने में सब यूनिट और यूनिट स्तर पर शुरू होता है और विभिन्न स्तरों पर गहन प्रशिक्षण और चयन के बाद, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के दो राज्यों के सभी तीन एनसीसी विंगों के अंतिम 121 कैडेटों को एनसीसी का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना जाता है। गणतंत्र दिवस शिविर एक कैडेट के लिए एक जीवन बदलने वाला अनुभव होता है और प्रत्येक व्यक्ति अपने शेष जीवन के लिए इसकी सुखद यादें संजोए रहता है।

इटेला ने केटीआर व हरीश राव को दी चुनौती

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायक इटेला राजेंद्र ने आज राज्य के मंत्रियों केटीआर और हरीश राव को राज्य सरकार के आंकड़ों पर सार्वजनिक बहस के लिए आगे आने की चुनौती दी। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्रीय दलों द्वारा अपने-अपने राज्यों में विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर पेश किया जा रहा बजट पेश किया जा रहा है और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 9 साल के लंबे शासन में कोई चुनाव केंद्रित बजट पेश नहीं किया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश के कल्याण के लिए एक व्यावहारिक बजट पेश किया है और कहा कि केंद्र सरकार राजस्व घाटे को कम करने के उद्देश्य से आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पूंजी पर 13 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

सिकंदराबाद आरपीएफ ने 2022 में 525 बच्चों को बचाया

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल, सिकंदराबाद मंडल ने वर्ष 2022 में एनजीओ के सहयोग से रेलवे स्टेशनों से 525 बच्चों को बचाया और उन्हें रेस्क्यू होम में स्थानांतरित कर दिया। वरिष्ठ संभागीय सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ सिकंदराबाद, देबश्मिता सी. बनर्जी ने कहा कि रेलवे सुरक्षा बल चौबीसों घंटे विभिन्न हितधारकों के साथ काम कर रहा है। महिलाओं और बाल सुरक्षा के हिस्से के रूप में, 13 एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीमें काम कर रही हैं और कार्रवाई शुरू कर रही हैं। पिछले वर्षों की तुलना में पता लगाने के 230 मामलों की वृद्धि हुई है।

आरपीएफ सिकंदराबाद ने 'ऑपरेशन अमानत' के तहत 1039 मौकों पर यात्री सामान/कीमती सामान बरामद किया और सही मालिकों को बहाल किया। इसमें कुल 2.28 करोड़ रुपये का लैपटॉप, कैश, लगेज बैग और मोबाइल फोन शामिल हैं। इसी तरह, वर्ष के दौरान, आरपीएफ ने 7.84 करोड़ रुपये मूल्य का 1,218 किलोग्राम गांजा जब्त किया और संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया। उन्होंने कहा कि अवैध तस्करी के खिलाफ आरपीएफ के प्रयासों के कारण पिछले वर्ष की तुलना में वसूली में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

भारी मात्रा में गांजे के साथ एक गिरफ्तार

ट्रेन में जांच के दौरान रेलवे पुलिस ने पकड़ा

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद स्टेशन की रेलवे पुलिस ने भारी मात्रा में गांजे के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने का दावा किया है। बरामद गांजे का मूल्य करीब ढाई लाख रुपया बताया जा रहा है। रेलवे पुलिस सिकंदराबाद अर्बन अपर पुलिस अधीक्षक ए नरसैय्या ने बताया कि रेलवे पुलिस सिकंदराबाद के एसआई डी. रमेश कोणार्क एक्सप्रेस में चेकिंग कर रहे थे। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम को एक व्यक्ति के बर्थ के नीचे संदिग्ध बड़ा सूटकेस दिखाई दिया। सूटकेस खुलवाकर जांच के दौरान पुलिस टीम को उसमें भारी मात्रा में गांजा मिला। पूछताछ में उसने अपना मणिकांत कुमार पुत्र राज बिल्लाला राय, निवासी, रामपुर संबाद, वैशाली जिला, बिहार राज्य बताया। पुलिस को उसने बताया कि उसने भुवनेश्वर में एक अज्ञात व्यक्ति से 10 हजार रुपये प्रति किग्रा की दर से 12 किग्रा गांजा खरीदकर एक बड़े सूटकेस में डाल दिया। इसके बाद भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन से कोणार्क एक्सप्रेस एसी कोच में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर एक फरवरी को पहुंचा। रेलवे पुलिस ने पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर आरपीएस सिकंदराबाद लाई। बरामद 12 किलों गांजे का मूल्य 2 लाख 40 हजार रुपए बताया जा रहा है।

सरकारी स्कूलों में सीटों की मांग : जगदीश रेड्डी

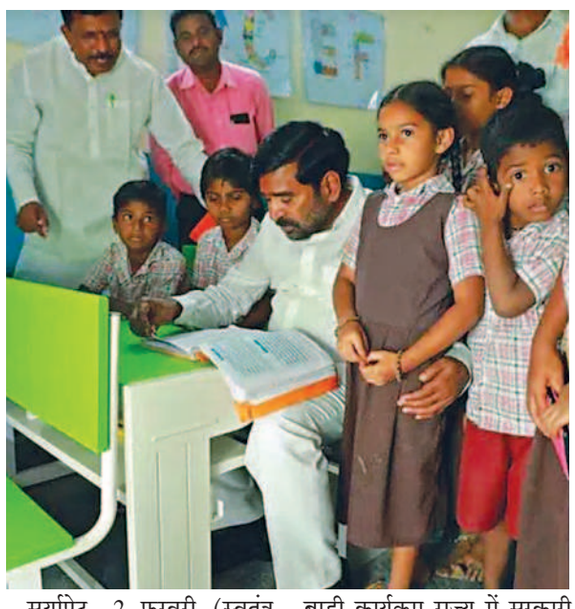

सूर्यापेट, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने कहा कि माना ओरू-माना बाड़ी कार्यक्रम राज्य में सरकारी स्कूलों के विकास के लिए मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर रावकी प्रतिबद्धता का एक उदाहरण है। उन्होंने जिले के चिववेमला में सरकारी स्कूल में मन ओरू मन बड़ी योजना के तहत 18 लाख रुपये से निर्मित कक्षाओं का उद्घाटन करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने सुविधाओं के विकास के अलावा सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि लोग अब कॉर्पोरेट के बजाय सरकार द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों का पक्ष ले रहे हैं, उन्होंने कहा कि सरकारी आवासीय स्कूलों और कॉलेजों में सीटों की मांग कॉर्पोरेट शैक्षणिक संस्थानों की तुलना में अधिक है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना देश का एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां 1,000 सरकारी आवासीय स्कूल हैं, उन्होंने कहा कि सूर्यापेट जिले में सरकारी स्कूलों के विकास के लिए 177 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

बजट महिला सशक्तिकरण के लिए समर्पित : गौरीदेवी काग

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा पंचायत समिति सदस्या-रायपुर, मारवाड़ गौरीदेवी काग ने बताया कि आजादी का अमृतकाल बजट 2023-24 महिला सशक्तिकरण के लिए समर्पित बजट के लिए वित्तमंत्री श्रीमति निर्मला सीतारमणजी बधाई की पात्र है। जिन्होंने महिलाओं के हितों व सम्मान को ध्यान मे रखते हुए महिला सम्मान बचत पत्र की घोषणाकर माताओं, बहनों और बेटियों को आगे बढाने वाला, बुर्जगो को सशक्त, युवाओं को सक्षम, किसानों के उत्थान, और मध्यम वर्ग को समृद्ध बनाने वाला यह बजट देश के लिए खुशहाली का बजट है।

विधानसभा सत्र के चलते शहर में प्रतिबंध का आदेश

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सार्वजनिक व्यवस्था और शांति बनाए रखने की दृष्टि से, शहर के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद, आईपीएस ने दूसरे तेलंगाना विधान सभा के आठवें सत्र और विधान परिषद के 18वें सत्र की चौथी बैठक के चार किमी के दायरे में सार्वजनिक शांति और सुरक्षा में खलल डालने वाली हर तरह की सभा या सार्वजनिक सभा या जुलूस पर रोक लगा दी। 3 फरवरी से शुरू हो रहा है। यह आदेश 3 फरवरी को सुबह 6 बजे से विधानसभा/परिषद के बजट सत्र समाप्त होने तक प्रभावी रहेगा।

मोहन भागवत ने दो प्रमुख किलों के मॉडलों का किया उद्घाटन

मुंबई, 2 फरवरी (एजेंसिया)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने अखिल महाराष्ट्र गियारोहण महासंघ (एएमजीएम) द्वारा तैयार दो प्रमुख किलों-सिंधुदुर्ग और विजयदुर्ग के स्केल-मॉडल का उद्घाटन किया। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पर्वतारोहण की एक शीर्ष संस्था एएमजीएम ने राज्य में फैले 450 छोटे-बड़े किलों में से दो दर्जन से अधिक के मॉडल तैयार करने का प्रोजेक्ट हाथ में लिया है। इनमें से कुछ 600 साल पुराने हैं।

सिंधुदुर्ग के खूबसूरत तटीय शहर मालवन में बुधवार को उद्घाटन के मौके पर भागवत ने कहा, इन किलों को देखना अपने आप में एक प्रेरक अनुभव है। इस विरासत को संरक्षित करने के लिए प्रेरणा की भावना आती है। सांगली के मॉडेलर रमेश बहुरगी ने एक साल में दो मॉडल तैयार किए।

दोनों मजबूत, बड़े पैमाने पर फाइबर से बने, रहने और काम करने वाले क्षेत्रों, जल निकायों, हरियाली, आसपास की स्थलाकृति आदि जैसे सभी जटिल विवरणों को प्रदर्शित करते हुए इनमें से प्रत्येक की लागत 2.50 लाख रुपये आई है। ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण विजयदुर्ग और सिंधुदुर्ग किला महान मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज की स्वराज्य की अवधारणा का एक अभिन्न अंग हैं। एएमजीएम के अध्यक्ष उमेश जिरपे ने कहा कि स्केल-मॉडल परियोजना के तहत पांच वर्षों में लगभग 25-30 और किले इस तरह से बनाए जाएंगे। जिरपे ने आईएएनएस को बताया, इन मॉडलों को मुंबई, पुणे, नासिक, औरंगाबाद, नागपुर, कोल्हापुर आदि जैसे प्रमुख शहरों में ले जाएंग, ताकि लोग अपने गौरवशाली विरासत को समझ सकें और इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, उन्हें संरक्षित करने की आवश्यकता है। एजीएम के हृषिकेश यादव, डॉ. ए राहुल वारंगे, वीरेंद्र वंजू, भूषण हर्षे, राजेश नेने और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। जिरपे ने कहा कि परियोजना के दौरान उन्हें पता चला कि राज्य में 450 से अधिक किलों में से, राज्य सरकार के पास केवल एक पुणे के सिंहगढ़ किले का आधिकारिक मानचित्र है।

जिरपे ने कहा, शीर्ष आर्किटेक्ट्स की हमारी टीम ने दो किलों को पूरी तरह से निः शुल्क तैयार किया, डिजाइन तैयार किए, और फिर स्केल-मॉडल बनाए। यह एक कठिन काम है और हमें लगता है कि सरकार को इसके संरक्षण के लिए उचित कदम उठाने चाहिए। एजीएम के सुयश मोकाशी ने कहा कि आने वाले समय में दुर्गों का चयन उनके ऐतिहासिक, भौगोलिक और सामरिक महत्व के आधार पर किया जाएगा, ताकि वे छात्रों, पर्यटकों आदि के लिए पैमाना-मॉडल बनाकर संग्रहालयों में प्रदर्शित कर सकें। मोकाशी ने कहा कि यह एक अनूठी और मेगा-पहल है क्योंकि कई किले पहाड़ी की चोटी पर, तटों पर, अरब सागर में, नदी के किनारे, जंगलों, कस्बों और शहरों में हैं, जो विभिन्न राजवंशों और अतीत में शासन करने वाले विभिन्न विदेशी शासकों द्वारा बनाए गए हैं।

जनता के बीच जाने से पहले भाजपा सांसदों के साथ बैठक करेंगी वित्तमंत्री

समझाएंगी बजट की बारीकियां

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसिया)। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण शुक्रवार को लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों के भाजपा सांसदों के साथ एक बैठक करेंगी। इस दौरान वे बुधवार को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए पेश किए गए बजट के बारे में उन्हें विस्तृत जानकारी देंगी। इस बारे में सभी सांसदों को जानकारी दे दी गई है। सूत्रों ने बताया कि पार्टी सांसदों से इस बैठक में शामिल होने के लिए तय समय और तय स्थान पर पहुंचने के लिए कहा गया है।

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को होने वाली ये ब्रीफिंग संसद पुस्तकालय भवन में बालयोगी सभागार में सुबह 9 बजे होगी। यह बैठक ऐसे समय में होने जा रही है जब सत्ताधारी पार्टी भाजपा ने अपने सभी संसद सदस्यों से कहा है कि वे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में जाएं और आम आदमी को बताएं कि इस बजट का क्या मतलब है। साथ ही भाजपा का लक्ष्य आम जनता को इस बात का भी संदेश देना है, समाज के हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए इसमें क्या-क्या प्रावधान किए गए हैं। इससे पहले बुधवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारण ने 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले नरेंद्र मोदी सरकार का आखिरी पूर्ण बजट पेश किया। बजट में उन्होंने करदाताओं को बड़ी राहत देते हुए आयकर छूट की सीमा को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 7 लाख रुपये करने का एलान किया। साथ ही वित्त मंत्री ने टैक्स स्लैब की संख्या को घटाकर 5 और टैक्स छूट की सीमा को बढ़ाकर 3 लाख रुपये करके इस व्यवस्था में टैक्स स्ट्रक्चर को बदलने का भी प्रस्ताव दिया। इसके अलावा, बजट में उन्होंने पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन पर ध्यान देने के साथ कृषि ऋण लक्ष्य को बढ़ाकर 20 लाख करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव दिया। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का इरादा वित्त वर्ष 2025-26 तक राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.5 फीसदी से नीचे लाने का है।

खनन कारोबारी जनार्दन रेड्डी के भाई ने कहा, 'परिवार की लड़ाई के लिए तैयार हूं'

बेंगलुरु, 2 फरवरी (एजेंसिया)। कर्नाटक के खनन कारोबारी गली जनार्दन रेड्डी के भाई और भाजपा विधायक गली सोमशेखर रेड्डी ने गुरुवार को घोषणा की कि वह बल्लारी सिटी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने से पीछे नहीं हटेंगे। हाल ही में, जनार्दन रेड्डी ने अपनी नई लॉन्च की गई पार्टी कल्याण राज्य प्रगति पक्ष (केआरपीपी) से बल्लारी शहर से अपनी पत्नी अरुणा लक्ष्मी की उम्मीदवारी की घोषणा की थी।

उन्होंने कहा, मैं बल्लारी सिटी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने से पीछे नहीं हटूंगा, भले ही सामने मेरे भाई की पत्नी भी उम्मीदवार क्यों न हों। सोमशेखर रेड्डी ने कहा, मैं गली जनार्दन रेड्डी के समर्थन के बिना चुनाव जीत सकता हूं। 2018 में, मैंने उनके समर्थन के बिना चुनाव जीता। हमारा काम हमें बचाएगा। उन्होंने मुझे अपनी नई पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मैंने मना कर दिया। इससे नाराज होकर उन्होंने अपनी पत्नी की उम्मीदवारी की घोषणा कर दी। यह अपेक्षित था। सूत्रों के मुताबिक, जनार्दन रेड्डी के नई पार्टी शुरू करने के फैसले से परिवार के भीतर कलह शुरू हो गई। सूत्रों ने बताया कि जनार्दन रेड्डी के दोस्त और राज्य की सत्तारूढ़ बीजेपी सरकार में स्वास्थ्य मंत्री बी. श्रीरामुलु खनन कारोबारी को समर्थन देने और भगवा पार्टी छोड़ने को लेकर असमंजस में हैं। दूसरी ओर, जनार्दन रेड्डी भाजपा नेताओं के खिलाफ पूरी ताकत से जा रहे हैं और उन्हें चुनौती दे रहे हैं कि वे छापेमारी और संपत्तियों की जब्ती से उन्हें झुका नहीं सकते। उनकी नई पार्टी हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र में मौजूदा राज्य सरकार को प्रभावित कर सकती है।

केरल हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष के खिलाफ केस दर्ज

कोच्चि, 2 फरवरी (एजेंसिया)। उच्च न्यायालय के कुछ न्यायाधीशों को रिश्वत देने के लिए अपने मुवक्किलों से पैसे लेने का आरोप सामने आने के बाद जांच के दायरे में आए अधिवक्ता सैबी जोस किडांगूर के खिलाफ केरल पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। स्थानीय पुलिस द्वारा प्रारंभिक जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज करने का निर्णय लिया गया। केरल उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ (केएचसीएए) के अध्यक्ष किदंगूर पर आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी और बेईमानी से संपत्ति की डिलीवरी के लिए प्रेरित करना) के तहत आरोप लगाया गया है।

इसके अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत भी आरोप भी लगाया गया है, जो अवैध धन लेने वाले लोक सेवकों के अपराध से संबंधित है। परेशानी तब शुरू हुई जब एक वकील ने एक सोशल मीडिया पोस्ट डाला, जिसमें आरोप लगाया गया कि किदंगूर अनुकूल फैसले के लिए न्यायाधीशों को देने के लिए कुछ मुवक्किलों से पैसे ले रहे थे। उच्च न्यायालय की सतर्कता शाखा ने जांच शुरू की और समझा जाता है कि उसे कुछ सबूत मिले हैं और रिपोर्ट केरल पुलिस को भेजी गई और उनकी प्रारंभिक जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई। इस हफ्ते की शुरुआत में बार काउंसिल ऑफ केरल (बीसीके) ने भी एक विशेष तत्काल बैठक आयोजित करने और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने का फैसला करने के बाद उनके खिलाफ कदम उठाना शुरू कर दिया था।

मेघालय के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए

शिलांग, 2 फरवरी (एजेंसिया)। मेघालय में 27 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले नेताओं का पार्टी बदलने का सिलसिला जारी है, इसी क्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के नेता मार्टिन एम डांगो भाजपा में शामिल हो गए हैं। गुरुवार को नई दिल्ली में भाजपा द्वारा जारी उम्मीदवारों की सूची के अनुसार, डेंगो दक्षिण पश्चिम खासी हिल्स जिले के रानीकोर विधानसभा क्षेत्र से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। एनपीपी सूत्रों ने कहा कि वह रानीकोर निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार खड़ा करने के बारे में जल्द ही फैसला करेंगे।

डांगो ने एनपीपी से इस्तीफा दे दिया और वजह बताई जा रही है कि उन्हें कथित तौर पर एनपीपी द्वारा उपेक्षित किया गया था, हालांकि इस आरोप को मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा के नेतृत्व वाली सत्ताधारी पार्टी ने खारिज कर दिया था। डैंगो ने अपने समर्थकों के साथ 28 जनवरी को असम के मुख्यमंत्री और भाजपा के पूर्वोत्तर भारत के रणनीतिकार हिमंत बिस्वा सरमा से मुलाकात की थी।

डांगो ने 1998 में पहली बार पीपुल्स डेमोक्रेटिक मूवमेंट के उम्मीदवार के रूप में विधानसभा चुनाव जीता था। बाद में वह 2003 में कांग्रेस में शामिल हो गए और उसके बाद 2018 में एनपीपी का हाथ थाम लिया था और अब 2023 चुनाव से पहले वह बीजेपी में शामिल हो गए हैं।

दो सीटें और तीन दावेदार, बढ़ेगी शिवसेना-कांग्रेस और एनसीपी के बीच रार

मुंबई, 2 फरवरी (एजेंसिया)। महाराष्ट्र में आगामी 26 फरवरी को पुणे जिले में आने वाली दो सीटों कस्बा पेठ और पिंपरी-चिंचवाड़ विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव होने वाले हैं। ऐसे में इस उपचुनाव ने महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के भीतर टकराव की स्थिति उजागर कर दिया है। दरअसल इन सीटों पर एमवीए में शामिल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और शिवसेना (उद्धव गुट) के बीच उपचुनाव लड़ने के लिए होड़ देखने को मिल रही है।

तीनों दलों के बीच दो सीटों को लेकर रार बढ़ सकती है:

बता दें कि शिवसेना चाहती है कि पिंपरी-चिंचवाड़ में उसकी पार्टी का उम्मीदवार हो, जबकि इस सीट से एनसीपी 2009 से चुनाव लड़ रही है। वहीं कांग्रेस अपने लिए कस्बा पेठ विधानसभा सीट चाहती है। द इंडियन एक्सप्रेस ने एनसीपी के

एक अंदरूनी सूत्रों के हवाले से बताया कि एनसीपी पिंपरी-चिंचवाड़ को किसी भी कीमत पर शिवसेना को नहीं देगी। लेकिन, कस्बा पेठ सीट के लिए कांग्रेस का दावा स्वीकार्य कर सकती है। ऐसी स्थिति में शिवसेना, कांग्रेस और शिवसेना के बीच रार की स्थिति बढ़ने की उम्मीद है। दरअसल शिवसेना इन दिनों पार्टी के अंदर राजनीतिक झटकों का सामना कर रही है। इसके साथ ही उसकी मांग है कि पिंपरी-चिंचवाड़ निर्वाचन क्षेत्र में उसका एक संगठनात्मक आधार है और इस सीट से उसे मौका मिलना चाहिए क्योंकि वह चुनावी लड़ाई से खुद को बाहर नहीं दिखाना चाहती। इस सीट के लिए उद्धव सेना राहुल कलाटे के प्रदर्शन पर आधार पर अपना दावा कर रही है।

शिवसेना को जीत की उम्मीद, यह है आधार

बता दें कि राहुल कलाटे ने भाजपा के दिवंगत लक्ष्मण जगताप को कड़ी टक्कर दी थी। वहीं इस सीट पर उपचुनाव जगताप के निधन के बाद हो रहा है। ऐसे में शिवसेना को उम्मीद है कि इस उपचुनाव में वह जीत हासिल कर सकती है। बता दें कि कलाटे टूट से पहले की शिवसेना के साथ थे जब उन्होंने पिछली बार बागी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। चुनाव में उन्हें एनसीपी और कांग्रेस दोनों का समर्थन मिला था।

हालांकि एनसीपी इस विधानसभा सीट को अपनी खाते में रखना चाहती है। उसे लगता है कि इस सीट पर उसका नियंत्रण है। मालूम हो कि लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव अगले साल होंगे। वहीं पुणे जिले में 21 विधानसभा सीटें हैं, जिनमें से 2019 में एनसीपी ने 10 और बीजेपी ने नौ जीती थीं, जबकि बाकी दो कांग्रेस के खाते में गई थीं। वहीं यहां जिला परिषद भी एनसीपी के नियंत्रण में है। एनसीपी के लिए पिंपरी-चिंचवाड़ सीट को जीतना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे जीतने से शरद पवार की अगुवाई वाली पार्टी को आगे की लड़ाई में पुणे में बढ़त मिलेगी। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि उपचुनाव में दो सीटें हैं। और हम तीन दल हैं। कांग्रेस और एनसीपी को अपनी पारंपरिक सीटें शिवसेना (यूबीटी) के लिए क्यों छोड़नी चाहिए, जोकि 2019 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों तक बीजेपी के साथ गठबंधन में थी?

पिग फ्री सिटी के लिए एफआईआर कराना पड़ी तो करेंगे

भोपाल में ढाई लाख सूअर; अध्यक्ष बोले-25 लाख आबादी को बीमारी के हवाले नहीं कर सकते

भोपाल, 2 फरवरी (एजेंसिया)। भोपाल शहर में करीब ढाई लाख सूअर है। पुराने शहर में इनकी आबादी ज्यादा है। इन्हें शहर से बाहर करने के लिए नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कमिश्नर केवीएस चौधरी कोलसानी को लेटर भी लिखा है। अध्यक्ष सूर्यवंशी का कहना है कि पिग फ्री सिटी के लिए एफआईआर दर्ज कराने की जरूरत भी पड़ी तो कराएंगे।

शहर की 25 लाख आबादी को बीमारी के हवाले नहीं कर सकते। इधर, गुरुवार को सूअर पालक निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने मिलने पहुंचे। उन्होंने शहर में ही सूअर पालन करने की बात कहीं। इस पर सूर्यवंशी ने सूअरों के व्यवसाय को शहर से बाहर करने की बात कहीं। नियमानुसार मदद करने का भरोसा भी दिलाया। निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने कमिश्नर को जो लेटर लिखा है। उनमें 23 जगहों पर सूअर पालन किए जाने की बात कही गई है। पुराने शहर के इलाकों में व्यवसाय ज्यादा किया जा रहा है। इस कारण यहां के कई इलाकों में गंदगी पसरी हुई है। कोलार, होशंगाबाद रोड, अयोध्या बायपास, अवधपुरी इलाकों में भी सूअरों की समस्या है। अध्यक्ष सूर्यवंशी ने बताया कि सूअर पालन से जुड़े 40-50 लोगों के लिए शहर की 25 लाख आबादी को बीमारी के हवाले नहीं कर सकते। सूअर गंदगी तो करते ही है, सीवेज लाइन और चैंबर तक को तोड़ देते हैं। इसलिए मिलने आए सूअर पालकों से कहा है कि वे खुद ही सूअरों को बाहर कर दें। शहर में ही करीब ढाई लाख सूअर है।

जाएगी सपा और आरजेडी की मान्यता ?

नेताओं पर कार्रवाई न होने से भड़की वीएचपी, कर दी चुनाव आयोग से शिकायत

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसिया)। विश्व हिंदू परिषद ने समाजवादी पार्टी (सपा) और राष्ट्रीय जनता दल की मान्यता रद्द करने की मांग को लेकर भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने का समय मांगा है। विहिप का कहना है कि दोनों पार्टियों ने रामचरितमानस के खिलाफ टिप्पणी करने वाले अपने नेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है।

वीएचपी ने की सपा, राजद की मान्यता रद्द करने की मांग

विहिप ने गुरुवार को कहा कि चुनाव आयोग को सपा और राजद की मान्यता रद्द कर देनी चाहिए। वीएचपी का कहना है कि दोनों पार्टियों ने रामचरितमानस के खिलाफ हालिया टिप्पणी के लिए अपने संबंधित नेताओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं करके राजनीतिक दल की बुनियादी शर्तों का उल्लंघन किया है।

संगठन ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने इस मुद्दे पर उनका ध्यान आकर्षित करने और समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल का रजिस्ट्रेशन रद्द करने का आग्रह करने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार से मिलने का समय मांगा है। चुनाव आयोग को इस संबंध में विश्व हिंदू परिषद के ओर से एक पत्र लिखा गया है।

विहिप के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा, "सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामचरितमानस पर आपत्तिजनक बयान दिए। उसे प्रतिबंधित करने की मांग की और ग्रंथ के पवित्र पन्नों को जलाने की बात काही, जिसने भारत के नागरिकों के बड़े वर्ग की धार्मिक भावनाओं को जानबूझकर घृणित तरीके भड़काया है। इसके तुरंत बाद मौर्य को पदोन्नत कर पार्टी का महामंत्री बनाया जाना स्पष्ट करता है कि पूरी पार्टी उनके समर्थन में है।" आलोक कुमार ने कहा, "इस संबंध में समय लेने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र भेजा है। प्रतिनिधि मंडल के माध्यम से विहिप रिप्रजेंटेशन ऑफ पीपल एक्ट 1951 की धारा 29A का हवाला दिया गया है। जिसमें बताया गया है कि हर राजनैतिक दल को अपनी पार्टी के मेमोरेंडम के प्रावधानों में विश्वास रखते हुए पंथ निरपेक्षता और लोकतांत्रिक सिद्धांतों का निष्ठा के साथ पालन करना चाहिए।" उन्होंने कहा, "सपा और राजद दोनों ने उन बुनियादी शर्तों का उल्लंघन किया है, जिन पर पार्टियों का रजिस्ट्रेशन किया गया था। ऐसे में उनकी मान्यता रद्द कर देनी चाहिए।"

मेरी अंग्रेजी इतनी अच्छी नहीं है, जितनी अच्छी हमारे स्कूलों के बच्चे बोलते हैं : केजरीवाल

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसिया)। दिल्ली के बच्चों की प्रतिभा उभारने के लिए एक और 'स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस' शुरू किया जा रहा है। इसी वर्ष से छात्र इसमें दाखिला ले सकेंगे। सीएम अरविंद केजरीवाल के मुताबिक बच्चों की प्रतिभा उभारने के लिए अलग-अलग स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस बनाए जा रहे हैं। गुरुवार को शुरू किए गए इस स्कूल में इंजीनियरिंग,मेडिकल, आईटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पढ़ाई होगी।

सीएम ने कहा कि अभी दिल्ली हाईकोर्ट की नई बिल्डिंग बनी है। वो बहुत ही शानदार बिल्डिंग बनी है। जिस आर्किटेक्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट की शानदार बिल्डिंग बनाई है, उसी ने यह स्कूल भी बनाया है। वो दिल्ली का सबसे बड़ा आर्किटेक्ट है। स्कूल में 45 क्लास रूम बने हैं, यह स्कूल करीब 8600 वर्ग मीटर में फैला है और पूरी बिल्डिंग में 112 रूम हैं। जिसमे 45 क्लास रूम, 8 लैब्स, 1 लाइब्रेरी, एक मल्टी परपज हॉल, 13 अधिकारी और स्टाफ रूम, 26 शौचालय, 5 सीढ़ियां और 2 लिफ्ट हैं। सीएम के मुताबिक दिल्ली के एक्सीलेंस स्कूलों की 4,400 सीटों पर दाखिला के लिए 96 हजार आवेदन आए हैं। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड

एक्सीलेंस में 1600 बच्चे प्राइवेट स्कूलों से भी अच्छी शिक्षा प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को बी.आर. अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस के तहत नवनिर्मित स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस स्कूल का उद्घाटन किया। सीएम ने कहा कि मुझे नहीं लगता है कि भारत के इतिहास में इससे पहले इतना शानदार सरकारी स्कूल हमारे देश में कहीं भी बनाया गया हो।

शायद 75 साल में पहली बार सरकारी स्कूल इतना शानदार बनाया गया है। दिल्ली में एक नई कांसेप्ट शुरू किया गया है, जहां स्पेशल टॉपिक पर पढाई होगी। हर बच्चे कुछ न कुछ स्पेशल है। कोई मैथ, कोई केमेस्ट्री, तो कोई खेल में अच्छा होता है। अलग-अलग बच्चों की प्रतिभा को उभारने के लिए अलग-अलग सब्जेक्ट के उपर स्पेशलाइज्ड स्कूल बनाए जा रहे हैं। गुरुवार को शुरू किए गए इस स्कूल में इंजीनियरिंग, मेडिकल, ह्यूमैनिटीज और 21वीं सदी की हाई इंड स्कील्स (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईटी, कम्प्यूटर) की पढ़ाई कराई जाएगी। इन क्षेत्रों में जिन बच्चों की रूचि है, वो बच्चे यहां पर दाखिला लेंगे। 8वीं कक्षा के बाद यानि 9वीं में दाखिला होगा। यहां 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं की कक्षाएं चलेंगी। पूरे दिल्ली में स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस के 30 से ज्यादा स्कूल हैं। उनमें इस बार 4400 सीटों पर बच्चों को दाखिला लेना है। 4400 सीटों के लिए करीब 96 हजार आवेदन आए हैं।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारे समाज में एक गलत सोच भी बन गई थी। हमारे देश में दो तरह की शिक्षा प्रणाली थी। जिसके पास पैसे हैं, वो अपने बच्चे को प्राइवेट स्कूलों में भेजते थे। जो लोग गरीब हैं, वो अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजते थे। सरकारी स्कूल पढ़ाई के नाम पर जीरो थे। इसलिए गरीब का बच्चा बड़ा होकर मजदूर, रिक्शेवाला बनता था और वो गरीब ही रह जाता था। वहीं, अमीरों के बच्चे बड़े होकर इंजीनियर, डॉक्टर बनते थे। आज दिल्ली के गरीब बच्चों ने दिखा दिया कि वो किसी से कम नहीं है। वो भी इंजीनियर और डॉक्टर बन सकते हैं। इस बार दिल्ली सरकार के स्कूलों के 400 से ज्यादा बच्चों ने जेईई पास किया है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 3 फरवरी- 2023

संतुलन साधने की कोशिश

अमृतकाल होने की वजह से इस साल के बजट को लेकर लोगों में कुछ ज्यादा ही उत्सुकता बनी हुई थी कि सरकार क्या रियायत दे सकती है। लोगों को पहले से ही अनुमान था कि इस साल का यह अंतिम पूर्ण बजट है, जाहिर है इसमें राहतभरी घोषणाएं होंगी ही। वजह साफ है कि अगले साल बजट तक चुनाव की घोषणा हो चुकी होगी। इसलिए लोकलुभावन बजट की दरकार थी। अंततः सरकार ने निराश भी नहीं किया। देखा जाए तो हर सरकार अपने अंतिम पूर्ण बजट में ऐसी रियायतें करती आई है। कोरोना की वजह से पिछले दो सालों से लगातार अर्थव्यवस्था की स्थिति कमजोर बनी रहने की वजह से रोजगार, व्यापार, वाणिज्य के क्षेत्र में सुस्ती का आलम था। अब अर्थव्यवस्था जब पटरी पर रफ्तार पकड़ने लगी है, तब बेहतरी के उपायों को लेकर भी उम्मीद बन गई थी। ताजा बजट में इन तमाम पहलुओं पर ही संतुलन साधने की कोशिश की गई है। इस बजट की सात प्राथमिकताएं तय मानी जा रही हैं। समग्र विकास, अंतिम पड़ाव तक पहुंचना, आधारभूत ढांचा निवेश, क्षमता को उजागर करना, हरित विकास, युवा और वित्तीय क्षेत्र। इस वित्त वर्ष में विकास दर सात फीसद रहने का अनुमान है। इसलिए सरकार भी उत्साहित है कि बजट में तय प्राथमिकताओं को पूरा करने में उसे सफलता मिलेगी। कुछ योजनाएं, जो पहले से चली आ रही हैं, उनमें निवेश बढ़ाने का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना का और विस्तार दिया जाएगा। कुछ नई भविष्य की योजनाओं के लिए बजटीय प्रावधान किए गए हैं, जिनमें राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन भी शामिल है। इसकी घोषणा कुछ दिनों पहले की गई थी। अब उसके लिए बजटीय प्रावधान कर दिया गया है। इससे कार्बन उत्सर्जन में काफी कमी आने की उम्मीद की जा रही है। देखा जाए तो सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती रोजगार के नए अवसर और महंगाई पर काबू पाना है। कोरोना काल में महानगरों से पलायन के बाद से ही बहुत सारे रोजी-रोजगार के अवसर खत्म हो गए। उस समय तमाम विशेषज्ञों ने राय जाहिर की थी कि ग्रामीण और कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसरों का सृजन किया जाए तो बात बनते देर नहीं लगेगी। इस दिशा में प्रयास भी किए गए हैं, फिर भी कृषि आधारित उद्यमों को अपेक्षित बढ़ावा नहीं मिल सका है। इसी के मद्देनजर सरकार ने इस बजट में कृषि से जुड़े स्टार्टअप को प्राथमिकता सूची में रखा है। शहरी क्षेत्रों में स्टार्टअप से बहुत सारे उद्यमियों को अपना काम शुरू करने का मौका मिला था। उसके उत्साहजनक नतीजों से ही सरकार को अब कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप शुरू करने का साहस बना है। निश्चय ही, इससे न सिर्फ किसानों और कृषि क्षेत्र की स्थिति सुधरेगी, बल्कि बहुत सारे युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। इस बजट में खाद्यान्न और बंदरगाहों को जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया गया है। पचास अतिरिक्त हवाई अड्डों, हेलिपैड, वाटर एयरोड्रोम का नवीकरण किया जाएगा, ताकि क्षेत्रीय संपर्क को सुगम बनाया जा सके। हर साल बजट पर सबसे अधिक नजर वेतनभोगी लोगों की रहती है कि उन्हें आयकर में कोई राहत मिल रही है या नहीं। इसके साथ ही किन वस्तुओं की कीमतें कम होने की उम्मीद है। इस अर्थ में यह बजट अधिक राहतकारी साबित हुआ है। पहले पांच लाख रुपए तक की सालाना आमदनी करमुक्त थी। अब इसे बढ़ा कर सात लाख रुपए तक कर दिया गया है। यह बहुत बड़ी राहत माना जा रहा है। जाहिर है, इससे लोगों की कुछ बचत बढ़ेगी और निवेश के प्रति उनका उत्साह बनेगा। इस बजट में कर ढांचे में बदलाव की वजह से इलेक्ट्रानिक उपकरणों की कीमतों में कमी आने का अनुमान है। जिस तरह इन उपकरणों पर लोगों की निर्भरता बढ़ती जा रही है और सरकार का जोर ग्रामीण क्षेत्रों तक संचार सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर है, इनकी कीमतें घटने से लोगों को राहत मिलेगी। रेलवे के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए कई बड़े बजटीय प्रावधान किए गए हैं। सरकार का कहना है कि दस साल पहले के बजट की तुलना में इस बार नौ गुना अधिक धन का आबंटन किया गया है। इस तरह सरकार ने सभी क्षेत्रों और वर्गों के हितों का ध्यान रखते हुए बजटीय संतुलन साधने का प्रयास किया है, जिसकी पूरे देश में प्रशंसा भी हो रही है। सभी आर्थिक विशेषज्ञों ने बजट को राहत भरा बताया है।

धर्मपत्नी और व्यंग्य की बेकद्री !

सुनील कुमार महला

कहा गया है- 'वाइफ इज लाइफ'। यदि लाइफ हैप्पी तो इसका मतलब है कि वाइफ हैप्पी है। लेखकों के लिए सबसे बड़ी दुविधा यह है कि उनकी वाइफ कभी भी हैप्पी नहीं होती। और इस अनहैप्पीनेस का वास्तविक कारण है पतियों का लेखन विधा में तल्लीन होना। आजकल यह लेखक व्यंग्य विधा में अपनी लेखनी आजमा रहा है। व्यंग्य लिखने के लिए दिमाग के घोड़े दौड़ता है तो घोड़े दौड़ने की बजाय ऐसे बैठ जाते हैं, जैसे चुनावों में मात्र अपना वोट पाने वाले उम्मीदवार विपक्षी उम्मीदवार से पैसा खाकर बाइज़्ज़त बैठ जाते हैं। खैर, यहाँ बात वाइफ के अनहैप्पी रहने की चल रही है।

वैसे तो अनहैप्पीनेस के चक्कर में इस लेखक का कोई आर्टिकल कहीं छपता ही नहीं है लेकिन यदि भूले-बिसरे इस लेखक का कोई आर्टिकल कहीं छपता है तो लेखक अखबार की कटिंग ऐसे संजो कर अपने पास रखता है, जैसे शराबी शराब की बोतल को हमेशा अपनी अंटी में दबाकर रखता है। विडंबना यह है कि हमारी धर्मपत्नी हमारे अखबार में छपे आर्टिकल्स को रसोई साफ करते वक्त या तो रसोई की टांड पर बिछा देती है, तो कभी सब्जियाँ छीलते वक्त सब्जियों के छिलकों से अखबार को सरोबार कर देती है। दरअसल, हमारी बड़ी समस्या यह है कि हमें वाइफ को हैप्पी रखने का फंडा नहीं आता और हमें यह लगता है कि यह प्रोब्लम अकेले इस लेखक की नहीं है, अपितु सारे जहाँ के लेखकों की है। बहरहाल, पत्नियों के लिए हर लेखक पति परम फालतू चीज हैं। अधिकतर पत्नियां इस मत की हैं कि सोशल मीडिया के इस दौर में आजकल व्यंग्य को पढ़ता कौन है ? वैसे भी अखबार पर लोग पकौड़े, जलेबियाँ, बर्गर, पिज्जा, वड़ा पाव और न जाने क्या-क्या खाद्य पदार्थ रखकर खाते हैं। वे मानतीं हैं कि अखबार रोटियाँ लपटने का मुख्य स्त्रोत हो गए हैं। हमारी धर्मपत्नी जी कल हमारे खासमखास रामलुभाया जी को एक हॉकर से अखबार खरीदते देखकर स्तब्ध रह गई। वो हमसे कहने लगीं-' अजी ! सुनते हो, वो आपके रामलुभाया जी के लिए तो काला अक्षर भैंस बराबर है लेकिन वो रोज अखबार खरीदते हैं और रोटियाँ लपेटकर रोजाना अपने खेत चले जाते हैं। तुम यूं ही व्यंग्य लेखन में अपना कीमती टाइम खराब करते हो। तुम तो व्यंग्य लेखन में इतने तल्लीन रहते हो कि तुम्हें मेरा व अपने बच्चों तक का ख्याल नहीं रहता। समय पर रोजमर्रा के काम भी तुमसे टाइम पर नहीं निपटते। दिन का डेढ़ बज रहा है और आज तो तुम नहाये भी नहीं हो और उधर देखो तुम्हारे खासमखास को जो रोज नहाकर फ्रेश अखबार में रोटियाँ लपेटकर कब के अपने खेत जा चुके। और हां, वो तुम्हारे मित्र तोताराम जी हैं न, शाम को घूमने जाते समय अखबार में 'चना जोर गरम' लपेटकर खाते हैं। उन्हें अपने स्वास्थ्य की बेहद चिंता है। वो पास में पापड़ बेचने वाला पापड़राम अखबारों का सही उपयोग करता है और परिवार चलाने के रोज सड़क किनारे पापड़ बेचता है।

महंगी चिकित्सा के दौर में सस्ता उपचार प्रेरणादायी

नरेंद्र तिवारी

महंगाई के इस दौर में एक आमनागरिक को जीवन गुजारने के लिए तमाम कठिनाइयों से होकर गुजरना होता है। महंगा राशन, महंगी शिक्षा, महंगा स्वास्थ्य कुल मिलाकर नागरिक जीवन को बेहतर बनाने वाली इन मूलभूत सुविधाओं को पाना बेहद कठिन कार्य है। राशन, शिक्षा के बाद मानवीय जरूरतों के लिहाज से चिकित्सा सेवा का बड़ा महत्व है। बढ़ती महंगाई ने नागरिक स्वास्थ्य से जुड़े संसाधनों को भी नहीं बख्शा, इनकी उपलब्धता पूंजीपति और धनाढ्य वर्ग को ही हो पाती है, मध्यमवर्गीय मजबूरी में इन महंगे चिकित्सा संसाधनों जिसमे महंगे डॉक्टर भी शामिल है, उपयोग कर भी लेता है तो कर्ज के बोझ से दबने की शर्त पर, गरीब तो इन ऊंचे अस्पतालों की पेड़ी भी नहीं चढ़ पाते उनकी नियति स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में दम तोड़ने की होती है। बढ़ते प्रदूषण, रसायनों के प्रचलन, बदलती जीवन शैली ने नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर डाला है। इस पर महंगी स्वास्थ्य सेवाओं ने आमजन की चिंताओं को बढ़ा दिया है। ऐसे वक्त राष्ट्र द्वारा नाममात्र की फीस पर मरीजों को उपचार देने वाले चिकित्सक को सम्मानित करना, चिकित्सा सेवा से जुड़े असल, ईमानदार, कर्मवीर और सेवाभावी शख्शियत का सम्मान है। इस दौर में जब चिकित्सा को व्यवसाय बना देने वाली ऊंची अट्टालिकाओं के सर्वसुविधायुक्त चिकित्सालयों में इंसान का जीवन बचाने वाले चिकित्सकों में धन कमाने की अंधी दौड़ चल रही हो, शिक्षा के बाद नागरिक जीवन को सेहतमंद बनाए रखने के लिए उपयोगी चिकित्सा सेवा का इतना महंगा हो जाना जनसामान्य के लिए चिंता का सबब है। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर जब राष्ट्र अपने कर्मवीरों के सम्मानों का एलान कर रहा था। इन कर्मवीरों की सूची में मध्यप्रदेश जबलपुर के एक चिकित्सक के नाम ने बहुत अचंभित कर दिया। यह नाम है, डॉक्टर मुनीश्वर चंदर डावर का जो जबलपुर में चिकित्सा सेवा को बरसों से अंजाम दे रहें है। वह भी इतनी कम फीस पर जिसमे आम आदमी दो बार की चाय पी सकता है, समोसा, वडा पाव या कचोरी खा सकता है। मात्र 20 रु में चिकित्सकीय सेवा देने का यह कार्य बरसों से जारी है। शुरूवातीं दौर में यह कार्य मात्र 2 रु में करने वाले इस महान शख्स को भारत सरकार ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश के चौथे बडे पुरुस्कार पद्म श्री से सम्मानित किया है। डॉक्टर मुनीश्वर चंदर डावर को मिला यह सम्मान आमजन को सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के मानवीय एवं नेक कार्य के परिणाम स्वरूप दिया गया है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 16 जनवरी 1946 को जन्में डॉक्टर मुनीश्वर विभाजन के बाद भारत आ गए। जबलपुर से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की। वें सेना में भी रहे हैं। 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध के दौरान भारतीय सेना में उन्होंने अपना अमूल्य योगदान दिया है। सेना से रिटायर होने के बाद 1972 से वे जबलपुर में आमजन को स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। पद्म श्री से सम्मानित डॉक्टर डावर के अनुसार उन्होंने 2 रुपये में लोगो का इलाज शुरू किया था और वर्तमान में वह अपनी फीस के रूप में सिर्फ 20 रु लेते है। उनके अनुसार सफलता का मूलमंत्र है- आप धैर्य से काम लीजिए, आपको सफलता जरूर मिलती है और सफलता का सम्मान भी होता है। मेहनत से फल मिलता है।' शायद डॉक्टर मुनीश्वर डावर जैसे सेवाभावी चिकिसक हजारों में एक हों किंतु भारत जैसे देश में चिकित्सा को सेवा समझने वाले चिकित्सको की बहुत आवश्यकता है। भारत सरकार ने ऐसे बिरले व्यक्तित्व को पद्म श्री सम्मान से नवाजकर चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े डॉक्टरों को एक सन्देश दिया है। भारत मे स्वास्थ्य सेवाओं की असलियत किसी से छिपी नहीं है। हमारे शासकीय चिकित्सालय वह तहसील मुख्यालयों पर हो या जिला या संभागीय स्तर पर रैफर सेंटर के अलावा अधिक कुछ नही कर पाते। इन अस्पतालों में रोग परीक्षण के यंत्रों का भी अभाव रहता है। शहरी क्षेत्र में निजी चिकित्सालयों की भीड़ में सेवा की गतिविधियां कहीं गुम सी लगती है। मध्यप्रदेश में इंदौर का बहुत नाम है। यहां बॉम्बे, मेदांता ओर अब कोकिलाबेन धीरू भाई अम्बानी हॉस्पिटल भी लोकार्पित हो गया है। जिसके लोकार्पण समारोह में महानायक अभिताभ बच्चन ने कहा इंदौर भारत का स्वच्छ शहर तो है ही अब यह स्वस्थ्य शहर भी होगा। अभिताभ की अपनी भावनाए थी। जिनका प्रकटीकरण समारोह के माध्यम से हुआ। दरअसल निजी चिकित्सालयों की गगनचुम्बी इमारतों ओर इसमे कार्यरत डॉक्टरों के प्रति आमजन की बहुतसी शिकायतें आए दिन सुनने को मिलती है। प्रदेश भर से मजबूरी में इंदौर इलाज के लिए गए मरीज स्वयं को ठगा हुआ महसूस करतें है। इसकी तुलना में गुजरात और मुम्बई की चिकित्सा सेवाओं की तारीफ की जाती है, जिसमें व्यवहार के साथ आर्थिक जरूरतों के हिसाब से मरीज को गुणवत्ता पूर्ण उपचार दिया जाना भी शामिल है। चिकित्सा के क्षेत्र में आमतौर पर देखा जाता है कि दवाई कम्पनी के प्रतिनिधि अपनी दवाएं चलाने के लिए डाक्टरो को कमीशन देते है, तोहफे से नवाजते है। फलस्वरूप डॉक्टर इस लालच में धनलुलुप होते जाते है। दवा कंपनियों, अस्पतालों, डॉक्टरों ओर सरकारी तंत्र का यह गठजोड़ चिकित्सा क्षेत्र में फैले भष्ट्र आचरण का मुख्य कारण है। डॉक्टर डावर के बहाने यह कहना भी ठीक नही होगा कि चिकित्सक इतनी कम फीस में इलाज करें की उसका घर चलाना ही मुश्किल हो जाए। चिकित्सक भी एक इंसान है, उसे भी अपने परिवार को पालने की जिम्मेदारी निभाना है। किंतु चिकित्सकीय श्रेत्र में लूट खसोट की प्रवृत्ति पर भी विराम लगाने की आवश्यकता है। ऐसा नहीं है की हमारे आसपास सेवाभावी डॉक्टरों की कमी है। हर शहर, हर गांव में सेवा को तहरिज देने वाले डॉक्टर मौजूद है। सरकार के आयुष्मान मिशन ने भी आम नागरिक के स्वास्थ्य की चिंताओं को कुछ हद तक कम किया हैं। किन्तु आयुष्मान से जुड़े अस्पतालों की संख्या कम है और जो है वहां सरकारी तंत्र से मिलकर अनियमितता औऱ भष्ट्राचार का खेल चल रहा है। कोरोनाकाल में दुनियाँ ने इन बड़े अस्पतालों के मालिकों एवं चिकित्सकों की धन लिप्सा को देखा है। डॉक्टर मुनीश्वर चंदर को पद्म श्री के लिए चुना जाना चिकित्सा कर्म को सेवा मानने वाले हमारे गांव, शहर, नगर के उन सभी डाक्टरो का सम्मान है। जो मरीजों को कम खर्च पर स्वस्थ्य करने की मुहिम में लगे हुए है। हमारे आसपास भी बहुत से डॉक्टर मुनीश्वर डावर जैसें सेवाभावी चिकित्सकीय गतिविधियों को अंजाम दे रहे है। निजी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों एवं सरकारों को ऐसे सेवाभावी चिकित्सकों को सम्मानित करना चाहिए। महंगी चिकित्सा के दौर में सस्ता उपचार प्रेरणादायी हैं। गणतंत्र दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश के डॉक्टर मुनीश्वर डावर को पद्म श्री से सम्मानित किया जाना चिकित्सा को सेवा कर्म मानने वाले देश के तमाम सेवाभावी चिकित्सकों का सम्मान है। चिकित्सा व्यवसाय नहीं है, यह सेवा है। जिसमे धनलोलुपता उचित नहीं है।

रेल बजट- सफर सुहाना करने का वादा

आर.के. सिन्हा

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 45 लाख करोड़ का 2023-24 का बजट तो यही संकेत दे रहा है कि अब आपका रेलवे का सफर और सुहावना होने जा रहा है। यानी आपको रेल में यात्रा करने में आनंद आएगा। यह इसलिए संभव होगा क्योंकि सरकार रेलवे का कायाकल्प करने के प्रति दृढ़ संकल्प दिखा रही है। रेलवे का चौतरफा विकास करने का सिलसिला तो लगातार चल ही रहा है। इसे और गति देने के इरादे से ही केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साल 2023-24 के बजट में रेलवे के लिए 2 लाख 40 हजार करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा है। इसके अतिरिक्त 75 हजार करोड़ रुपया नई परियोजनाओं को लागू करने पर खर्च किए जाने का प्रस्ताव अलग से है। पिछले साल 2022-23 में रेलवे के विकास के लिए 1.4 लाख करोड़ का बजट आवंटित किया गया था। यानि अब यह लगभग दुगुना हो गया । रेलवे को दिल खोलकर धन मिलने जा रहा है। रेलवे को मुसाफिरों को आरामदेह सफर का सुख देने के साथ अपनी नई परियोजनाओं पर भी ईमानदरी से काम करना होगा। रेलवे लगातार अपने काम में सुधार कर भी रहा है। पर अभी तो उसे बहुत आगे जाना है। अभी भी मंजिल बहुत दूर ही दिख रही है। हाँ यह जरूर है कि जब दो लाख चालीस हजार करोड़ और 75,000 करोड़ एक वर्ष में खर्च होंगें तो देशभर में भरी संख्या में रोजगार पैदा होंगें । इस बीच, जहां तक देश के रेलवे स्टेशनों का सवाल है तो फिलहाल इस दृष्टि से 47 रेलवे स्टेशनों के लिए निविदा प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है, जबकि 32 स्टेशनों पर काम भी शुरू हो गया है। सरकार ने 200 रेलवे स्टेशनों के पुनर्निर्माण के लिए एक मास्टर प्लान तैयार किया है। स्टेशनों पर ओवरहेड स्पेस बनाए जाएंगे, जिसमें बच्चों के लिए मनोरंजन सुविधाओं के अलावा वेटिंग लाउंज और फूड कोर्ट सहित तमाम विश्व स्तरीय सुविधाएं होंगी। रेलवे स्टेशन क्षेत्रीय उत्पादों की बिक्री के लिए भी एक सस्ता पर लोक लुभावन मंच भी प्रदान करने जा रहे हैं। एक अच्छी बात यह भी है कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का उत्पादन भी अब भारत में ही हो रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कुछ समय पहले बताय़ा था कि 400 वंदे भारत ट्रेनों में से 100 का निर्माण तो लातूर, मराठावाड़ा में कोच फैक्ट्री में ही किया जाएगा जिससे इस पिछड़े इलाके में रोजगार की संभावनाओं में भारी वृद्धि होगी । दरअसल, इस 21वीं सदी में भारत के तेज विकास के लिए रेलवे का विकास और भारतीय रेलवे में तेजी से सुधार बहुत जरूरी है। इसलिए ही केंद्र सरकार भारतीय रेलवे को आधुनिक बनाने के लिए रिकॉर्ड निवेश कर रही है। फिलहाल भारतीय रेलवे के कायाकल्प करने का राष्ट्र व्यापी अभियान चल रहा है। अब वंदे भारत, तेजस, हमसफर जैसी आधुनिक ट्रेनें देश में बन रही हैं। सुरक्षित, आधुनिक कोचों की संख्या में भी रिकॉर्ड वृद्धि हो रही है। रेलवे स्टेशनों को भी एयरपोर्टों की तरह ही सुन्दर ढंग से विकसित किया जा रहा है। भारत जैसे युवा देश के लिए भारतीय रेल भी युवा अवतार लेने जा रही है और इसमें निश्चित तौर पर 475 से ज्यादा वंदे भारत ट्रेनों की बड़ी भूमिका होगी।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बजट में रेलवे की विकास परियोजनाओं के लिए पर्याप्त धन की व्यवस्था की है । इसके चलते रेल पटरियों का भी तेजी से विस्तार होगा। इस लिहाज से दो स्तरों पर काम होना चाहिए। पहला, नई-नई जगहों में रेल लाइनें बिछाई जाएं जहां पर रेलवे ने अब तक दस्तक ही नहीं दी है। और दूसरा यह कि विस्तार यह सोचकर किया जाये कि अब देश के रेल नेटवर्क को आपको दो की बजाय तीन-चार या पांच पटरियों पर दौड़ाना होगा। तब ही देश का रेल यातायात सुगम होगा। देश के सभी मुख्य रेल मार्गों पर कम से कम चार-पांच रेल ट्रैक तो बनने ही चाहिए। तभी रेल यात्रियों और मॉल परिवहन की भारी बोझ को सहने में सक्षम होगा। इस प्रकार, दो-दो सवारी गाड़ियों और मालगाड़ियों के आवागमन के लिये ट्रैक पांचवा इमरजेंसी ट्रैक सेना, पुलिस बल, राहत कार्य के लिए विशेष ट्रेनों आदि के लिए। मैं बीते दिनों नई दिल्ली, हजरत निजामउद्दीन,अमृतसर,आगरा,स वाई माधोपुर, देहरादून, हरिद्वार वगैरह अनेकों रेलवे स्टेशनों में गया।

वहां नजर आई झाड़ू लेकर घूमने वालों की जगह आधुनिक मशीनों पर सवार नवयुवक-नवयुवतियां सफाई करते दिखे । सब में अद्भुत सुधार दिखाई दिया। ये काफी आधुनिक लगे। इनमें वाशरूम बेहतर और साफ थे। इनमें गुजरे सालों की तरह अराजकता और अव्यवस्था नहीं थी। सफाई व्यवस्था भी पहले से बेहतर । पर कई जगहों पर रेलवे ट्रैक के साथ-साथ रेलवे की संपति पर अतिक्रमण भी दिखाई देता रहा। रेलवे को इस तरफ भी सख्ती से ध्यान देना होगा ताकि उसकी संपत्ति पर कोई अवैध कब्जे ना हों। उसे अपने लापरवाह और भ्रष्ट कर्मियों को दंडिता करना होगा जिनकी काहिली के कारण रेलवे की संपत्ति पर कब्जे हो जाते हैं। रेलवे की संपत्ति पर जगह-जगह धार्मिक स्थल तक बने हुए हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर भी आपको एक मस्जिद बनी हुई मिलेगी जो पिछली सरकारों के अल्पसंख्यक तुष्टीकरण नीति का जीता जागता सबूत है । रेलवे अपनी तमाम महत्वाकांक्षी योजनाओं को तब ही लागू करने में सफल होगा अगर वह अपने यहां काम की संस्कृति में बड़े ही व्यापक स्तर पर सुधार करेगा। रेलवे में अब भी निठल्ले और कामचोर कर्मियों की एक फौज है। यही रेलवे के साथ एक बड़ी समस्या है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार चाहती है कि जल्द से जल्द काम हों और नई परियोजनाओं पर समय से अमल किया जाए। पर यह तब ही मुमकिन होगा जब रेलवे में सब मिलकर काम करेंगे। रेलवे के हर विभाग को तेजी से काम करने के लिए तैयार करना होगा ताकि परियोजनाओं पर तेजी से अमल किया जा सके। निकम्मे कर्मियों को दंड मिलना ही चाहिए। हालाँकि, भारतीय रेल से जुड़े ज्यादातर कर्मी अभी भी अनुशासित और कर्तव्य परायण हैं । लेकिन, राजनीतिक पैरबियों और घूसखोरी के बलपर जो रेलवे में नौकरी पा गये वे तो अपनी अकड़ दिखायेंगे ही । उनकी अकड़ पर लगाम कसके ठीक करना तो होगा ही न ?

लद्दाख: ऑल इज़ नॉट वैल

रजनीश कपूर

प्रतिष्ठित रेमन मैगसेसे पुरस्कार से सम्मानित मैकेनिकल इंजीनियर और हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स, लद्दाख के निदेशक सोनम वांगचुक आजकल फिर से सुर्ख़ियों में हैं। इससे पहले वे अपने व्यक्तित्व पर 2009 में बनी फ़िल्म '3 इडिअट्स' को लेकर सुर्ख़ियों में थे। इसी फ़िल्म का एक मशहूर डायलॉग था 'ऑल इज़ वैल'। फ़िल्म में यह डायलॉग वांगचुक का किरदार निभा रहे अभिनेता आमिर ख़ान हर कठिन परिस्थिति में ख़ुद को हौसला देने के लिए कहते हैं। परंतु आज इसी बात को लद्दाख निवासी विपरीत ढंग से क्यों कह रहे हैं? दरअसल पिछले कुछ दिनों से लद्दाख के मशहूर इनोवेटर सोनम वांगचुक मीडिया का केंद्र बने हुए हैं। वे 26 जनवरी 2023 को लद्दाख के हालत को लेकर एक आंदोलन करने की तैयारी में थे। परंतु लद्दाख प्रशासन ने उन्हें ऐसा करने से रोका और उन्हें नज़रबंद कर दिया। वांगचुक ने यह जानकारी यूट्यूब पर एक वीडियो के माध्यम से दी। आंदोलन शुरू करने से पहले, 21 जनवरी को वांगचुक ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नाम 'लद्दाख के मन की बात' नामक संदेश में, लद्दाख के बिगड़ते हुए हालात की बात की। उसी वीडियो में उन्होंने आंदोलन करने के बारे में भी बताया। वांगचुक ने अपने वीडियो में कहा था कि वह खारदुंगला टॉप पर पांच दिवसीय अनशन पर बैठेंगे। खारदुंगला टॉप 18,000 फीट की ऊँचाई पर है। यहाँ का तापमान -40 डिग्री सेल्सियस तक रहता है। उन्होंने लद्दाख में बढ़ते उद्योगों, खनन और पर्यटन विकास को लेकर चिंता जताई है। उनका मानना है कि लद्दाख व अन्य हिमालयी क्षेत्रों को औद्योगिक शोषण से सुरक्षा मिलनी चाहिए। क्योंकि, बढ़ते उद्योगों के चलते पर्यावरण पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। इसके साथ ही वे कहते हैं कि, "कश्मीर यूनिवर्सिटी और अन्य शोध संगठनों के हाल के अध्ययनों से निष्कर्ष निकला है कि यदि ठीक से देखरेख नहीं की गई तो लेह-लद्दाख में दो-तिहाई ग्लेशियर खत्म हो जाएंगे।" जब से उनका ये वीडियो सामने आया है लद्दाख प्रशासन में तनाव का माहौल बन गया है। आनन-फ़ानन में लद्दाख प्रशासन ने वांगचुक को नज़रबंद कर दिया। उनका आरोप है कि प्रशासन के खिलाफ आवाज उठाने को लेकर उन्हें नजरबंद कर दिया गया है। जिस तरह लद्दाख की पुलिस मंदिर की दीवार लांघ कर वांगचुक को अपने साथ लेकर गई उस पर सवाल उठ रहे हैं? वांगचुक ने अपने वीडियो के माध्यम से प्रधान मंत्री व केंद्रीय गृह मंत्री का ध्यान लद्दाख की समस्याओं की ओर आकर्षित किया है। 31 अक्टूबर 2019 को केंद्र सरकार ने लद्दाख को कश्मीर से अलग कर केंद्र शासित प्रदेश बना दिया था। वांगचुक का आरोप है कि, "तीन साल से केंद्र का यूटी प्रशासन नाकाम रहा है। हर आदमी दुखी है। नौकरियाँ नहीं मिल रही है। फंड है लेकिन इसका ज्यादातर हिस्सा वापस चला जाता है। 6 हजार करोड़ रुपये का क्या करना है इसका फैसला केवल यहाँ के उपराज्यपाल ही लेते हैं। इसी बजट का क़रीब 8-9 प्रतिशत बजट वहाँ के चुने हुए प्रतिनिधियों द्वारा स्थापित हिल कौंसिल के हिस्से आता है।" वे आगे कहते हैं कि, "12000 नौकरियों का वादा किया गया था लेकिन क़रीब 800 को ही नौकरी मिली वो भी पुलिस में। विकास की कोई भी नई योजना नहीं बनाई गई है।" वांगचुक के वीडियो से यह भी पता चलता है कि लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश बनने के तीन साल बाद जब एक सर्वेक्षण हुआ तो वहाँ के 95 प्रतिशत लोगों ने लद्दाख प्रशासन को 5 में से 1 या 0 अंक दिये। इसका मतलब यह लगाया जा सकता है कि वहाँ की जनता इस निर्णय से खुश नहीं है। लद्दाख के निवासी केंद्र की भाजपा सरकार को उनके द्वारा किए वादे याद दिला रही है। सोनम वांगचुक ने बताया कि भाजपा ने 2020 में लद्दाख हिल काउंसिल चुनाव के लिए जारी घोषणा पत्र में छठी अनुसूची को शामिल किया था। इसके साथ ही 2019 लोकसभा चुनावों में भी यह वादा भाजपा के पहले तीन वादों में शामिल था। परंतु जनता के हाथ केवल निराशा ही लगी। इसीलिये वहाँ के नागरिक इसके विरुद्ध आवाज़ उठा रहे हैं। दरअसल, 1949 में संविधान सभा द्वारा पारित छठी अनुसूची, स्वायत्त क्षेत्रीय परिषद और स्वायत्त जिला परिषदों के माध्यम से आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा का प्रावधान करती है। यह विशेष प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 244 (2) और अनुच्छेद 275 (1) के तहत किया गया है।

राज्यपाल को स्वायत्त जिलों को गठित करने और पुनर्गठित करने का अधिकार है। फ़िलहाल छठी अनुसूची में पूर्वोत्तर के चार राज्यों असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित विशेष प्रावधान हैं। सितंबर 2019 में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने लद्दाख को छठी अनुसूची के तहत शामिल करने की सिफारिश की थी।

ढोंग का रोग

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

जमाने को बदनाम करते हुए इंसान कब मशीन बन जाता है, पता ही नहीं चलता। सुबह बसेरा छोड़कर ऑफिस जाता है टेंशन मोल लेने। आखिरकार टेंशन तो टेंशन है। यह कांट्रब्यूटरी पेंशन तो नहीं कि रिटायरमेंट के बाद एक साथ थोक में मिलेगा। यह ओल्ड पेंशन की तरह है जो किश्तों में मिलता रहता है। ऐसा नहीं है कि टेंशन मिटाने के तरीके नहीं है। हैं, लेकिन अपने तरीके के। टेंशन मिटाने के तीन तरीके होते हैं। एक शराब पीकर थोड़ी देर के लिए भुला दो। दूसरा, बसेरे में रहने वालों पर भड़ास के रूप में उल्टी कर दो। तीसरा, आत्महत्या कर लो। ऐसे दौर में गृहस्थी करना कार्बन डाइ आक्साइड के बीच आक्सीजन की खोज करने की तरह है। आजकल की बात है। एक दंपत्ति की एक संतान थी। वह बचपन में संतान और बड़ा होने के बाद पालतु की तरह व्यवहार करने लगा। दंपत्ति संतान पर बहुत विश्वास करते थे, क्योंकि वह उन्हीं का खून था।

उन्हें क्या पता कि अपनों के खून में भी मालवायरस का अटैक अक्सर हो जाता है। संतान भी माता-पिता के साथ पूरे तन-मन से ढोंग करता था, लेकिन वह भी चमकते सोने की तरह। अपने चरित्र का असली पीतल हमेशा छिपाए रखता था। माता-पिता पुरानी सोच के साथ जैसे-जैसे पुराने पड़ते जा रहे थे, वह उतना ही आधुनिक बनता जा रहा था। मटका फूटकर फ्रिज बन गया, सिलबट्टा जाकर मिक्सर, गिल्ली-डंडा कब क्रिकेट बन गया पता ही नहीं चला। माता-पिता जब भी विश्राम करना चाहते संतान उनके लिए रिक्लायनर वाली कुर्सी आगे कर देता था। सच तो यह है कि वे विश्राम नहीं संतान का स्पर्श चाहते थे। अब संतान न उन्हें प्रणाम करता था और न उनसे बात।

शादी हो जाने के बाद हालात और खराब हो गए। संतान वाइफ के चक्कर में माता-पिता के साथ वाई-फाई वाला टच रखने लगा था। दूरी जैसे-जैसे बढ़ती संबंधों का नेटवर्क वैसे-वैसे कमजोर पड़ता जाता। देखते-देखते माँ का स्वगर्वास हो गया। पिता बिस्तर पर लेटे जिंदगी के अंतिम दिन गिन रहे थे। एक दिन की बात है, जब पिता ने बेटे से पानी माँगा। सौ बार माँगने पर झल्लाते हुए एक बार बेटे ने पानी पिलाया। पिता सोया हुआ था, बेटा तेजी से पानी पिलाये जा रहा था। पानी गले में जाने के बजाए कब फेफड़ में पहुँच गया पता ही नहीं चला। पिता सांस लेने में दिक्कत महसूस कर रहे थे। बेटा समझा यह उनका नाटक है। थोड़ी देर में पिता की ईहलीला समाप्त हो गई। बेटे ने समझा कि पिता उसी के हाथों अंतिम बार कुछ पीकर मरना चाहते थे, सो वह प्रसन्न था। उसे लगा कि मैंने पिता के लिए पितृभक्त बेटे के रूप में अपनी सभी जिम्मेदारियाँ निभाई। दुनिया को भी यही लगा। ढोंग सेवा पर हमेशा भारी पड़ता है। एक बेटे के हाथों पिता की हत्या जमाने के लिए सेवा का रूप धारण कर चुका था। सच है अब मौतें सेवा के रूप में लोगों को गले लगा रही है।

शादी के अगले ही दिन क्यों विधवा हो जाते हैं किन्नर

शादी विवाह जैसे शुभ कार्यों में किन्नरों का आना आम बात है वे आते है और लोगों को बाधाई और आशीर्वाद देते है कहा जाता है कि इनके द्वारा दिया गया आशीर्वाद बेहद फलित होता है लेकिन इनकी बदुआ को कभी नहीं लेना चाहिए क्योंकि माना जाता है कि इनकी बदुओं भी दुओं की तरह असर जरूर करती है ऐसे में ऐसे कई लोग है जो किन्नरों के जीवन के बारे में जानने की इच्छा रखते है।

किन्नरों के जीवन को लेकर कई पहलु आज भी रहस्यमयी है या फिर इनके बारे में लोगों को बहुत कम ही मालूम है आमतौर पर माना जाता है कि किन्नर समाज से अलग थलग रहते है और ये कभी शादी नहीं करते है लेकिन आज हम आपको एक ऐसी हकीकत से रूबरू कर रहा है जिसके अनुसार किन्नर विवाह भी रचाते है और शादी के बाद दुल्हन भी बनते है लेकिन केवल एक रात के लिए, तो आइए जानते है क्या है किन्नरों के जीवन से जुड़ रहस्य।

महाभारत कथा के अनुसार अर्जुन भी अज्ञातवास के समय किन्नर रूप में रहे। कहते है कि हर साल तमिलनाडु के कूवगाम में किन्नरों के विवाह का जश्न मनाया जाता है जिसमें तमिल नव वर्ष की पूर्णिमा से किन्नरों का विवाह उत्सव आरंभ हो जाता है और यह पूरे 18 दिनों तक चलता है वही 17वें दिन किन्नरों का विवाह कराया जाता है लेकिन शादी के अगले ही दिन अरावन देवता की प्रतिमा को पूरे शहर भर में घुमाकर इसे तोड़ दिया जाता है जिसके बाद विवाहित किन्नरें अपना पूरा श्रृंगार उतारकर एक विधवा की तरह विलाप करती है, मान्यता है कि ऐसा इसलिए किया जाता है जिससे फिर किसी को किन्नर का जन्म न लेना पड़े।

ऐसा कहा जाता है कि किन्नर ना तो पूरी तरह से पुरुष होते है और ना ही इनकी गिनती महिलाओं में की जाती है लिहाजा उनकी शादी होती है या नहीं, इस बारे में पूर्णत: कुछ नहीं कहा जा सकता है अलग समुदाय में रहने वाले किन्नर आमतौर पर अविवाहित रहते है जबकि हकीकत में ऐसा नहीं होता है क्योंकि किन्नर विवाह करत है और केवल एक रात्रि के लिए शादी करके दुल्हन बनते है किन्नरों की शादी किसी व्यक्ति से न होकर ये भगवान से विवाह रचाते है आपको बता दें कि किन्नरों के भगवान अर्जुन और नाग कन्या उलूपी की संतान इरावन जिन्हें अरावन नाम से जाना जाता है।

अशोक के पत्तों से जुड़ा उपाय दूर करेगा हर परेशानी

हिंदू धर्म और शास्त्रों में कई ऐसे पेड़ पौधे है जिन्हें शुभ मानकर उनकी पूजा आराधना की जाती है मान्यता है कि इनमें देवताओं का वास होता है ऐसा ही एक पेड़ अशोक है जिसे पवित्र माना जाता है अशोक के पत्तों से जुड़े कई ऐसे उपाय बता गए है जिन्हें करने से जातक की हर समस्या का समाधान हो जाता है और जीवन में खुशहाली बरसती है तो आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा अशोक के पत्तों से जुड़ा उपाय बता रहे है तो आइए जानते है।

अशोक के पत्तों से जुड़ा उपाय–

अगर किसी की कोई इच्छा जल्द पूरी नहीं हो रही है या फिर कोई विशेष मनोकामना है जिसे आप पूर्ण करना चाहते है तो ऐसे में अशोक के पत्तों पर कोई भी मीठी सामग्री रखकर भगवान को भोग लगाएं मान्यता है कि इस उपाय को करने से जातक को मनचाहा वरदान मिलता है और विशेष कामना की पूर्ति भी होती है वही धार्मिक, मांगलिक व शुभ कार्यों में अगर अशोक के पत्तों की माला बनाकर घर के मुख्य द्वार पर टांगा जाए तो सुख समृद्धि का प्रवाह बढ़ता है और दुखों का अंत हो जाता है।

वही अगर कुंडली में कोई ग्रह दोष है तो ऐसे में आप अशोक के पत्तों को पीसकर नहाने के पानी में मिला लें और इसके बाद उसी जल से स्नान करें मान्यता है कि इस उपाय को करने से ग्रह दोष शांत होने लगते है जिसके बाद जातक को शुभ परिणाम मिलते है।

अगर विवाह में किसी तरह की अड़चन आ रही है तो ऐसे में गुरुवार के दिन सात अशोक के पत्तों को लेकर उन्हें कलश के जल में डुबा देना चाहिए फिर अगले दिन यानी शुक्रवार को उन पत्तों पर शुक्र मंत्र लिखकर भगवान से प्रार्थना करें मान्यता है कि इस उपाय को करने से शीघ्र विवाह के योग बनने लगते है और शादी में आने वाली अड़चने भी दूर हो जाती है।

माघ पूर्णिमा पर कर लें उपाय

पूर्णिमा पर रवि पुष्य योग, सर्वार्थ सिद्धि योग, आयुष्मान योग और सौभाग्य योग बन रहे हैं।
माघ पूर्णिमा 04 फरवरी दिन शनिवार को रात 09 बजकर 29 मिनट से प्रारंभ होगी।
इस साल माघ पूर्णिमा 05 फरवरी दिन रविवार को है।
माघ पूर्णिमा का दिन व्रत, स्नान, दान और पूजा पाठ की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण होता है। इस दिन चंद्रमा, माता लक्ष्मी और भगवान नारायण यानि विष्णु की पूजा करते हैं। पवित्र नदियों में स्नान के बाद दान का विधान है। प्रयागराज के संगम में स्नान से भगवान विष्णु का आशीर्वाद सहज ही प्राप्त होता है।

चार शुभ योगों से माघ पूर्णिमा बन गई है विशेष

श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ मृत्युञ्जय तिवारी का कहना है कि इस बार की माघ पूर्णिमा पर रवि पुष्य योग, सर्वार्थ सिद्धि योग, आयुष्मान योग और सौभाग्य योग बन रहे हैं। इन चार शुभ योगों के कारण माघ पूर्णिमा का दिन और भी विशेष हो गया है। इस साल माघ पूर्णिमा 04 फरवरी दिन शनिवार को रात 09 बजकर 29 मिनट से प्रारंभ होकर 05 फरवरी को रात 11 बजकर 58 मिनट तक है। आइए जानते हैं माघ पूर्णिमा के उपायों के बारे में।

माघ पूर्णिमा के ज्योतिष उपाय

1. माघ पूर्णिमा के दिन आप स्नान करने के बाद लक्ष्मी-नारायण की साथ में पूजा करें और उस दौरान लक्ष्मी नारायण स्तोत्र का पाठ करें। इस पाठ से आप पर माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु कृपा होगी। आपके घर में सुख, समृद्धि और खुशहाली आएगी।

2. यदि आपके लिए संभव हो तो माघ पूर्णिमा पर संगम का स्नान अवश्य करें। उसके बाद अपने पितरों को जल से तर्पण दें। पितृ देव जब प्रसन्न होते हैं तो परिवार में धन, संतान, वंश में वृद्धि होती है और व्यक्ति हमेशा तरक्की करता है। इस दिन के स्नान से आप पर भगवान विष्णु प्रसन्न रहेंगे।

3. परिवार के सुख और समृद्धि के लिए आप माघ पूर्णिमा को स्नान के बाद चावल, सफेद वस्त्र, खीर, दूध, सफेद फूल आदि का दान करें। यह चंद्रमा से जुड़ी वस्तुएं हैं। चंद्रमा के मजबूत होने से आपका मन भी स्थिर रहेगा।

4. चंद्रमा के सकारात्मक प्रभाव में वृद्धि के लिए आप माघ पूर्णिमा की रात में चंद्र देव की पूजा करें। एक लोटे में जल भरकर उसमें दूध, अक्षत और सफेद पुष्प मिला लें। फिर ओम सों सोमाय नमः या गगनार्णवमाणिक्य चन्द्र दाक्षायणीपते, गृहाणार्घ्यं मया दत्तं गणेशप्रतिरूपक। मंत्र का उच्चारण करते हुए अर्घ्य दें।

5. धन-संपत्ति में वृद्धि के लिए माघ पूर्णिमा को शाम के समय में माता लक्ष्मी या श्रीयंत्र की पूजा विधिपूर्वक करें। माता लक्ष्मी की पूजा में शंख, पीली कौड़ियां, कमलगट्टा, लाल गुलाब पुष्प, मखाने की खीर, दूध से बनी सफेद मिठाई, बताशा आदि का उपयोग करें।
पूजा के समय श्रीसूक्त या कनकधारा स्तोत्र का पाठ करें।

विश्वकर्मा जयंती पर मशीनरी की पूजा करने की है परंपरा

देवताओं को शिल्पकार हैं विश्वकर्मा उन्होंने बनाई थी सोने की लंका और द्वारका नगरी

देवताओं को शिल्पकार हैं विश्वकर्मा; उन्होंने बनाई थी सोने की लंका और द्वारका नगरी

शुक्रवार, 3 फरवरी को विश्वकर्मा जयंती है। इस दिन देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की, अपने औजार और मशीनरी की विशेष पूजा की जाती है। वैसे विश्वकर्मा जयंती की तिथि के संबंध में मतभेद हैं। उत्तर भारत में फरवरी में और दक्षिण भारत में सितंबर में ये पर्व मनाया जाता है।

देवी-देवताओं से जुड़े सभी निर्माण कार्य भगवान विश्वकर्मा ही करते हैं। त्रेतायुग में विश्वकर्मा जी ने सोने की लंका बनाई, पुष्पक विमान, द्वापर युग में द्वारका नगरी का निर्माण किया था। इनके अलावा देवी-देवताओं के महल, रथ, हथियार भी विश्वकर्मा ही बनाते हैं। ये पर्व उन लोगों के लिए बहुत खास है जो निर्माण कार्यों से जुड़े हैं, जैसे मकान बनाने वाले कारीगर, फर्नीचर बनाने वाले, मशीनरी से जुड़े लोग, कारखानों से जुड़े लोग। इन सभी लोगों के लिए विश्वकर्मा जयंती एक बड़ा पर्व है।

सोने की लंका से जुड़ी मान्यताएं

विश्वकर्मा जी के खास कामों में से एक है सोने की लंका का निर्माण। लंका के संबंध में कई मान्यताएं प्रचलित हैं। एक मान्यता है कि असुर माल्यवान, सुमाली और माली ने विश्वकर्मा जी से असुरों के लिए एक विशाल भवन बनाने की प्रार्थना की थी। इन तीन असुरों की प्रार्थना सुनकर विश्वकर्मा जी ने समुद्र किनारे पर त्रिकूट नाम के एक पर्वत पर सोने की लंका बना दी।

दूसरी मान्यता ये है कि सोने की लंका के राजा कुबेर देव थे। रावण कुबेर देव का सौतेला भाई था। जब रावण शक्तिशाली हुआ तो उसने अपने भाई कुबेर से सोने की लंका छिन ली थी। विश्वकर्मा जी ने कुबेर के लिए पुष्पक विमान भी बनाया था, इस विमान को भी रावण ने छिन लिया था।

श्रीकृष्ण के कहने पर बनाई थी द्वारक नगरी

द्वापर युग में जब श्रीकृष्ण ने कंस का वश कर दिया तो कंस का ससुर जरासंध श्रीकृष्ण को मारने के लिए मथुरा पर बार-बार आक्रमण करने लगा। श्रीकृष्ण और बलराम हर बार उसे पराजित कर देते थे, लेकिन जब जरासंध के हमले ज्यादा बढ़ने लगे तो श्रीकृष्ण ने मथुरा की रक्षा के मथुरा छोड़ने का निर्णय ले लिया। उस समय श्रीकृष्ण ने विश्वकर्मा जी से सुरक्षित जगह पर एक अलग नगरी बनाने के लिए कहा था। तब विश्वकर्मा जी ने द्वारका नगरी का निर्माण किया। इसके बाद श्रीकृष्ण-बलराम और यदुवंशी द्वारका नगरी में रहने चले गए थे।

क्या बिल्ली पालना होता है शुभ?

बहुत से लोग अपने घरों में जानवरों को पालते हैं। कई लोग पशु पक्षियों को भी पालना पसंद करते हैं। कुत्ते को सबसे वफादार जानवरों में से एक माना जाता है। इसके उलट बिल्ली को चतुर और मौकापरस्त मानते हैं। कई बार आपने लोगों को यह कहते हुए सुना होगा कि बिल्ली एक ऐसा जानवर है जो किसी भी परेशानी के आने से पहले ही उसका पता लगा लेती है। माना जाता है कि बिल्ली को आने वाली समस्याओं का पहले से ही पता चल जाता है। बिल्लियों को घर में रखने की बात आती है तो इसमें कई लोगों की अलग-अलग मान्यताएं और जन धारणाएं शामिल है। जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से बिल्ली पालना शुभ होता है या अशुभ?

घर में बिल्ली आने के शुभ संकेत

ऐसा नहीं है कि घर में बिल्ली पालने के सिर्फ अशुभ संकेत प्राप्त होते हैं या फिर बिल्ली पालना अशुभ होता है। बिल्ली पालने के कुछ शुभ संकेत भी होते हैं। यदि आपके घर में बिल्ली उसके बच्चे के साथ दिखाई देती है, तो यह आपके लिए एक शुभ संकेत हैं। ऐसा माना जाता है कि बिल्ली को अपने बच्चे के साथ देखना किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से मुलाकात होने की तरफ संकेत करता है, या फिर आपको कहीं से कोई अच्छी खबर मिलने वाली है। साथ ही यदि आपके घर में बिल्ली में बच्चों को जन्म दिया है तो यह उस घर के मुखिया के लिए बेहद शुभ माना जाता है। इससे उनको अनेक क्षेत्र में सफलता के अवसर प्राप्त होते हैं।

दीपावली की रात बिल्ली दिखना

इसके अलावा यदि दीपावली की रात में आपके घर में बिल्ली आए तो यह भी आपके लिए एक शुभ संकेत होता है। मान्यताओं के अनुसार दिवाली की रात घर में बिल्ली देखने से जीवन में धन प्राप्ति के योग बनते हैं।

शुकदेव की राजा परीक्षित को सीख

द्वापर युग के अंत में राजा परीक्षित को शाप मिला था कि सात दिन बाद तक्षक नाग उन्हें डंसेगा। इस शाप के बाद परीक्षित का मन अशांत हो गया, वे जीवन से जुड़े रहस्य जानने के लिए शुकदेव जी के पास पहुंचे।

शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को भागवत कथा सुनाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक दिन पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये राजा-महाराज खुद ही मौत के खिलौने हैं और ये सभी मुझे जीतने के लिए एक-दूसरे पर आक्रमण करते रहते हैं, लेकिन आज तक कोई भी मुझे यानी धरती को अपने साथ नहीं ले जा सका है। फिर भी ये लोग लड़ते-झगड़ते रहते हैं।

शुकदेव जी ने आगे कहा कि आज जो झगड़े हैं, वे सभी धन-संपत्ति के लिए ही हैं। लोग चाहते हैं कि उनके पास दूसरों से ज्यादा धन हो, सुख-सुविधाएं हों, बस इन्हीं इच्छाओं की वजह से सारी समस्याएं हैं। नहुष, भरत, शांतनु, रावण, हिरण्याक्ष, तारकासुर, कंस जैसे बड़े-बड़े शक्तिशाली राजा भी खाली हाथ ही गए हैं, इसलिए इन चीजों का मोह छोड़ देना चाहिए।

ये बातें सुनने के बाद परीक्षित ने पूछा कि जीवन में इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

शुकदेव जी ने उत्तर दिया कि मन अशांत है, विचार नकारात्मक हैं तो हमें भगवान का ध्यान करना चाहिए, मंत्र जप करना चाहिए। जब हम लंबे समय तक ध्यान के साथ जप करते हैं तो विचारों की नकारात्मकता दूर हो जाती है और मन शांत हो जाता है।

परीक्षित ने शुकदेव जी से सात दिनों तक भागवत कथा सुनी। कथा सुनने के बाद परीक्षित का मन शांत हो गया, जन्म-मृत्यु का डर खत्म हो गया, सांसारिक चीजों से उनका मोह भी खत्म हो गया था। सातवें दिन तक्षक नाग ने उन्हें डंस लिया था।

प्रसंग की सीख

इस प्रसंग की सीख ये है कि जो लोग रोज योग, मेडिटेशन करते हैं, मंत्र जप करते हैं, उनका मन शांत रहता है। इन अच्छी आदतों की वजह से नकारात्मक दूर होती है। हमारी सेहत अच्छी बनी रहती है।

सामंथा ने 'शाकुंतलम' के लिए 30 किलो की साड़ी, तीन करोड़ की ज्वैलरी व भारी-भरकम महंगी ड्रेस पहनी

सामंथा प्रभु जल्द ही कालिदास के नाटक 'अभिज्ञान शाकुंतलम' पर बेस्ड फिल्म शाकुंतलम में नजर आने वाली हैं। खबरें हैं कि उन्होंने इस फिल्म के लिए 3 करोड़ की ज्वैलरी और लगभग 30 किलोग्राम की साड़ी को एक हफ्ते तक पहना था। इस फिल्म में राजा दुष्यंत और शकुंतला की प्रेम कहानी को दिखाया गया है।

शकुंतला का रोल सामंथा निभा रही हैं वहीं राजा दुष्यंत के किरदार में एक्टर देव मोहन नजर आएंगे। फिल्म 17 फरवरी 2023 को पैन इंडिया रिलीज होगी।

60 से 70 करोड़ है फिल्म का बजट

कालिदास की विश्व प्रसिद्ध नाटक अभिज्ञान शाकुंतलम पर बेस्ड इस फिल्म का डायरेक्शन अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर गुणशेखर ने किया है। फिल्म को 3D में रिलीज करने की तैयारी है और इसी वजह से फिल्म की रिलीज में देरी भी हो गई।

फिल्म पहले 4 नवंबर 2022 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन 3D कन्वर्जन में हुई देरी के लिए फिल्म की रिलीज को आगे के लिए टाल दिया गया। फिल्म का बजट तकरीबन 60 से 70 करोड़ है।

सामंथा ने बीमारी के बीच किया फिल्म में काम

5 जनवरी को सामंथा ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर किया था जिसमें वो शाकुंतलम के लिए डबिंग करते हुए नजर आ रही हैं। सामंथा ने फोटो के साथ एक कैप्शन भी लिखा- 'दुनिया में इस पागलपन, दुख और नुकसान का इलाज कला है। गौरतलब है कि सामंथा ने 3 महीने पहले ही बताया था कि वो मायोसाइटिस नाम की बीमारी से जूझ रही हैं।

एक्ट्रेस ने इस बात का खुलासा खुद अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किया था। हालांकि उन्होंने कहा था कि वो अपनी बीमारी पर काम रही हैं और जल्द ही सही हो जाएंगी।

सामंथा की लेटेस्ट फिल्म 'यशोदा' थी, जिसे ऑडियंस और क्रिटिक्स का मिक्स्ड रिस्पॉन्स मिला था। शाकुंतलम के अलावा सामंथा विजय देवरकोंडा के साथ रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'खुशी' में नजर आएंगी। यह फिल्म पहले दिसंबर में रिलीज होने वाली थी, लेकिन एक इंटरव्यू के दौरान विजय ने बताया कि फिल्म फरवरी 2023 में रिलीज की जाएगी।

सामंथा इसके साथ ही अमेरिकन सीरीज सिटाडेल के इंडियन रीमेक में भी नजर आएंगी। इसमें उनके साथ वरुण धवन भी दिखाई देंगे। पहले ऐसी खबरें थीं कि सामंथा ने बीमारी के चलते इस प्रोजेक्ट से हाथ खींच लिया है लेकिन बाद में उनके करीबी सूत्र ने बताया कि उनके फिल्मों से बैकआउट करने की खबरें गलत हैं।

आने वाले दिनों में विजय देवरकोंडा और वरुण धवन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी

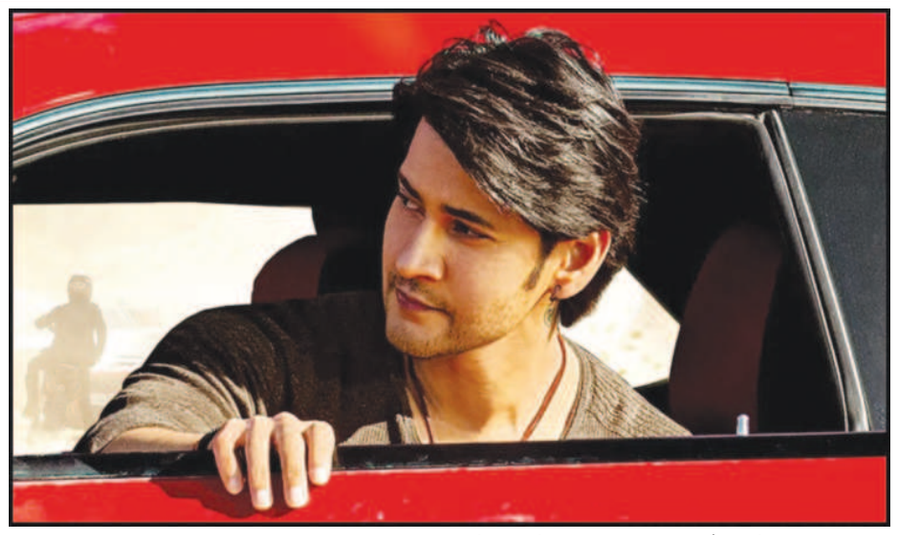

महेश बाबू की 'एसएसएमबी 28' ने रिलीज से पहले तोड़ा रिकॉर्ड, 80 करोड में बिके ओटीटी राइट्स

साउथ एक्टर महेश बाबू एक बार फिर बॉलीवुड डेब्यू को लेकर चर्चा में हैं। बता दें कि महेश बाबू ने बीते वर्ष एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बॉलीवुड डेब्यू को लेकर एक विवादित बयान दिया था। उन्होंने बॉलीवुड के लिए खुद को अफॉर्ड न कर पाने की बात कही थी। इसके बाद खूब हंगामा हुआ। अब एक बार फिर एक्टर के हिंदी इंडस्ट्री में डेब्यू की खबरें जोरों पर हैं। वह एसएस राजामौली के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। एक मीडिया इंटरव्यू में खुद राजामौली ने इसका खुलासा किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार विदेशी मीडिया से बात करते हुए एस एस राजामौली ने कहा कि 'उनकी अगली फिल्म महेश बाबू के साथ होगी।' उनका मानना है कि वो तेलुगू के बड़े स्टार हैं। डायरेक्टर ने बताया कि ये इंडियाना जोन्स की तर्ज पर एक साहसिक फिल्म होगी। फिल्म में एक्टर को लेकर काफी एक्शन सीक्वेंस देखने के लिए मिलने वाले हैं। सूत्रों के हवाले से ये भी कहा जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अक्टूबर, 2023 के बाद शुरू की जाएगी।

इसके अलावा महेश बाबू इन दिनों 'एसएसएमबी 28' की शूटिंग में बिजी हैं। वह जल्द ही इसमें नजर आने वाले हैं। फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस पूजा हेगड़े और श्रीलीला नजर आने वाली हैं। इसका निर्देशन डायरेक्टर त्रिविक्रम श्रीनिवास कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि यह फिल्म एक फैमिली एंटरटेनर है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एसएसएमबी28 के ओटीटी राइट्स बिक चुके हैं। इसके साउथ लेंग्वेज के राइट्स नेटफ्लिक्स ने खरीदे हैं। कहा जा रहा है कि दिग्गज ओटीटी प्लेटफॉर्म ने इसके लिए 80 करोड़ रुपये अदा किए हैं। हालांकि, अभी तक इसके हिंदी राइट्स नहीं बिके हैं। इसकी वजह है कि इसके हिंदी राइट्स को प्रोड्यूसर ने अपने पास रखा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक महेश बाबू राजामौली के साथ अपनी बॉलीवुड पारी की शुरुआत करना चाहते हैं।आपको बता दें कि बीते वर्ष हिंदी फिल्मों में काम करने को लेकर महेश बाबू ने कहा था कि 'उन्हें काफी फिल्मों के ऑफर आते रहते हैं। मगर उनको लगता नहीं है कि उनको हिंदी में कोई अफॉर्ड कर पाएगा। वो ऐसी इंडस्ट्री में काम करके अपना वक्त बर्बाद नहीं करना चाहते हैं।' इस पर खूब विवाद हुआ था।

पाकिस्तान में बनेगा मीना कुमारी की पाकीजा का रीमेक

पाकिस्तान फिल्म इंडस्ट्री जल्द ही इंडियन सिनेमा की क्लासिक फिल्म पाकीजा का रीमेक बनाने जा रही है। रीमेक में पाकिस्तानी एक्ट्रेस मीरा लीड रोल में नजर आएंगी। इस बात का खुलासा खुद मीरा ने एक इंटरव्यू में किया है। पाकीजा दिवंगत एक्ट्रेस मीना कुमारी के करियर की आखिरी फिल्म थी। जिसे उनके पति कमाल अमरोही ने डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया था। इस फिल्म में मीना के अलावा अशोक कुमार और राजकुमार मुख्य में भूमिका थे।

मैं पाकीजा में लीड रोल निभाने वाली हूं- मीरा

मीरा ने कहा- मैं पाकीजा में लीड रोल निभाने वाली हूं। इस प्रोजेक्ट पर हम करीब 13 सालों से काम कर रहे हैं। फाइनली मार्च से हम इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे।'

मीरा ने आगे बताया कि फिल्म को एक यूएस बेस्ड प्रोडक्शन रेड लिपस्टिक प्रोड्यूस करने वाला है। वहीं कास्टिंग का काम अभी भी चल रहा है। बीते दिनों ये भी कयास लगाए जा रहे थे कि फिल्म में माहिरा खान लीड रोल निभाएंगी, हालांकि अब मीरा ने यह कन्फर्म कर दिया है।

मीरा

रिलीज के सालों बाद भी पाकीजा को इंडियन सिनेमा की सबसे खूबसूरत म्यूजिकल ड्रामा में से एक माना जाता है। पाकीजा बनकर तैयार होने में लंबा समय लग गया। फिल्म को 1956 में शुरू किया गया था, लेकिन बीच में काम रोक दिया गया। 1969 में दोबारा फिल्म की शूटिंग शुरू की गई, लेकिन उस वक्त तक मीना की तबियत बुरी तरह से खराब हो चुकी थी।

आखिरकार 1972 में फिल्म बनकर तैयार हुई और बॉक्स ऑफिस पर रिलीज किया गया। फिल्म शुरुआत में ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई। लेकिन रिलीज के 3 दिन बाद ही मीना कुमारी का निधन हो गया। इसके बाद सिनेमाघरों में उनके फैन्स की भीड़ उमड़ पड़ी और फिल्म सुपरहिट हो गई।

बेटी के जन्म के बाद आलिया भट्ट के करियर पर लगेगा ब्रेक? एक्ट्रेस ने किया खुलासा

आलिया भट्ट अक्सर मीडिया की सुर्खियों में रहती हैं। इन दिनों वह मदरहुड को एंजॉय कर रही हैं। बीते वर्ष नवंबर में आलिया ने बेटी राहा कपूर को जन्म दिया। आलिया के फैंस उन्हें जल्द से जल्द पर्दे पर देखने के लिए बेकरार हैं। हालांकि, बेटी के जन्म के बाद निजी जिंदगी और पेशेवर जिंदगी में बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाना उनके लिए मुश्किल हो सकता है। हाल ही में आलिया ने वर्क लाइफ बैलेंस को लेकर अपनी इन्हीं योजनाओं पर बात की। उन्होंने बताया कि वह अपनी बेटी और परिवार की जिम्मेदारी के बीच कैसे सामंजस्य रखेंगी?

हाल ही में एक बातचीत के दौरान आलिया से पूछा गया कि क्या फैमिली लाइफ पर फोकस करने के चलते उनके करियर में सुस्ती आएगी? इस पर उन्होंने कहा, 'मेरी प्राथमिकताएं बदल गई हैं। फिलहाल मेरी लाइफ में मेरी पहली प्राथमिकता मेरी बेटी है। लेकिन, सिनेमा और फिल्म मेरा पहला प्यार है। मैं अपना बेहतर देने की कोशिश करूंगी। शायद क्वांटिटी की जगह क्वालिटी पर ध्यान रहेगा, जो बुरी बात नहीं है।'

आलिया भट्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उसी में आलिया यह बातें कहती नजर आ रही हैं। आलिया की बातें सुनकर यूजर्स की काफी दिलचस्प प्रतिक्रिया आ रही है। हर कोई एक्ट्रेस की तारीफ कर रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'बेटी को जन्म देने के बाद आप इतनी जल्दी नॉर्मल लाइफ में लौट आई हो। आप प्रेरणा हो।' यूजर्स आलिया के ग्लो और फिटनेस की भी खूब तारीफ कर रहे हैं।

बता दें कि आलिया आखिरी बार फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में नजर आई थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही और करीब 400 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया। हाल ही में शाहरुख खान की 'पठान' ने 'ब्रह्मास्त्र' का रिकॉर्ड तोड़ा है। इस पर आलिया का कहना है, 'हम बेहद खुश हैं। 'पठान' सिर्फ ब्लॉकबस्टर नहीं है, बल्कि संभवतः भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी ब्लॉकबलस्टर होगी। इस पल के लिए हम शुक्रगुजार हैं और प्रार्थना करते हैं कि यही होता रहे। हर नई फिल्म ऐसे ही रिकॉर्ड तोड़ती रहे।' वर्क फ्रंट की बात करें तो आलिया जल्द ही फिल्म 'जी ले जरा' में नजर आएंगी।

सिद्धार्थ आनंद ने की शाहरुख की दिल खोलकर तारीफ, बोले- एक जिम्मेदारी है उन्हें डायरेक्ट करना

इन दिनों बॉलीवुड के किंग कहे जाने वाले शाहरुख खान अपनी फिल्म 'पठान' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। करीब चार साल के ब्रेक के बाद इस फिल्म के जरिए यह शाहरुख खान का धांसू कमबैक है। बता दें कि 'पठान' का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है। हाल ही में उन्होंने 'पठान' की सफलता और शाहरुख खान को लेकर बात की। सिद्धार्थ आनंद ने यहां तक कह दिया कि अगर शाहरुख खान की फिल्म नहीं चलती है तो यह सिर्फ और सिर्फ फिल्म निर्देशक की गलती है। शाहरुख खान को लेकर दिया गया सिद्धार्थ आनंद का हालिया बयान जबरदस्त चर्चा में हैं। हाल ही में आयोजित एक इवेंट के दौरान सिद्धार्थ आनंद ने कहा, 'अब मेरे पास कोई इमोशन नहीं बचा है। हमारे पिछले दो महीने फिल्म को लेकर बने माहौल के कारण काफी तनावपूर्ण रहे।' सिद्धार्थ आनंद ने आगे कहा कि रिलीज के बाद फिल्म को इतना प्यार मिल रहा है। फिल्म शानदार प्रदर्शन कर रही है। इसे लेकर अब वह काफी राहत महसूस कर रहे हैं।

सिद्धार्थ आनंद ने शाहरुख खान के साथ काम करने का अनुभव साझा किया और साथ ही शाहरुख खान के साथ काम करने वाले फिल्म मेकर्स को भी एक संदेश देते नजर आए। सिद्धार्थ आनंद ने कहा, 'हर फिल्म निर्माता को शाहरुख खान की फिल्म कमानी होती है। मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला, ये मेरे लिए किसी गिफ्ट की तरह है। मैं हर फिल्म रिलीज करते वक्त हमेशा चैन से सोता था, लेकिन 'पठान' की रिलीज से दो महीने पहले मुझे अहसास हुआ कि शाहरुख खान को डायरेक्ट करना एक जिम्मेदारी है। वह क्ले की तरह हैं।'

सिद्धार्थ आनंद ने आगे कहा, 'शाहरुख खान को आप जो बोलोगे वो करेंगे। शाहरुख निर्देशक पर बेहद भरोसा करते हैं। उनके साथ काम करते हुए मुझे महसूस हुआ कि अगर फिल्म नहीं चलती है, तो यह सिर्फ निर्देशक की गलती है, क्योंकि शाहरुख ने वह सबकुछ किया, जिसके लिए आपने उनसे कहा था।'

आपको बता दें कि 25 जनवरी को रिलीज हुई 'पठान' ने मंगलवार तक घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 328.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी अहम रोल में हैं।

राइटर श्रीधर राघवन बोले- हम सलमान-शाहरुख को फिर साथ लाने की कोशिश करेंगे

शाहरुख खान की फिल्म पठान इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर कमाई कर रही है। फिल्म का टोटल कलेक्शन 350 करोड़ के करीब पहुंच गया है। अब हाल ही में फिल्म के राइटर श्रीधर राघवन ने संकेत दिया है कि आने वाले समय में सलमान और शाहरुख को दोबारा साथ में देखा जा सकता है। उन्होंने बातों-बातों में इशारा किया है कि भविष्य में पठान और टाइगर को साथ लेकर आया जा सकता है। ये मुख्य रूप से एक क्रॉसओवर होगा, जो ऑडियंस के लिए अलग अनुभव लेकर आएगा।

पठान और टाइगर फिर आएंगे साथ

पठान में सलमान खान के कैमियो को काफी ज्यादा पसंद किया गया था। दोनों सुपरस्टार्स को एक साथ एक ही फ्रेम में देखना ऑडियंस के लिए एक ट्रीट की तरह था। अब ऐसी उम्मीदें हैं कि यशराज स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म में पठान और टाइगर साथ आ सकते हैं।

श्रीधर राघवन ने कहा है कि वो स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म में सलमान और शाहरुख दोनों को साथ लाने की कोशिश करेंगे।

सलमान, शाहरुख और ऋतिक स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा हैं

पठान के ट्रेलर के साथ यशराज फिल्म्स ने इस बात की घोषणा की थी, वो अब एक स्पाई यूनिवर्स लॉन्च करने जा रहे हैं, जिसमें यशराज फिल्म्स के बैनर तले आज तक जितनी भी जासूसी बैकग्राउंड पर फिल्में बनी हैं वो सभी इस यूनिवर्स में शामिल होंगी। 2012 में आई सलमान खान की फिल्म एक था टाइगर इस स्पाई यूनिवर्स की पहली फिल्म थी। वहीं ऋतिक रोशन की वार और अब पठान भी इस यूनिवर्स का हिस्सा हो गई हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आने वाले समय में तीनों सुपरस्टार्स को एक फिल्म में साथ लाने की कोशिश की जाएगी। सलमान और शाहरुख को पठान में देखा जा चुका है, अब इस फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म टाइगर 3 में भी कुछ अलग देखने को मिल सकता है।

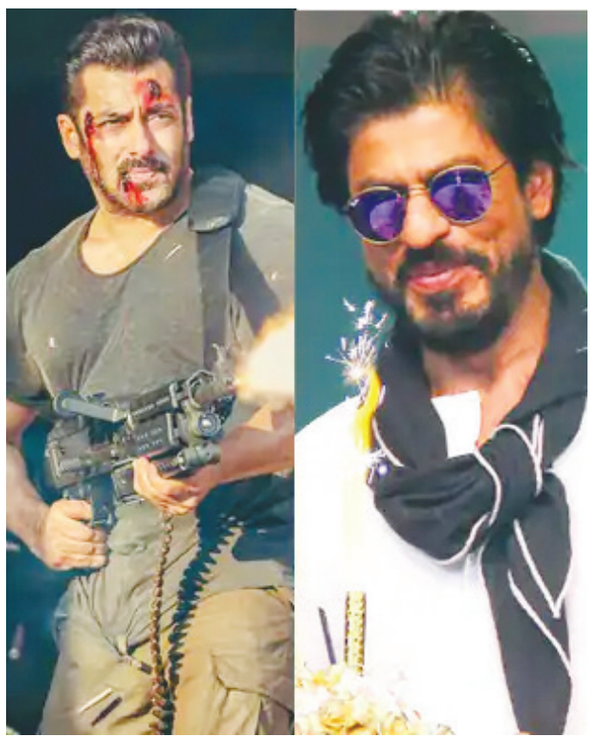

350 करोड़ पहुंचा पठान का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

थिएटर्स में पठान का ब्लॉकबस्टर रन जारी है। फिल्म ने रिलीज के 8 दिनों में तकरीबन 350 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिलीज के आंठवे दिन यानी बुधवार को फिल्म ने 17 करोड़ की कमाई की है। पठान ओपनिंग वीक पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है।

इसने केजीएफ 2 और बाहुबली 2 के हिंदी वर्जन के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। तमिल और तेलुगु के आंकड़े मिला लिए जाएं तो फिल्म की कुल कमाई 360 करोड़ हो गई है। वहीं फिल्म ने अब तक 650 करोड़ से ज्यादा का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर लिया है।

आमिर की चैंपियन के रीमेक में करेंगे भाईजान को कास्ट

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' के बाद 2000 में आई फिल्म 'चैंपियन' का रीमेक बनाने का फैसला किया है। फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' के फ्लॉप होने के बाद से आमिर ने एक्टिंग से ब्रेक लिया है। इन सब के बीच वो प्रोडक्शन में हाथ आजमाने वाले हैं। इस वजह से वो अपकमिंग फिल्म के लिए खुद को नहीं बल्कि किसी और को कास्ट करना चाहते हैं।

आमिर खान ये फिल्म 'आमिर खान प्रोडक्शन' के तले बनाना चाहते हैं। साथ ही वो इस स्क्रिप्ट पर डायरेक्टर आरएस प्रसन्ना के साथ पिछले 6 महीनों से काम भी कर रहे हैं। अब जब इस स्क्रिप्ट का काम पूरा हो गया है, तो आमिर ने फिल्म में सलमान को कास्ट करने का फैसला किया है। आमिर ऐसा मानते हैं कि लार्जर दैन लाइफ ड्रामा के लिए सलमान से अच्छा कोई नहीं है और इस वजह से उन्होंने इस फिल्म को उन्हें ऑफर किया है। रिपोर्ट्स की मानें तो सलमान ने भी इस फिल्म में दिलचस्पी दिखाई है।

आमिर से जुड़े एक सूत्र ने कहा, 'आमिर फिल्म को प्रोड्यूस करेंगे, जबकि आरएस प्रसन्ना फिल्म को डायरेक्ट करेंगे। यह पहली बार है जब आमिर, सलमान को एक किसी फिल्म का ऑफर दे रहे हैं। आमिर को लगता है कि सलमान ही इस फिल्म के साथ जस्टिस करेंगे। इस फिल्म का सब्जेक्ट एक ऐसा सब्जेक्ट है, जो आमिर के दिल के बहुत करीब है। वो इस फिल्म को सफल बनाना चाहते हैं। इस वजह से वो इस फिल्म में एक ऐसे एक्टर को कास्ट करना चाहते हैं, जो इसकी पूरी स्क्रिप्ट से मिलता जुलता हो।'

मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी कहा जा रहा है कि सलमान ने आमिर को फिल्मों में वापसी करने को कहा है। उन्होंने आमिर को हर तरह का सपोर्ट दिया है। सलमान और आमिर ने 1994 की फिल्म 'अंदाज अपना अपना' में साथ काम किया है। दोनों बॉलीवुड में ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के लिए जाने जाते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो आमिर खान आखिरी बार 'लाल सिंह चड्ढा' में नजर आए थे। ये फिल्म पिछले साल रिलीज हुई थी, जो फ्लॉप साबित हुई। वहीं सलमान, कटरीना कैफ के साथ 'टाइगर 3' में दिखाई देने वाले हैं। इसके साथ ही वो शहनाज गिल और पूजा हेगड़े के साथ 'किसी का भाई किसी की जान' में भी नजर आएंगे।

एयरपोर्ट पर शुभमन गिल के साथ दिखीं सारा अली खान

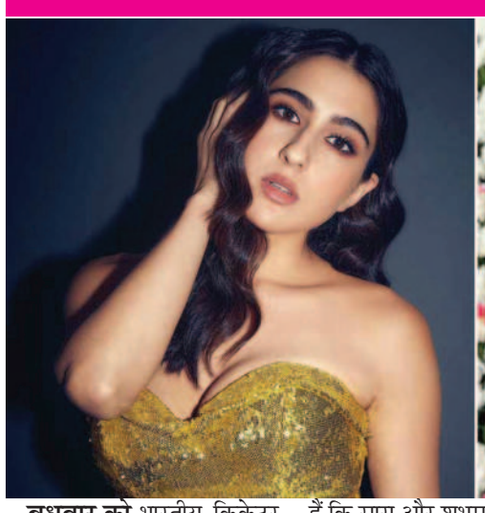

बुधवार को भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल ने फील्ड पर बेहतरीन पारी खेली। इस बीच एक बार फिर एक्ट्रेस सारा अली खान और शुभमन गिल के डेटिंग रुमर्स सुर्खियों में हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक फोटो सामने आई है, जिसमें सारा और शुभमन गिल साथ दिखाई दे रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि शुभमन और सारा की ये फोटोज अहमदाबाद एयरपोर्ट की है और वो इन दिनों साथ में क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं।

वायरल फोटो किसी एयरपोर्ट की बताई जा रही है, जिसमें दोनों एक साथ सीट पर बैठे हुए है। फोटो देखकर यूजर्स दावा कर रहे हैं कि सारा और शुभमन एक दूसरे को डेट रहे हैं। बता दें कि रूमर्ड कपल की यह फोटो पुरानी है या नई अभी तक इस बात को लेकर कोई पुष्टि नहीं हुई है। सारा और शुभमन के बीच डेटिंग की खबरें पहली बार तब आई, जब दोनों को किसी रेस्टोरेंट में डिनर करते हुए स्पॉट किया गया था। इसके कुछ समय बाद ही सारा और शुभमन दिल्ली के एक होटल के बाहर भी स्पॉट किए गए थे। दोनों की फोटोज और वीडियोज बेहद सुर्खियों में रही थीं।

कुछ दिनों पहले शुभमन गिल सोनम बाजवा के टॉक शो में पहुंचे थे। तब सोनम ने उनसे सारा अली खान को डेट करने के बारे में सवाल किया था। जवाब में शुभमन ने कहा था- ''हां हो सकता है।' तब से ही शुभमन और सारा के रिलेशनशिप को लेकर खबरें उड़ने लगी थीं।

सारा अली खान से पहले शुभमन का नाम सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर के साथ भी जुड़ चुका है। दोनों कई बार एक दूसरे की फोटोज पर कमेंट करते नजर आए थे, जिसके बाद से ही दोनों के लिंक-अप की बात उड़ी थी। हालांकि,अब दोनों ने एक दूसरे को अनफॉलो कर दिया है, जिसके बाद से कयास लगाए गए कि दोनों का ब्रेकअप हो गया।

शुभमन गिल से पहले सारा अली खान का नाम कार्तिक आर्यन और दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत से भी जुड़ चुका है। वर्कफ्रंट की बात करें तो सारा के पास कई प्रोजेक्ट्स हैं।

जल्द ही वो ऐ वतन और मेरे वतन में नजर आएंगी, ये फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज की जाएगी। इसके अलावा सारा लुका छुपी 2, मेट्रो इन दिनों, नखरेवाली, गैसालाइट और द इमोर्टल अश्वत्थामा में लीड रोल निभाते हुए दिखाई देंगी।

आर्यन की डेब्यू सीरीज खरीदना चाहते हैं बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्म्स! आर्यन खान इंडस्ट्री में नहीं चाहते स्पेशल ट्रीटमेंट

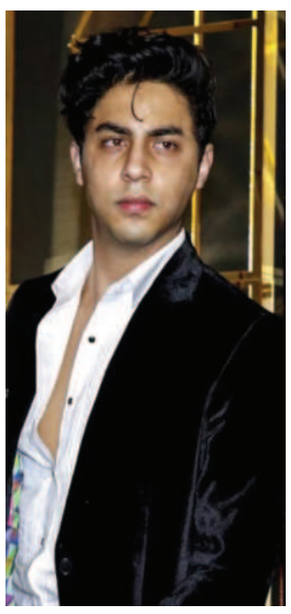

शाहरुख खान की फिल्म पठान बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। वहीं फैंस उनके बेटे आर्यन के डेब्यू प्रोजेक्ट का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सीरीज से आर्यन बतौर फिल्ममेकर काम कर रहे हैं। हाल ही में खबरें आ रही हैं कि आर्यन की वेब सीरीज को कई ओटीटी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स खरीदना चाह रहे हैं, लेकिन काम पूरा होने तक वो किसी भी प्लेटफॉर्म को अपनी अपकमिंग वेब सीरीज नहीं बेचना चाहते।

रिपोर्ट्स के मुताबिक खान परिवार के एक करीबी ने बातचीत के दौरान कहा- 'मेरा यकीन करें, ये कोई छोटी-मोटी सीरीज नहीं है। सीरीज को ध्यान में रखते हुए आर्यन ने फैसला किया है कि जब तक प्रोजेक्ट का काम पूरा नहीं होता, वो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म को अपनी वेब सीरीज नहीं बेचने वाले हैं।'

खान फैमिली के करीबी सोर्स ने आगे कहा- 'आर्यन नहीं चाहते हैं कि वेब सीरीज को पूरा करने के लिए किसी डेडलाइन का प्रेशर हो। उनका पूरा ध्यान है सीरीज को बेहतर बनाने में लगा है, वो उसे अपने तरीके से बनाना चाहते हैं, जिसमें स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स का दखल ना हो।' करीबी ने बताया- 'आर्यन की इस अधूरी वेब सीरीज को लगभग हर पॉपुलर स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म खरीदना चाहता है। आर्यन जानते हैं कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि, वो शाहरुख खान के बेटे हैं। करियर पर फोकस करते हुए आर्यन नहीं चाहते हैं कि उन्हें उनके पापा की वजह से स्पेशल ट्रीटमेंट दी जाए।'

6 दिसंबर को आर्यन ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए अपनी डेब्यू वेब सीरीज की अनाउंसमेंट की थी। इस सीरीज में वो आर्यन बतौर फिल्ममेकर काम कर रहे हैं। पोस्ट शेयर करते हुए आर्यन ने लिखा- 'राइटिंग कंप्लीट कर ली है, शूटिंग शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकता हूं।'

वीडियो शेयर कर बोले सिद्धार्थ सागर- किसी की भी अफवाह को न सुनें, मुझे शो में मजा आ रहा है

द कपिल शर्मा शो को लेकर चार्च हो रही है। हाल ही में खबरें सामने आई थीं कि पर्दे पर सेल्फी मौसी, उस्ताद और सागर पगलेटू जैसे किरदार निभाने वाले एक्टर सिद्धार्थ सागर ने शो छोड़ दिया है। बताया जा रहा था कि उन्होंने ये फैसला फीस न बढ़ाए जाने की वजह से लिया है। हालांकि अब इस मामले पर सिद्धार्थ सागर का रिएक्शन सामने आया है। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए सिद्धार्थ ने इन खबरों को गलत बताया और फैंस को ऐसी खबरों पर भरोसा न करने की सलाह दी।

सिद्धार्थ ने शेयर किया वीडियो

गुरुवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए सिद्धार्थ ने अपना जवाब दिया। शेयर किए गए वीडियो में सिद्धार्थ कार ड्राइव करते हुए दिखाई दे रहे हैं। शो के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा- मैं आप सभी को एक न्यूज देने के लिए आया हूं। दरअसल एक खबर फैल रही है कि मैंने द कपिल शर्मा शो छोड़ दिया है।,ऐसा बिल्कुल नहीं है। मुझे भी नहीं पता कि ये खबर कहा से फैली है। मेरी मीडिया से रिक्वेस्ट है कि ऐसी खबरों को बढ़ावा न दें।'

हम सभी मिलकर आपको यू ही एंटरटेन करते रहेंगे- सिद्धार्थ

सिद्धार्थ ने आगे कहा- मैं SK टीवी में काम कर रहा हूं। मेरी सभी टीम मेंबर से बात हुई है, ऐसा कुछ भी नहीं है। सभी से रिक्वेस्ट है कि इस तरह की खबरें प्लीज बिल्कुल ना फैलाएं। मैं बहुत मजे से ये शो कर रहा हूं और मुझे आप सभी को एंटरटेन करने में मजा रहा है। मेकर्स से मेरे रिश्ते अच्छे हैं, हम सभी मिलकर आपको यू ही एंटरटेन करते रहेंगे।'

सोर्सेस के मुताबिक पहले कहा जा रहा था कि सिद्धार्थ ने पैसों की वजह से शो क्विट कर दिया है। दरअसल, सिद्धार्थ अपनी फीस में हाइक चाहते थे, लेकिन मेकर्स का पैसे बढ़ाने का कोई इरादा नहीं था। इस वजह से सिद्धार्थ ने शो छोड़ दिया। हालांकि, अब इन खबरों को खुद सिद्धार्थ ने नकार दिया है।

कुछ समय पहले कृष्णा अभिषेक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ये खुलासा किया था कि वो और कपिल दोबारा साथ आने का प्लान कर रहे हैं। कृष्णा ने कहा कि उनके और कपिल के बीच कोई मतभेद नहीं है। दोनों लंबे समय से एक साथ काम करने के बारे में सोच रहे हैं। माना जा है कि द कपिल शर्मा शो के अगले सीजन में कृष्णा की वापसी हो सकती है।

पिछले समय में कई सेलेब्स द कपिल शर्मा शो को अलविदा कह चुके हैं। इनमें कृष्णा अभिषेक, भारती सिंह,चंदन प्रभाकर, सुनील ग्रोवर, अली असगर और उपासना सिंह जैसे एक्टर्स के नाम शामिल हैं।

पैसा ना देने के आरोपों पर तारक मेहता का उल्टा चश्मा मेकर्स का रिएक्शन

बोले-हमने नहीं रोका किसी का पेमेंट, प्रोजेक्ट हेड का दावा- शैलेष लोढ़ा ने नहीं साइन किए पेपर्स

टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा बेहद सुर्खियों में है। बीते दिनों ये खबरें सामने आईं थी कि मेकर्स ने शो में तारक मेहता का किरदार निभाने वाले शैलेष लोढ़ा का बकाया पैसा नहीं दिया है। जबकि उन्हें शो छोड़े 6 महीने से ज्यादा का वक्त बीत चुका है। कहा जा रहा था शैलेष 1 साल से अपने पेमेंट का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन मेकर्स इस पर ध्यान नहीं दे रहे। अब इस मामले पर तारक महता का उल्टा चश्मा के मेकर्स की तरफ से प्रोजेक्ट हेड सुहेल रमानी का रिएक्शन सामने आया है।

मीडिया से बातचीत में सुहेल ने इन सभी खबरों को गलत बताया है। इतना ही नहीं उन्होंने शैलेष पर आरोप लगाया है कि कई बार कहने के बावजूद भी वो पेपर साइन करने नहीं आए और ना ही उन्होंने अपनी पेमेंट ली।

कॉन्ट्रैक्ट क्लोजर के लिए शैलेष को पेपर्स साइन करने आना होगा- सुहेल

सुहेल ने कहा- 'हम शैलेष को कई बार ये बता चुके हैं कि उन्हें कॉन्ट्रैक्ट क्लोजर के लिए पेपर्स साइन करने आना होगा, तभी वो अपनी पेमेंट कलेक्ट कर सकते हैं। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। सुहने ने आगे कहा- 'जब आप किसी कंपनी या शो को छोड़ते हो, तो उसके कई नियम और कायदे होते हैं। टीम और स्टाफ से जुड़े हर आदमी को ये फॉर्मेलिटी फॉलो करनी होती हैं। कोई भी कंपनी इससे पहले अपना पैसा नहीं रिलीज करती है।'

सुहेल ने बताया- 'शैलेष ने अचानक 2022 में बिना किसी नोटिस के शो को छोड़ दिया। इस वजह से मेकर्स और उनके बीच विवाद और बढ़ गया। बता दें कि अभी तक इस मामले पर शैलेष का रिएक्शन नहीं है।'

शैलेष 14 साल से शो में आ रहे थे नजर

शैलेष की बात करें तो वो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में करीब 14 साल से काम कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शैलेष अपने कॉन्ट्रैक्ट से नाखुश थे। साथ ही वो मेकर्स की इस बात से भी नाखुश थे कि वो उनकी डेट्स को सही तरीके से यूज नहीं कर पा रहे थे, इसलिए उन्होंने शो को छोड़ने का फैसला लिया। हालांकि मेकर्स ने उन्हें मनाने की कोशिश भी की, ले कि न वो नहीं माने।

शैलेष के शो से जाने के बाद मेकर्स लंबे समय तक नए मेहता साहब को खोज रहे थे। मेकर्स की तलाश पूरी हुई, अब शैलेष की जगह शो में एक्टर सचिन श्रॉफ बतौर तारक मेहता नजर आते हैं। हालांकि इसके बावजूद तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो के फैंस अपने पुराने मेहता साहब को मिस करते हैं।

बता दें कि लंबे समय से तारक मेहता का उल्टा चश्मा का कोई न कोई एक्टर शो छोड़ रहा है, ऐसे में टीवी शो और भी ज्यादा सुर्खियों में है। बीते दिनों 14 साल से तारक महता का उल्टा चश्मा डायरेक्ट कर रहे मालव राजदा ने भी शो को अलविदा कह दिया, हालांकि, उन्होंने इसके पीछे का कारण अ प नी क्रिएटिविटी को बताया था।

अक्षय कुमार ने टाइगर श्रॉफ मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी गाने पर दिखाए बेहतरीन डांस मूव्स

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार और इमरान हाशमी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'सेल्फी' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में फिल्म 'सेल्फी' का गाना 'मैं खिलाड़ी' रिलीज हो गया है। इस गानों को लोग खूब पसंद कर रहे हैं और जमकर रील भी बना रहे हैं। इसी बीच अब अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर एक डांस वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह टाइगर श्रॉफ के साथ सेल्फी फिल्म के गाने 'मैं खिलाड़ी' पर डांस करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो में दोनों ब्लैक आउटफिट में ट्विनिंग करते नजर आ रहे हैं। अब सोशल मीडिया पर फैंस इनकी जोड़ी को खूब पसंद कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'क्या बात है अक्षय सर इस उम्र में भी क्या डांस किया आपने'। तो वहीं दूसरे ने लिखा, 'वाह बड़े मियां छोटे मियां'। बता दें, दो सबसे बड़े एक्शन हीरो

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ जल्द ही एक साथ फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' में नजर आने वाले हैं।

'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' का रीमेक है ये गाना

अक्षय कुमार की मूवी 'सेल्फी' का गाना 'मैं खिलाड़ी' साल 1994 में आई फिल्म 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' का रीमेक है। खास बात ये है कि 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' में भी अक्षय कुमार ने लीड रोल प्ले किया था। इस मूवी में उनके साथ एक्टर सैफ अली खान नजर आए थे। ये फिल्म काफी हिट रही थी। बता दें कि राज मेहता के निर्देशन में बनी 'सेल्फी' फिल्म कॉमेडी-ड्रामा है, जिसमें इमरान हाशमी और अक्षय कुमार हैं। फिल्म का ट्रेलर 22 जनवरी रिलीज को रिलीज हुआ था। और फिल्म 24 फरवरी, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

एफपीओ वापसी के बाद अंबुजा-एसीसी पर अदाणी समूह का बयान, बोले- कोई शेयर गिरवी नहीं रखे

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। एफपीओ को वापस लेने और कंपनी के शेयरों की कीमतों में भारी उठा-पटक के बीच अदाणी समूह ने कहा है कि हमें विभिन्न स्त्रोतों से कुछ रिपोर्ट मिली हैं। इनमें दावा किया गया है कि हमारी सहायक कंपनियों अंबुजा और एसीसी के अधिग्रहण वित्तपोषण के हिस्से के रूप में प्रमोटरों ने शेयर गिरवी रखे गए हैं। अदाणी समूह ने कहा है कि बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच ये अफवाहें उड़ायीं जा रही हैं। अदाणी समूह ने कहा है

कि जहां बिकवाली का दबाव है, वहां टॉप-अप ट्रिगर्स को पूरा करने की आवश्यकता है। हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि अंबुजा या एसीसी का कोई भी शेयर प्रमोटरों की ओर से गिरवी नहीं रखा गया है। समूह ने कहा है कि कंपनी के प्रमोटरों ने केवल नन डिस्पोजल अंडरटेकिंग प्रदान किया है और उसके अनुसार पिछले साल उठाए गए अधिग्रहण वित्तपोषण के तहत अंबुजा और एसीसी के शेयरों का कोई टॉप-अप या कैश टॉप-अप उपलब्ध कराने की कोई आवश्यकता नहीं है।

श्रम मंत्रालय के बाल कल्याण बजट में कमी

बालश्रम और बाल दुर्व्यापार के मामलों में हो सकती है वृद्धि

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। 'बचपन बचाओ आंदोलन' ने संसद में पेश किए गए केंद्रीय बजट में श्रम मंत्रालय के बच्चों के कल्याण के लिए बजट आवंटन में की गई कमी पर चिंता जताई है। पिछले साल की तुलना में इस साल श्रम मंत्रालय के इस मद में 33 फीसदी की कटौती की गई है। इसके कारण यूनाईटेड नेशन के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी- 2025) तक 'चाइल्ड लेबर फ्री वर्ल्ड' को हासिल करने के प्रयासों को धक्का लग सकता है। श्रम मंत्रालय के बजट में हुई इस कमी से बाल श्रम और चाइल्ड ट्रैफिकिंग में इजाफा हो सकता है। यह लगातार तीसरा साल है, जब

श्रम मंत्रालय के बच्चों के कल्याण के बजट में कमी की गई है। साल 2021-22 में यह बजट 120 करोड़ रुपए था, साल 2022-23 में इसे 30 करोड़ रुपए कर दिया गया है और साल 2023-24 में यह घटकर 20 करोड़ रह गया है। इस बार पिछले साल के मुकाबले बच्चों के कुल बजट में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त 'बचपन बचाओ आंदोलन' नई स्कीम पीएम श्री (स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) की सराहना करता है, जिसके लिए चार हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। यह एक अच्छा कदम है। इसके तहत पांच साल में 14,500 स्कूल खोलने का लक्ष्य है, जिसमें 20 लाख स्टूडेंट्स शिक्षा हासिल कर सकेंगे। साथ ही यह योजना नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के लागू होने में भी सहायक होगी। शिक्षा मंत्रालय के बजट में भी 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि, इसे और अधिक बढ़ाया जाना चाहिए था, ताकि 18 साल की उम्र तक सभी को मुफ्त शिक्षा दी जा सके। शिक्षा बाल विवाह को रोकने में सबसे कारगर हथियार है। वहीं, मिनिस्ट्री ऑफ ट्राइबल अफेयर के बजट में सरकार ने 162 प्रतिशत की वृद्धि कर अच्छा कदम उठाया है। यह देश के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के लिए शिक्षा की राह आसान करेगी। नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी द्वारा स्थापित 'बचपन बचाओ आंदोलन' नेशनल एक्शन प्लान फॉर ड्रग डिमांड रिडक्शन (एनएपीडीडीआर) के लिए बजट में वृद्धि का स्वागत करता है। इस मद में 56 फीसदी की वृद्धि हुई है। इससे देश में ड्रग पर शिकंजा कसने में मदद मिलेगी और नई पीढ़ी को नशे से बचाया जा सकेगा। '

नए रिकॉर्ड हाई पर पहुंचे सोने के दाम

सोना पहली बार 58,826 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीचे सोने के दामों में रिकॉर्ड उछाल देखा जा रहा है।सोना एक बार फिर नए रिकॉर्ड हाई पर कारोबार कर रहा है।गुरुवार के ट्रेडिंग सत्र में सोना एमसीएक्स पर 58,826 रुपये प्रति 10 ग्राम के अपने रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर जा पहुंचा है। फिलहाल सोना 1.29 फीसदी या 748 रुपये के उछाल के साथ 58,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है।गुरुवार को ट्रेडिंग शुरु होने के साथ ही सोना 58,826 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला जो अब 58,700 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।सोने के ही तरह चांदी की कीमतों में भी तेजी जारी है।चांदी 11 महीने के हाई 71,500 रुपये प्रति किलो पर ट्रेड कर रहा है।घरेलू बाजारों में सोने के दामों में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी और घरेलू मांग के चलते सोने का भाव में बीते 4 महीनों में 9000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक का उछाल देखने

को मिला है।साल 2023 में बीते एक महीने में ही सोने की कीमतों में 4000 रुपये का उछाल आ चुका है। सोने के दामों में तेजी को अमेरिका के सेंट्रल बैंक फेड रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में की गई बढ़ोतरी से जोड़कर देखा जा रहा है।अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने महंगाई पर लगाम लगाने के लिए अमेरिका में ब्याज दरों में एक चौथाई फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है।वहीं कोरोना को बंदिशों द्वारा दी जा रही ढील के चलते सोने की मांग में तेजी देखी जा सकती है जिसके चलते सोने की चमक बनी रह सकती है।ग्लोबल राजनीतिक और आर्थिक हालात के चलते सोने के दामों में आने वाले दिनों में तेजी जारी रहने की उम्मीद है।मंदी की चिंता, महंगाई और क्रिप्टो एसेट्स की मांग में कमी के चलते भी सोने की कीमतों में तेजी है।कई जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में सोना 62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के लेवल को भी छू सकता है।

बाजार में 'हिंडनबर्ग इफेक्ट'

उतार-चढ़ाव के बीच सेंसेक्स 224 अंक चढ़ा, निफ्टी लाल निशान पर बंद

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद बाजार में जारी उठा-पटक जारी है। गुरुवार के कारोबारी सेशन में उतार-चढ़ाव के बीच सेंसेक्स 224.16 अंकों की बढ़त के साथ 59,932.24 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 5.90 अंकों की गिरावट के साथ 17610.40 अंकों के लेवल पर बंद हुआ।

इस दौरान अदाणी ग्रुप के शेयरों में गिरावट का दौर गुरुवार को भी जारी रहा। कंपनी के ज्यादातर शेयरों में लोअर सर्किट लगा। एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के शेयरों में बढ़त दिखी।अदाणी ग्रुप के शेयरों में गिरावट का दौर गुरुवार को भी जारी रहा। अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर करीब 27 फीसदी की गिरावट के साथ 1565 रुपये के स्तर पर बंद हुए। पूरे दिन के ट्रेडिंग सेशन में यह 1495 रुपये तक फिसला। यह कंपनी के पिछले 52 हफ्तों का न्यूनतम स्तर है। कंपनी के ज्यादातर शेयरों में लोअर सर्किट लगा। अदाणी समूह के शेयरों में भारी गिरावट का बड़ा कारण सिटी ग्रुप की तरफ से लिया गया फैसला है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिटी ग्रुप ने अदाणी सिक्योरिटीज के मार्जिन लोन पर रोक लगाने का फैसला किया है। इससे पहले क्रेडिट सुईस ने अदाणी समूह के बॉन्ड को स्वीकार करने से मना कर दिया था।

इसके बाद सिटी ग्रुप के फैसले की खबरें आईं। इन खबरों के बाद अदाणी समूह के ज्यादातर शेयरों में लोअर सर्किट लगा और अधिकतर स्टॉक्स 52 हफ्ते के निचले स्तर पर पहुंच गए। एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के शेयरों में बढ़त दिखी।

बजट 2023-24 में सिगरेट पर टैक्स बढ़ाने के बावजूद आईटीसी के शेयरों में करीब 5 फीसदी की तेजी दिखी। गुरुवार को यह 52 हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

सरकार का ध्यान इंफ्रास्ट्रक्चर पर

कैपिटल एक्सपेंडिचर करीब 10 लाख करोड़

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। सरकार का यह बजट अगले आम चुनाव से पहले का आखिरी पूर्ण बजट है। इसमें कई कदम उठाए गए हैं, जिनका मकसद ना सिर्फ भारतीय अर्थव्यवस्था को भविष्य के लिए तैयार करना है बल्कि इसमें यह भी ध्यान रखा गया है कि समाज के सभी वर्गों तक विकास का फायदा पहुंचे। इस बजट में भी सरकार का ध्यान इन्फ्रास्ट्रक्चर और इन्वेस्टमेंट बढ़ाने पर बना हुआ है। कैपिटल एक्सपेंडिचर को वित्त वर्ष 2024 में 33.4 फीसदी बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया है, जो करीब 10 लाख करोड़ रुपये की रकम है। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज ने भी बजट से पहले अपने सुझावों में इसे शामिल किया था। इसके साथ राज्य सरकारों को 50 साल के लिए बगैर ब्याज के कर्ज देने की योजना को साल भर के लिए बढ़ाया गया है। इस रकम का इस्तेमाल उन्हें इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट की खातिर करना है। इनके अलावा, सरकार ने रेलवे में भी 2.4 लाख करोड़ के निवेश का प्रस्ताव रखा है, जो अब तक इस मद में खर्च की जाने वाली सबसे बड़ी रकम है। वित्त

वर्ष 2024 के बजट में किए गए इन प्रस्तावों से इकॉनमी को कई स्तर पर फायदा होगा। इसके साथ 10 हजार करोड़ का अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट फंड भी छोटे शहरों के लिए बनाया जाएगा इसका असर यह होगा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट का फायदा समाज के सभी वर्गों तक पहुंचेगा। अमृत काल के इस बजट में भी सरकार ने समावेशी विकास यानी इनक्लूसिव डिवेलपमेंट के प्रति अपना कमिटमेंट दोहराया है। उसने इसके लिए सात प्राथमिकताएं तय की हैं। सरकार का ध्यान युवाओं के सशक्तीकरण पर भी बना हुआ है और इसके लिए पीएम कौशल विकास योजना 4.0 का जिक्र किया गया है। इसमें लाखों युवाओं को कोडिंग, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस , रोबोटिक्स, 3D प्रिंटिंग की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसी तरह से पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान पैकेज पारंपरिक शिल्पकारों और हस्तशिल्पियों के लिए लाया गया है। बजट में ऐसे आदिवासी समूहों के लिए भी खास योजना बनाई गई है। साथ ही, समाज में हाशिये पर पड़े और पिछड़े समूहों की आर्थिक बेहतरी पर भी ध्यान दिया गया है। केंद्र सरकार ने बजट में ग्रीन ग्रोथ पर जोर दिया है। इसके जरिये वैकल्पिक ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाएगा और सरकार की इस पहल से बड़े पैमाने पर रोजगार के मौके बनेंगे। वह भी ऐसे सेक्टर में, जिनसे पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचता। ग्रीन ग्रोथ को लेकर की गई पहल से हमारी इकॉनमी भविष्य के लिए तैयार होगी। कुछ समय पहले इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए सरकार ने ग्रीन हाइड्रोजन मिशन की शुरुआत की थी। बजट में सरकार ने इसके लिए मशीनरी के आयात पर सीमा शुल्क में कटौती की है। ये ऐसे कल-पुर्जे हैं, जिनसे इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए बैटरी बनाने में मदद मिलेगी।

पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट में 4 साल की देरी

अब अगस्त 2026 से दौड़ेगी बुलेट ट्रेन, लागत बढ़ना तय !

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को तैयार होने में अभी 3 साल साल से ज्यादा का समय और लगेगा। एबीपी न्यूज के कॉन्क्लेव में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि 2026 के अगस्त महीने से देश की पहली बुलेट ट्रेन पटरी पर दौड़ने लगेगी। रेल मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद लगातार प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग कर रहे हैं साथ में जापान सरकार भी सहयोग कर रही है, ऐसे में हमें विश्वास है कि अगस्त 2026 से बुलेट ट्रेन चलने लगेगी।

15 अगस्त 2022 तक प्रोजेक्ट पूरा करने का था लक्ष्य

14 सितंबर 2017 को प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के तात्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे के साथ गुजरात के अहमदाबाद में मुंबई से अहमदाबाद के बीच अपनी महत्वाकांक्षी बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी थी। तब मोदी सरकार ने कहा था कि देश जब 15 अगस्त 2022 को 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा तब देश की पहली बुलेट ट्रेन पटरी पर दौड़ने लगेगी। साल 2022 खत्म हो चुका है लेकिन बुलेट ट्रेन कब से दौड़ेगी इसे लेकर अब तक संशय की स्थिति बनी हुई थी। पर रेल मंत्री ने कहा है कि अगस्त 2026 से बुलेट ट्रेन दौड़ने लगेगी।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में 4 साल की देरी

रेल मंत्री के इस बयान से साफ है कि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को तैयार होने में अभी साढ़े 3 साल का समय और

लगेगा। बीते वर्ष 2022 में लोकसभा में भी पूछे गए सवाल के जवाब में रेल मंत्री ने कहा था कि मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट देरी से चल रहा है। उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र में जमीन अधिग्रहण में देरी, कॉंट्रैक्ट्स के फाइनलाईजेशन में लगातार हो रहे विलंब के साथ कोविड-19 के प्रभावों के चलते बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में देरी हुई है। उन्होंने कहा कि देरी के चलते प्रोजेक्ट के कॉस्ट में हुई बढ़ोतरी का आंकलन जमीन अधिग्रहण, सभी कॉंट्रैक्ट्स के फाइनलाइजेशन और दूसरे टाइमलाइंस के पूरे होने के बाद ही किया जा सकता है। मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलने पहली हाई स्पीड बुलेट प्रोजेक्ट को जापान सरकार के टेक्निकल और वित्तीय मदद के बाद दिसंबर 2015 में मंजूरी दी गई थी। 2015 में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर 1.08 लाख करोड़ रुपये खर्च होने का का अनुमान लगाया गया था। लेकिन अलग अलग कारणों के चलते प्रोजेक्ट में हो रही देरी के बाद लागत में बढ़ोतरी होने तय माना जा रहा है। जापान सरकार के साथ जो एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया था उसके मुताबिक जापान की सरकार कुल प्रोजेक्ट कॉस्ट का 81 फीसदी कर्ज 0.1 फीसदी ब्याज दर पर प्रदान करेगी। एमओयू में ये भी लिखा है कि प्रोजेक्ट के वास्तविक लागत और लोन की रकम को जरुरत पड़ने पर संशोधित भी किया जा सकता है। लोन को 50 वर्ष में लौटाना होगा साथ में 15 साल का ग्रेस पीरियड भी शामिल है। संसद में बीते वर्ष दिए जवाब में रेल मंत्री ने बताया था कि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए 1396 हेक्टेयर जमीन का जो अधिग्रहण किया जाना था उसमें से 1248 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जा चुका है। मुंबई से अहमदाबाद के बीच 508 किलोमीटर लंबे बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए 353 किलोमीटर प्रोजेक्ट गुजरात और दादर नगर हवेली में स्थित है और दिसंबर 2020 से 353 किलोमीटर में सिविल वर्क्स पर काम शुरू हो चुका है।

क्या एक्सपायर हो चुकी दवाइयां बन जाती हैं जहर? अगर इस दवा को खा लिया तो क्या होगा?

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। हम जब भी कोई सामान खरीदते हैं तो आमतौर उसकी एक्सपायरी डेट जरूर चेक करते हैं।हर सामान पर एक्सपायरी डेट भी जरूर लिखी होती है।दवा से लेकर दूध हो या ब्रेड सभी में एक्सपायरी डेट जरूर मेंशन होती है।आपको बता दें कि इसमें दो तरह की डेट लिखी होती हैं। हर सामान में एक तो प्रोडक्ट के बनने की डेट यानी मैन्युफैक्चरिंग डेट और दूसरी उसकी एक्सपायरी डेट लिखी होती है।लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है की जरूरत पड़ने पर हम घर में रखी दवा को बिना एक्सपायरी चेक किए खा लेते हैं।जबकि आप जानते हैं कि एक्सपायर हो चुकी दवाइयां खराब हो जाती हैं और उनका असर भी खत्म हो जाता है या बुरा असर पड़ता है।

ये बातें जानकर होगी हैरानी

आज हम यहां आपको इसके बारे में कुछ ऐसी बातें बताएंगे जिसे जानकर आपको आश्चर्य होगा।आपको बता दें कि दवाइयों पर लिखी एक्सपायरी डेट का मतलब ये बिल्कुल नहीं होता कि एक तय तारीख के बाद वह जहर बन जाती है या उसका असर पूरी तरह से खत्म हो जाता है।ऐसे में आज हम यहां जानेंगे कि आखिर दवाइयों पर लिखी एक्सपायरी डेट का क्या मतलब होता है।आपको बता दें कि दुनिया की कोई भी दवा कंपनी अपनी दवाइयों पर एक्सपायरी डेट जरूर लिखती है।दवाइयों पर दी जाने वाली एक्सपायरी डेट का मतलब ये है कि किसी भी दवा पर दी गई एक्सपायरी डेट के बाद उसकी सुरक्षा और प्रभाव को लेकर कंपनी की गारंटी खत्म हो जाती है। एक्सपायरी डेट का ये मतलब बिल्कुल भी नहीं होता कि उस तारीख के बाद वह दवाई जहर बन जाएगी।

पिछले साल 546 उड़ानों में तकनीकी खराबी आई

इंडिगो, स्पाइसजेट और विस्तारा में सबसे ज्यादा; ट्रेनिंग के दौरान हुए 8 विमान हादसे

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। पिछले साल उड़ान के दौरान 546 फ्लाइट्स में तकनीकी खराबी आई। इनमें से सबसे ज्यादा 256 बार इंडिगो एयरलाइंस के विमान के साथ ऐसी दिक्कतें आईं। इसके बाद स्पाइसजेट के विमान के साथ 143 बार और विस्तारा एयरलाइंस के विमानों में 97 बार तकनीकी गड़बड़ी का सामना करना पड़ा।

सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने गुरुवार को लोकसभा में इसकी जानकारी दी है।मंत्रालय ने बताया कि इन तीन एयरलाइंस कंपनियों के अलावा एयर इंडिया को 64 बार, गो फर्स्ट को 7 बार, अकासा एयरलाइंस को 6 बार, एयर एशिया (इंडिया) को 8 बार, एलायंस एयर को 3 बार, फ्लाईबिग को 1 बार, टूजेट और ब्लूडार्ट एविएशन को एक-एक बार उड़ान के दौरान तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री के मुताबिक, 2022 में तकनीकी खराबी के जहां 546 मामले सामने आए, वहीं 2021 में ऐसी घटनाएं 544 बार हुई थीं। यानी पिछले दो साल में एयरलाइंस कंपनियों को उड़ान के दौरान 1090 बार तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।लोकसभा में एक सवाल का लिखित जवाब देते हुए केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री वीके सिंह ने बताया कि पिछले साल ट्रेनिंग के दौरान 8 विमान भी हादसे का शिकार हुए हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या कम लागत वाली एयरलाइंस के कारण देश में अधिक तकनीकी गड़बड़ी की खबरें आती हैं, सिंह ने इससे इनकार किया।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	मकर	में	मकर-	05-37	बजे
चंद्र-	मिथुन	में	कुंभ -	07-27	बजे
मंगल	वृष	में	मीन...	09-06	बजे
बुध-	धनु	में	मेष--	10-42	बजे
गुरु-	मीन	में	वृष--	12-26	बजे
शुक्र-	कुंभ	में	मिथुन..	14-26	बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	16-39	बजे
राहु-	मेष	में	सिंह...	18-51	बजे
केतु-	तुला	में	कन्या..	20-56	बजे
			तुला	23-03	बजे
			वृश्चिक.	01-13	बजे
			धनु.....	03-26	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- 2079
शक संवत् -1944, कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426878
कलियुग संवत् -5123 वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् -1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885123
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1443
ऋतु-शिशिरदिशाशूल-पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी- 16 -26 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - माघ शुक्ल पक्ष , शुक्रवार Feb 03
नक्षत्र -आर्द्रा - 06 -17 तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - विष्कुंभ-13 - 00 - तक उप प्रीति
करण- तैतिल - 18 - 57 - तक उप- गर
विशेष:- प्रदोष व्रत,विश्वकर्मा जं.
व्रत -त्योहार -गुरु गोरखनाथ जं.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 11:05 से 12:30 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल.	06:51 - 08:14	शुभ	रोग.	18:08 - 19:46	अशुभ
लाभ.	08:14 - 09:39	शुभ	काल.	19:46 - 21:20	अशुभ
अमृत	09:39 - 11:05	शुभ	लाभ.	21:20 - 22:55	शुभ
काल.	11:05 - 12:30	अशुभ	उत्पात	22:55 - 00:30	अशुभ
शुभ.	12:30 - 13:55	शुभ	शुभ	00:30 - 02:05	शुभ
रोग	13:55 - 15:21	अशुभ	अमृत	02:05 - 03:39	शुभ
उत्पात	15:21 - 16:46	अशुभ	चंचल	03:39 - 05:14	शुभ
चंचल	16:46 - 18:08	शुभ	रोग	05:14 - 06:51	अशुभ

आपका राशिफल

मेष — धू धे धो ला ली लू ले लो ञा
आज बोलने में सावधानी रखें आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें किसी दूसरे शहर की यात्रा और इसके दौरान किसी पुराने दोस्त से मुलाकात की सम्भावना है।

वृष — ई उ ए जो वा वी वू वे वो
पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा । कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है और आप जल्दी ही अपना आत्मविश्वास वापस पा लेंगे ।

मिथुन — का की कू घ ड झ के को हा
आज आपको अपने खर्चों का ध्यान रखना होगा और उनपर पैनी निगाह रखनी होगी क्योकि यह छोटे छोटे खर्चे आगे जाकर विराट रूप धारण कर लेते है , हालाँकि आपकी व्यक्तिगत जरूरते कम है पर फिर भी आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा ताकि भविष्य में धन की समस्या उत्पन न हो । आपको कुछ अन्य कार्यो के बारे में भी सोचना चाहिए।

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
यह आपके व्यवसाय के खिलने के लिए के लिए एक शुष्क मौसम है, इसलिए अभी आप अपने व्यक्तित्व को सवारने का प्रयत्न कर सकते हैं। आप एक सक्रिय व्यक्ति हैं और आपकी अच्छी ग्राहक सेवा असंख्य बार आपके ग्राहकों को वापस लाने के लिए प्रेरित करेगी । आपके व्यय नियंत्रण में है क्योकि आप हमेशा से सरल तरीको से अपने खर्चे का निर्वाह करते हैं ।

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
आप बहुत ही आराम से संवाद स्थापित कर रहे है , लेकिन कुछ लोग इसमें अड़चन डाल सकते है और उनके हस्तक्षेप की वजह से एक बहुत ही नाटकीय दृश्य आपके कार्यालय में पैदा हो सकता है। आपका दृष्टिकोण संगठन के लाभ के खिलाफ माना जाएगा , इसलिए बेहतर है की एक कदम पीछे रखे , ताकि इसका असर दुसरो पर हो । इस बीच में अपने व्यक्तिगत विकास पर ध्यान दें।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ट पे पो
आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा । यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और वः आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा । लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें । आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी ।

तुला — स री रु रे से ता तू ते
लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी । किसी महत्वपूर्ण खबर से ख़ुशी मिलेगी । यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है । किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है । करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है । आज से जिन्दगी वापस पटरी पर आती दिख रही है ।

वृश्चिक — तो मा मी मू मे मो य यी यू
आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी ।आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे । अपने दोस्तों –साथियों का भी सही मूल्याकन कर पायेगे । जहाँ तर्कशक्ति से बात ना बने,अपने मन की आवाज सुनें । अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यह उत्तम समय है । विवादों से बचें,वे बाद में समस्या पैदा कर सकते हैं।

धनु — ये यो भा भी मू धा फा ढा भे
आज का दिन गृहों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा । आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे । लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेगा । आप जैसा सोच रहे थे आज आपको उससे विपरीत सूचनाएं मिलेंगी जिसके कारण आपको अपने पहले से सोचे हुए में बदलाव करना पड़ेगा ।

मकर — भे जे जी खी खू खो मा मी
आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
आपका दिमाग आज बहुत सक्रिय है ,आप उर्जा और प्रेरणा से भरे हैं । आपके दिमाग में नयी योजनायें आती रहेंगी जिन्हें आप आसानी से कार्यान्वित भी कर पायेंगे । आपकी समस्या आज यही रहेगी की आपके दिमाग में आज लगातार नए विचारों की बाढ़ सी आती रहेगी । आप अपने आसपास के सभी लोगों को भी अधिक प्रेरित कर पायेंगे ।

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो च ची
आप आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे । हालंकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे ? आपको यह समझना है कि सही नजरिये से आधा काम तो बिना किये ही हो जाता है । यद्यपि सृजनात्मक और ऊर्जापूर्ण रहने के बावजूद आपका आत्मविश्वास आज साथ नही देगा ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

फेंके गए 5 हजार मासूमों में 70% लड़कियां

एमपी-महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा बच्चे कूड़ेदान में मिले, यूरोप से आया बेबी हैचेज-पालनाघरों का चलन

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। '20 दिसंबर 2022, ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क एरिया में झाड़ियों में फेंकी गई बच्ची के बारे में खबर मिली। बच्ची को कुत्ते नोंच रहे थे। वह 4-6 घंटे पहले ही पैदा हुई थी। मां से जुड़ी गर्भनाल (एंबीलिकल कॉर्ड) भी ताजी थी। कंपकंपाती ठंड में वह एक पतले कंबल में लिपटी हुई थी। भूख से बिलबिला रही थी। फेंकने से उसका बायां पैर टूट गया था। सुबह 8.30 बजे मैं वहां पहुंचा। बच्ची को घर पर ले गया और पत्नी को दिया। पत्नी ने बच्ची को सीने से लगाकर अपना दूध पिलाया, गर्म कपड़ों में लपेटा। तब उसे अस्पताल पहुंचाया। उसे हाइपोथर्मिया हो गया था। मासूम को मशीन से गर्मी दी गई तब उसकी जान बची।' ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाने के एसएचओ विनोद कुमार सिंह ने बताया कि बच्ची को देखकर यह सोचने पर मजबूर हुआ कि कैसे कोई अपने ही बच्चे को इस हालत में फेंक सकता है। यह हालात एक शहर के नहीं, बल्कि बच्चों को फेंकने की खबरें हर शहर-कस्बे से सुनाई पड़ती हैं।

भारत ही नहीं पूरी दुनिया में फेंके जाते हैं बच्चे

नवजात बच्चों को फेंकने का अपराध भारत में ही नहीं है बल्कि अमेरिका और यूरोप के देशों में भी है। यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड की रिपोर्ट के अनुसार, यूरोप के देशों इटली, हंगरी, जर्मनी, पोलैंड, रूस, फ्रांस, ग्रीस जैसे विकसित देशों में भी नवजातों को सड़कों पर फेंक दिया जाता है या टॉयलेट में छोड़ दिया जाता है। भारत के पड़ोसी देशों पाकिस्तान और बांग्लादेश में भी नवजातों को फेंकने के मामले सामने आते हैं।

यूरोप से हुई बेबी हैचेज की शुरुआत

जानकारी के अनुसार 18वीं सदी में यूरोप में फेंके गए नवजातों को बचाने की शुरुआत की गई। इसे 'बेबी हैचेज' का नाम दिया गया। यह एक ऐसा आश्रय स्थल है जो पालने की शक्ल में होता है और किसी अस्पताल से ही जुड़ा होता है। जो माता-पिता अपने बच्चे को पाल नहीं सकते वो उन्हें यहां छोड़ जाते हैं। पालने में बच्चे के आने के बाद उसके पालन-पोषण की जिम्मेदारी सरकार पर होती है। इन बच्चों को जो गोद लेना चाहे, वह कानूनी प्रक्रिया से गोद ले सकता है। अब पूरे यूरोप में बेबी हैचेज का चलन है।

जर्मनी में 200 से अधिक जगहों पर बेबी हैचेज

कुछ देशों में बेबी हैचेज को 'फाउंडलिंग व्हील्स' नाम दिया गया। इटली, हंगरी, पोलैंड, रूस, जापान, फिलीपिंस, साउथ अफ्रीका, कनाडा, अमेरिका में बेबी हैचेज सेंटर हैं। चीन और पाकिस्तान में भी 'सेफ आइलैंड बेबीज' नाम से बच्चों के बेबी हैचेज हैं। जर्मनी में 200 से अधिक जगहों पर बेबी हैचेज हैं। अमेरिका में अस्पतालों, पुलिस स्टेशन, फायर स्टेशन के बाहर भी बेबी हैचेज बनाए गए हैं।

तमिलनाडु से शुरू हुई नवजातों को बचाने की मुहिम

भारत में तमिलनाडु पहला राज्य है जहां सबसे पहले फेंके गए बच्चों को बचाने का कैंपेन शुरू हुआ। 1991 में जब जयललिता मुख्यमंत्री बनीं तब उनकी पहली स्कीम क्रेडल बेबी स्कीम ही थी। इसका उद्देश्य था महिला भ्रूण हत्या और अबॉर्शन को कम करना। यूरोप के देशों की तरह पालने में मिले बच्चे की देखरेख और उसके गोद लेने की जिम्मेदारी राज्य की है। यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड की रिपोर्ट के अनुसार, योजना शुरू होने के 25 वर्षों में तमिलनाडु में पांच हजार से अधिक बच्चों को क्रेडल बेबी स्कीम के जरिए बचाया गया है। इनमें चार हजार से अधिक लड़कियां हैं।

हर जिले में खोला गया है क्रेडल बेबी रिसेप्शन सेंटर

केन्द्रीय महिला और बाल विकास मंत्रालय की ओर से देश के हर जिले में क्रेडल बेबी रिसेप्शन सेंटर खोला गया है जिसकी सारी जिम्मेदारी एसएए पर होती है। यह एजेंसी सरकार की हो सकती है या फिर कोई एनजीओ भी इसे चला सकता है। जिले में भीड़-भाड़ वाली जगहों जैसे बस अड्डा, रेलवे स्टेशन, अस्पताल के बाहर क्रेडल प्वाइंट्स (पालना स्थल) बनाए जाते हैं। जब इनमें कोई बच्चा छोड़ जाता है तो अलार्म बजने लगता है। पालना स्थल में बच्चा आने के बाद डॉक्टर बच्चे को देखते हैं, जरूरत पड़ने पर मेडिकल ट्रीटमेंट दी जाती है। चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी)को बच्चे के मिलने की सूचना दी जाती है। सीडब्ल्यूसी पर बच्चे की देखरेख और उसकी जरूरतों की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी होती है। बच्चे के जन्म का रजिस्ट्रेशन किया जाता है। जितना संभव हो, बच्चे के एडॉप्शन की कोशिश की जाती है।

राजस्थान सहित देश के अलग-अलग इलाकों में पालना स्थल खोलने वाले महेशाश्रम के फाउंडर योग गुरु देवेंद्र अग्रवाल फेंक दिए गए बच्चों का जीवन बचाने में लगे हैं। वो कहते हैं झाड़ियों में जब फेंके हुए नवजातों के बारे में सुनता था, देखता था तो मन द्रवित हो जाता था। तब 2007 में मैंने एक मुहिम की शुरुआत की। 'फेंके नहीं हमें दें, बिना पहचान बताए पालने में छोड़ जाएं।' हमने उदयपुर में पालना स्थल बनाया जहां कोई महिला बिना अपनी पहचान बताए नवजात को छोड़ सकती है। पहले ही महीने पालने में तीन बच्चे मिले। तब से अब तक सैकड़ों बच्चे पालने में आ चुके हैं

कूड़े में मिले 99% बच्चे नहीं बच पाते

देवेंद्र अग्रवाल कहते हैं कि कचरे में या झाड़ियों में मिले बच्चों को बचाना बहुत मुश्किल होता है। उनमें बहुत सारे कॉम्प्लिकेशंस होते हैं। वो प्रयागराज का उदाहरण देते हैं कि वहां पिछले 2 वर्षों में 29 नवजात मासूम कूड़े के ढेर में मिले। इनमें से 21 बेटियां थीं। वर्ष 2020 और 21 में भी लगभग इतने ही मासूम कूड़े के ढेर में मिले। इनमें से एक-दो को ही बचाया जा सका। देवेंद्र कहते हैं कि यह तो वह संख्या है जो आधिकारिक है, वास्तविक संख्या तो इससे कहीं अधिक है। ऐसी ही स्थिति उत्तर प्रदेश के दूसरे जिलों में भी है। राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, हरियाणा और पंजाब ही नहीं लगभग पूरे देश में कमोबेश ऐसे ही हालात हैं।

पालना स्थल में मिले बच्चों को मिलता है जीवन

सूरत का उदाहरण देते हुए देवेंद्र बताते हैं कि वहां 5 वर्ष में 120 नवजात कूड़े के ढेर में मिले। इनमें से 99% को नहीं बचाया जा सका, जबकि पालना स्थल या बेबी हैचेज में त्याग किए गए बच्चे बचा लिए जाते हैं। देश के कई राज्यों में क्रेडल बेबी स्कीम चलाई जा रही है। राजस्थान के राजसमंद जिले में पिछले 5 वर्षों में 16 मासूम नवजातों को पालन स्थल पर छोड़ा गया। ये सभी बच्चे सुरक्षित हैं। जबकि राजसमंद में ही 6 बच्चों को जंगल, झाड़ियों या दूसरे असुरक्षित स्थानों पर फेंक दिया गया। इनमें से एक को भी बचाया नहीं जा सका।

हैदराबाद में ऐसे 92 बच्चे मिले

आर्थिक रूप से पिछड़े राज्यों में ही नहीं, बल्कि विकसित राज्यों में भी बच्चों के फेंके जाने का ट्रेंड एक जैसा है। हाई टेक सिटी हैदराबाद में 2022 में ऐसे 92 बच्चे मिले, जिनमें से 52 लड़कियां थीं। सभी 92 बच्चों में से 66 की उम्र 0 से 2 वर्ष के बीच थी। तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र में इसी तरह नवजातों को फेंके जाने के मामले सामने आते हैं। इन राज्यों में भी क्रेडल बेबी स्कीम को अपनाया गया है। पालना स्थलों में मिले बच्चों को पालना घरों में भेजा जाता है। हालांकि पिछले 12 साल का डाटा देखें तो बच्चों के गोद लेने में कमी आई है। सेंट्रल एडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी के अनुसार, 2021-22 में 2,991 बच्चों को एडॉप्ट किया गया। इनमें 1293 लड़के और 1698 लड़कियां हैं। खास बात यह है कि 414 बच्चों को विदेशी दंपती ने गोद लिया।

पालना घरों में तीन से छह महीने तक बच्चों को रखा जाता है जहां उन्हें गोद लिया जाता है। इसकी प्रक्रिया सेंट्रल एडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी की ओर से पूरी की जाती है। अगर किसी बच्चों को इस टाइमफ्रेम में गोद नहीं लिया जाता तो उन्हें शिशु गृह में भेज दिया जाता है जहां वे छह साल की उम्र तक रहते हैं। इन शिशु गृह में बच्चों की देखरेख की सारी जिम्मेदारी सरकार पर होती है। छह साल से ऊपर के बच्चों को 18 साल की उम्र पूरी होने तक बालक या बालिका गृह में रखा जाता है।

इंटीग्रेटेड चाइल्ड प्रोटेक्टेड स्कीम जिसे अब वात्सल्य योजना कहा जाता है, इसके तहत बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, स्किल्ड बनाने की ट्रेनिंग दी जाती है। बालिग होने पर बच्चे इन बालक गृहों से निकल जाते हैं।

MP-महाराष्ट्र में सबसे अधिक फेंके हुए मिलते हैं नवजात

राज्य	2021	2020
मध्यप्रदेश	224	277
महाराष्ट्र	240	217
गुजरात	149	146
उत्तर प्रदेश	127	163
कर्नाटक	113	171
हरियाणा	109	89
राजस्थान	108	127
दिल्ली	96	89
छत्तीसगढ़	61	70
पंजाब	50	48

सोर्स: NCRB (2021 और 2020 की रिपोर्ट)

पहले पत्थर से कुचला सिर, फिर जला दिया

पैरी नदी किनारे पुलिस को मिली अधजली लाश, रायपुर का रहने वाला था मृतक

धमतरी, 2 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में एक अज्ञात लोगों ने 50 साल के अधेड़ की हत्या करके उसके शव को ठिकाने लगाने के लिए शव को जला दिया, लेकिन लाश पूरी तरह जली नहीं। राहगीरों को जब इसकी जानकारी मिली तो अधजली लाश मिलने की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया है। मामला जिले के करेली बड़ी चौकी क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, नवागांव में लोमश ऋषि आश्रम के पास पैरी नदी के एनीकेट के किनारे अधजली लाश पड़ी थी। बुधवार को इलाके के कुछ लोग नदी किनारे गए थे। जिन्होंने अधजली लाश देखी। जिसके बाद इसकी सूचना उन्होंने पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे जवानों के साथ फॉरेंसिक टीम भी पहुंची थी। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में शव की पहचान बसंत कुमार साहू (50) के रूप में की है। जो राजधानी रायपुर का रहने वाला था।

एसडीओपी कृष्ण कुमार पटेल ने बताया कि, जिन लोगों ने वारदात को अंजाम दिया है,

उनका अब तक पता नहीं चला है, लगातार उनकी तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि,किसी अन्य जगह पर उसकी हत्या की गई। और फिर अधेड़ की पहचान छिपाने के लिए उसे नदी किनारे लाकर जलाने का प्रयास किया गया था।

कुछ दिन पहले छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में महिला को जिंदा जलाने का मामला भी सामने आया था। बुरी तरह से झुलसी महिला रेलवे ट्रैक के पास दर्द से कराह रही थी। तब लोगों ने उसकी आवाज सुनकर पुलिस को घटना की जानकारी दी थी। महिला को गंभीर हालत में इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया था। हालांकि, आरोपियों तक पुलिस पहुंचने में नाकाम रही है। करीब 2 महीने पहले छत्तीसगढ़ से लगे मध्य प्रदेश के अनूपपुर में एक युवक ने अपनी पत्नी को जिंदा जला दिया था। जिसके बाद महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में भर्ती कराया गया था। जहां से गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया था। महिला की शादी जीपीएम जिले के युवक से करीब 4 महीने पहले हुई थी।

आरोप है कि, युवक का किसी और महिला के साथ अफेयर था। इसलिए अपनी पत्नी को रास्ते से हटाने के लिए युवक उसे मायके छोड़ने के लिए घर से लेकर गया। फिर हाईवे के किनारे ले जाकर आग लगा दिया था।

14 लोगों की मौत पर झारखंड हाईकोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

फायर सेफ्टी ऑडिट के निर्देश, धनबाद में एक साथ 8 शवों का हुआ अंतिम संस्कार

धनबाद, 2 फरवरी (एजेंसियां)। आशीर्वाद अपार्टमेंट में हुए अग्निकांड पर आज झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई एक्टिंग चीफ जस्टिस और जस्टिस दीपक रौशन की खंडपीठ में हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार सवाल किया कि अब तक इस मामले में क्या कार्रवाई की गई है। नगर विकास सचिव को अदालत ने इस मामले में जवाब देने को कहा है। हाइकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए मौखिक टिप्पणी की। कहा यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसकी जांच होनी चाहिए। इस पर महाधिवक्ता राजीव रंजन की ओर से बताया गया कि मामले की दो कमिटियां जांच कर रही हैं। अदालत ने राज्य में फायर सेफ्टी से जुड़े मानकों की समीक्षा का भी निर्देश दिया है। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के लिए 17 फरवरी की तारीख मुकर्रर की है। धनबाद अग्निकांड में अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। बुधवार को बस्ताकोला गौशाला मुक्तिधाम में एक साथ 8 चिताएं जलीं। शव इतनी बुरी तरीके से जल चुके थे कि उन्हें पहचान पाना मुश्किल था। शमशान घाट पर जो भी मौजूद था सभी की आंखें नम थीं। परिवार के लोग अब आगे के रीति रिवाज की तैयारी कर रहे हैं।

गुरुद्वारा के पास जब स्वाति की मां का शव पहुंचा, तो पूरे इलाके में मातम पसर गया। गुरुद्वारे के पास ही सारे नियम किए गये इसके बाद अंतिम यात्रा बस्ताकोला गौशाला मुक्तिधाम के लिए निकली थी। अस्पताल से ही अंतिम यात्रा की शुरुआत हो गई थी। यहीं से कई शव सीधे श्मशान घाट ले जाए गए। पीएमसीएच के बाहर शव को ले जाने की तैयारी पूरी कर ली गई थी। इसमें महाधिवक्ता को उपस्थित रहने का आदेश दिया गया था।

इस मामले की बेहतर जानकारी के लिए अखबार की प्रति मंगाई गई है जिसमें इस घटना के संबंध में कवरेज है। दूसरी तरफ फॉरेंसिक विभाग की टीम ने घटनास्थल पर पहुंच कर सैंपल इकट्ठा किया है। बताया जा रहा है कि आज भी टीम इस इमारत के कई हिस्सों से सैंपलिंग का काम करेगी।

24 करोड़ के बजट में आधा भी खर्च नहीं

एक साल में 50 हजार युवाओं को नौकरी देनी थी, 10 हजार को भी नहीं मिली

रायपुर, 2 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में युवाओं को हुनर देने के बाद नौकरी या रोजगार के लायक बनाने के लिए चल रही कौशल विकास योजना अपने उद्देश्य से काफी पीछे चली गई है। राज्य बनने के बाद से अब तक इस योजना में 4 लाख 69 हजार 272 युवाओं को ट्रेनिंग दी गई और प्रमाणपत्र भी मिल गया। लेकिन इनमें आधे से ज्यादा खाली हैं। उन्हें न कहीं नौकरी मिली है और न रोजगार शुरू हुआ है। सिर्फ एक साल यानी जनवरी से दिसंबर 2022 में ट्रेनिंग ले चुके 50 हजार युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य था, लेकिन यह आंकड़ा 10 हजार पर भी नहीं पहुंचा है।

यही नहीं, ट्रेनिंग और युवाओं को तैयार करने के लिए विभाग को 2021-22 में 18 करोड़ रुपए का बजट था, लेकिन 11 करोड़ रुपए ही खर्च किए जा सके। कौशल विकास योजना में युवाओं को किसी भी हुनर या नौकरी के लायक ट्रेनिंग तो दे दी जाती है, लेकिन नौकरी या रोजगार जमा या नहीं, इसके फॉलोअप का कोई सिस्टम ही नहीं है। जो संस्था ट्रेनिंग देती है, रोजगार दिलाना उसी का जिम्मा है। लेकिन ये निजी एजेंसियां ट्रेनिंग देने के बाद

अपना बिल शासन से क्लीयर कर लेते हैं और मामला खत्म। इसका नतीजा ये हुआ है कि युवाओं को भरोसा तेजी से कम हुआ है।

अफसरों ने इस तथ्य की भी अनदेखी की है कि युवाओं को नौकरी देने के लिए जिलों में लगाने जाने वाले प्लेसमेंट कैंप हर साल कम हो रहे हैं। हो रहे हैं तो नौकरियां बहुत कम मिल रही हैं। भास्कर के इन्वेस्टिगेशन के अनुसार 2017 में 294 प्लेसमेंट कैंप लगाए गए थ। इसमें 6287 लोगों को नौकरी मिली थी। इसी तरह 2018 में 421 कैंप लगाए गए जिसमें 8284 युवाओं ने नौकरी पाई। लेकिन इसके बाद से गिरावट है। 2019 में 391 कैंप लगे थे, जिसमें 6055 नौकरियां दी गईं, जोकि कम हैं। इसके बाद कैंप भी कम होते गए। 2020 में 187 कैंप ही हुए जिसमें 2952 को नौकरी मिली। 2021 में कैंप और घटकर 175 ही रह गए और इनसे केवल 2236 युवाओं को ही नौकरी मिल पाई। दिसंबर 2022 में एक साथ 50 हजार से ज्यादा नौकरियां देने के लिए कैंप लगाया गया, लेकिन सरकारी एजेंसियां हैरान हैं क्योंकि इतनी नौकरियों के लिए आवेदन करने वालों की संख्या ही 8000 के पार नहीं हो पाई। युवाओं का कहना है कि ऐसे कैंप में जो नौकरियां दी जा रही हैं, उनमें सैलरी इतनी कम है कि नौकरी लेने में ही रुचि खत्म हो रही है। 2021-22 में विभाग के ओर से 18920 युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार देने के लिए कहा गया था, लेकिन 674 युवाओं को ही ट्रेनिंग दी जा सकी।

सात भाई-बहनों के साथ चॉल में रहते थे गौतम अदाणी

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। कभी एशिया के सबसे अमीर रहे उद्योगपति गौतम अदाणी दुनिया अमेरिकी फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद विवादों में हैं। उनकी संपत्ति में लगातार गिरावट हो रही है। कभी दुनिया के तीसरे सबसे अमीर रहे अदाणी रिपोर्ट आने के एक हफ्ते बाद खिसकर 16वें नंबर पर आ गए हैं।

विवाद के बीच अदाणी ने बुधवार रात अपने 20 हजार करोड़ रुपये के अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) को वापस लेने और निवेशकों का पैसा लौटाने की घोषणा की। हालांकि, कंपनी के एफपीओ को मंगलवार को पूर्ण अभिदान (पूर्ण सब्सक्रिप्शन) मिल गया था।

अदाणी के साथ उनके भाई विनोद अदाणी पर भी कई तरह के आरोप लग रहे हैं। कभी सात भाई-बहनों और माता-पिता के साथ एक छोटे से चॉल में रहते

परिवार में अब कौन क्या करता है?

थे। आज उन्हीं अदाणी के बच्चे प्राइवेट जेट में घूमते हैं। आइए जानते हैं गौतम अदाणी की पूरी कहानी। उनके परिवार के बारे में सबकुछ

मौजूदा समय में गौतम अदाणी कितने अमीर?

फोर्ब्स के रियल-टाइम आंकड़ों के अनुसार, 67.4 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 16वें नंबर पर हैं। शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बीच अदाणी समूह की नेटवर्थ 2023 में लगातार घटी है।

गौतम अदाणी ने जुलाई 2022 में माइक्रोसॉफ्ट के प्रमुख बिल गेट्स को पछाड़ दिया था। पिछले साल फरवरी में गौतम अदाणी ने रिलायंस समूह के प्रमुख मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ दिया था। अदाणी इसके साथ ही भारत के व एशिया के सबसे रईस बन गए थे। अप्रैल 2022 में अदाणी की नेटवर्थ पहली बार 100 अरब डॉलर के पार पहुंच गई थी। लेकिन विवादों के बीच मुकेश अंबानी, अदाणी से एक बार फिर आगे चले गए हैं। अंबानी मौजूदा समय में दुनिया के 10वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

गौतम अदाणी की कहानी

गुजरात के अहमदाबाद में एक सामान्य परिवार में गौतम अदाणी का जन्म 24 जून 1962 को हुआ था। गौतम ने शुरुआती शिक्षा अहमदाबाद स्थित सेठ चिमनलाल नगीनदास विद्यालय से ली। इसके बाद गुजरात विश्वविद्यालय से कॉमर्स की पढ़ाई शुरू की। हालांकि, दूसरे साल ही उन्हें पढ़ाई छोड़नी पड़ी।

गौतम के पिता शांतिलाल और मां का नाम शांता बेन था। उनके पिता कपड़ों का छोटा-मोटा व्यापार करते थे। कहा जाता है कि तब गौतम अपने माता-पिता और भाइयों के साथ एक छोटे से चॉल (भीड़-भाड़ वाले शहरों में जगह की कमी के कारण बने छोटे मकान) में रहा करते थे। पहले शांतिलाल उत्तरी गुजरात के थरद शहर में रहते थे। परिवार बढ़ने पर परिवार संग वह पलायन कर गए।

सात भाई बहन हैं अदाणी

गौतम के सात भाई बहन हैं। सबसे बड़े भाई का नाम मनसुखभाई अदाणी है। अन्य भाइयों में विनोद अदाणी, राजेश शांतिलाल अदाणी, महासुख अदाणी और वसंत एस अदाणी शामिल हैं। बहन के बारे में ज्यादा जानकारी मीडिया में नहीं आई है।

विनोद अदाणी, गौतम अदाणी के बड़े भाई हैं। वह दुबई में रहते हैं और दुबई, सिंगापुर और जकार्ता में कई कंपनियों का प्रबंधन करते हैं। हाल ही में जारी हुई आईआईएफएल वेल्थ ह्यूरन इंडिया रिच लिस्ट 2022 के मुताबिक विनोद शांतिलाल अडानी सबसे अमीर एनआरआई बनकर उभरे हैं। हिंडनबर्ग की हालिया रिपोर्ट में विनोद अदाणी का नाम भी शामिल है।

जिसके मल से बनती है सबसे महंगी कॉफी

कोरबा में व्यापारी के घर डाला डेरा, सारी रात दहशत में रहा परिवार

कोरबा, 2 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में एक व्यापारी के घर खतरनाक और जीव घुस गया। इसके चलते परिजन डरे रहे और सारी रात जागकर काटी। अगले दिन रेस्क्यू टीम पहुंची और उसे मशक्कत के बाद पकड़ा। तब पता चला कि यह एशियन पाम सिवेट है। यानी आम भाषा में कबरबिज्जु। विशेषज्ञों का कहना है कि इसके मल से दुनिया की सबसे महंगी कॉफी तैयार होती है। जिसके एक कप की कीमत छह हजार रुपये है। फिलहाल वन विभाग की मदद से उसे जंगल में छोड़ दिया गया है। मामला कटघोरा क्षेत्र का है।

दरअसल, कोरबा का जंगल जैव विविधता से भरा हुआ है। यहां आए दिन अनोखे जीव सामने आते रहते हैं जो कौतुहल का कारण बनते हैं। अक्सर इन दुर्लभ जीवों को अब टीवी में ही हम देखते हैं। ऐसा ही एक जीव सिवेट, सुतर्री में रहने वाले व्यापारी विजय कुमार अग्रवाल के घर में बुधवार रात घुस आया। रात करीब 12 बजे जब बेडरूम में उसे घरवालों ने देखा तो डर गए। इसके बाद उन्होंने वन विभाग के सदस्य और स्नेक रेस्क्यू टीम के अध्यक्ष जितेंद्र सारथी को इसकी सूचना दी। रात काफी होने के कारण जितेंद्र सारथी अपनी टीम के साथ गुरुवार सुबह व्यापारी के घर पहुंचे। इसकी जानकारी कटघोरा डीएफओ प्रेमलता यादव को भी दी गई। टीम पहुंची तो पता चला कि व्यापारी ने डर के चलते कमरे को बंद कर दिया गया था।

सर्च ऑपरेशन के दौरान आईईडी ब्लास्ट

सीआरपीएफ के तीन जवान गंभीर रूप से घायल

रांची, 2 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के चाईबासा में गुरुवार को चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान हुए आईईडी ब्लास्ट में सीआरपीएफ के तीन जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों का कहना है कि तीनों जवानों को रांची ले जाया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। तीनों की हालत स्थिर बनी हुई है।

सीआरपीएफ ने बताया, 209 कोबरा और झारखंड पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा जोकेपानी, नवाटोली, लातेहार के वन क्षेत्र में एक सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया।

तलाशी अभियान में 5.56 इंसास एलएमजी, दो 7.62 एसएलआर राइफल, एक 5.56 इंसास राइफल, 13 मैगजीन बरामद की गईं हैं।

ब्रिटेन में हुआ दशक का सबसे बड़ा प्रदर्शन

सुनक सरकार के खिलाफ 5 लाख से ज्यादा लोग सड़कों पर उतरे, वेतन बढ़ाने की मांग की

लंदन, 2 फरवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन में बुधवार को 5 लाख से ज्यादा लोगों ने लंदन की सड़कों पर उतर ऋषि सुनक की सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसे ब्रिटेन का पिछले एक दशक का सबसे बड़ा प्रदर्शन बताया जा रहा है। विरोध करने वाले लोगों में सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सरवेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड़ताल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महंगाई को कंट्रोल में करने की मांग की है।

अलजजीरा के मुताबिक हड़ताल करने वालों में 3 लाख के करीब केवल टीचर्स थे, जो पहले कोरोना और फिर यूक्रेन जंग से बढ़ी महंगाई के कारण परेशान हैं। हड़ताल से पहले प्रधानमंत्री ऑफिस ने चेतावनी जारी कर बताया था कि इससे अव्यवस्था फैलेगी। इसके बावजूद लोग नहीं माने और प्रदर्शन में जुटे।

23 हजार स्कूल प्रभावित रहे

नेशनल एजुकेशन यूनियन ने बताया कि टीचर्स की हड़ताल इतनी बड़ी थी कि इसका असर 23 हजार स्कूलों पर रहा। वहीं ब्रिटेन में ट्रेन ड्राइवर्स के काम पर नहीं जाने से वहां ज्यादातर ट्रेनें बंद रहीं। हड़ताल में शामिल एक 33 साल के टीचर निक होन ने बताया कि जिस हिसाब से ब्रिटेन में महंगाई बढ़ी है इससे खर्चा पूरा करने में उनकी सैलरी कम पड़ रही है। 10 घंटे काम करने के बाद भी लोगों को पास्ता खाकर दिन गुजारना पड़ रहा है। इंस्टीट्यूट फॉर फिस्कल स्टडीज के मुताबिक वहां साल 2010 से 2022 के बीच में टीचर्स के वेतन में 9 से 10% की कमी दर्ज की गई है।

अखबारों ने प्रदर्शन को 'लॉकडाउन 2023' कहा

ब्रिटेन के कई बड़े अखबारों ने बुधवार को हुई हड़ताल को 'लॉकडाउन 2023' तो किसी ने इसे 'वॉकआउट वेडनेसडे' नाम दिया। प्रदर्शन की तुलना ब्रिटेन में साल 1978-79 में हुई हड़ताल से की गई, जिसे वहां विंटर ऑफ डिस्कंटेंट यानी सर्दियों के असंतोष के नाम से भी जाना जाता है। युनिवर्सिटी ऑफ कैमब्रिज की प्रोफेसर कैथरीन बर्नार्ड ने द वॉशिंगटन पोस्ट को बताया कि हड़ताल करने के मामले में ब्रिटेन में काफी सख्त कानून हैं कोई भी इतनी आसानी से इतनी ज्यादा तादाद में सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन नहीं कर सकता है। फिर भी अगर 5 लाख से ज्यादा लोग अपने घरों से निकले हैं तो मामला गंभीर है।

ऋषि सुनक ब्रिटेन की पहली महिला प्रधानमंत्री की राह पर

सोमवार को प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा था, 'अगर संभव होता तो मैं एक जादू की छड़ी घुमाकर आपकी परेशानियां दूर कर देता, लेकिन यह नहीं हो सकता है।' दरअसल सुनक सरकार का मानना है कि अगर टीचर्स और सिविल सर्वेंट्स की सैलरी बढ़ाई गई तो इससे महंगाई बढ़ेगी जो पहले ही ब्रिटेन में आसमान छू रही है। वेतन न बढ़ाने के फैसले से लोग उनकी तुलना ब्रिटेन की पहली महिला प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर से कर रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ नॉटिंघम में पॉलिटिकल हिस्ट्री के प्रोफेसर स्टीवन फील्डिंग ने कहा कि सुनक मार्गरेट थैचर के रास्ते जा रहे हैं। जो उनके लिए बिल्कुल सही नहीं है। जब वो प्रधानमंत्री बने उस समय उन्होंने दावा किया था कि वो ब्रिटेन की इकोनॉमी को ठीक से संभालेंगे। ठीक इसी तरह के दावे कर मार्गरेट थैचर भी सत्ता में आई थीं। सुनक अब हड़ताल कर रही यूनियन की बात नहीं सुन रहे हैं। यहां तक कि सरकार वहां हड़ताल करने के खिलाफ नया कानून बनाने की तैयारी कर रही है। थैचर ने भी ऐसा ही किया था। हालांकि इस तरह के फैसले लेने से मार्गरेट थैचर का नुकसान नहीं हुआ था, लेकिन प्रोफेसर स्टीवन के मुताबिक अब समय बदल चुका है। थेचर के समय माहौल उनकी पार्टी के समर्थन में था जो अब नहीं है। साल 2010 से ब्रिटेन में सुनक की कंजरवेटिव पार्टी सत्ता में है। इसके बाद भी हालातों में कोई सुधार नहीं है इसका खामियाजा उन्हें अगले चुनाव में उठाना पड़ सकता है।

इमरान के करीबी पाक के पूर्व गृह मंत्री गिरफ्तार

विदेश मंत्री के पिता पर इमरान की हत्या की साजिश का आरोप लगाया था

इस्लामाबाद, 2 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व गृह मंत्री शेख रशीद को बुधवार रात 12:30 बजे गिरफ्तार कर लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी गिरफ्तारी को पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी पर इमरान खान की हत्या की साजिश रचने के उनके आरोप से जोड़ा जा रहा है। इस्लामाबाद में पहले से ही उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज थी। जरदारी पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के पिता हैं।

गिरफ्तारी के बाद खुद रशीद ने कहा- पुलिस ने मुझे बिना किसी वॉरंट के गिरफ्तार किया है। करीब 200 पुलिसवालों ने मेरे घर के खिड़की-दरवाजे तोड़े हैं। बदतमीजी की है। मेरे नौकरों के साथ मार-पीट की और जबरदस्ती मुझे गाड़ी में डाला है। इतना ही नहीं उन्होंने अपनी गिरफ्तारी के पीछे शाहबाज शरीफ की सरकार का हाथ बताया है।

1. 27 जनवरी को रशीद ने जरदारी पर आरोप लगाए

27 जनवरी 2023 को शेख रशीद ने पूर्व राष्ट्रपति जरदारी पर आरोप लगाया था कि वो इमरान की हत्या की साजिश रच रहे हैं। रशीद का कहना था कि जरदारी इमरान खान की हत्या की साजिश को अंजाम देने के लिए किसी आतंकवादी संगठन को पैसे दे रहे हैं। इसके बाद इमरान खान ने भी यही बात कही। उनका कहना था कि जरदारी के पास काला धन है, जो वो आतंकी संगठन को देते हैं।

2. रशीद अपने बयान से पलट गए

इसके बाद 30 जनवरी को पुलिस ने रशीद को समन भेजा था। तब रशीद पूर्व राष्ट्रपति पर लगाए गए आरोपों से मुकर गए थे। पुलिस के मुताबिक, रशीद का कहना था कि उन्होंने ऐसा इमरान खान का बयान सामने आने के बाद कहा था। वो नहीं जानते थे कि असल में कोई साजिश रची जा रही है या नहीं।

3. इमरान को सही ठहराया

1 फरवरी को रशीद ने एक ट्वीट कर कहा कि वो इमरान के साथ हैं। उन्होंने कहा था- मैं अपने बयान पर कायम हूं। इमरान खान सही हैं। आसिफ जरदारी उन्हें मारना चाहते हैं। इमरान खान की जान को गंभीर खतरा है। उनकी (जरदारी की) योजना इमरान खान को अयोग्य ठहराने और कमजोर करने की है। इस मामले में मैं अपने वकील के साथ पुलिस स्टेशन में एक स्टेटमेंट जमा करने गया था, जो पुलिस ने जमा नहीं की।

रशीद बोले- मेरा गुनाह है कि मैं खान के साथ हूं

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) रावलपिंडी डिवीजन के प्रेसिडेंट राजा इनायत उर रहमान ने इस्लामाबाद के आबपारा पुलिस स्टेशन में रशीद के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। बुधवार देर रात रशीद को रावलपिंडी पुलिस ने अरेस्ट किया। इसके बाद उन्हें इस्लामाबाद के अबपारा पुलिस स्टेशन में शिफ्ट किया गया है। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा- मेरा गुनाह ये है कि मैं इमरान खान के साथ खड़ा हूं। मैं 16 बार मंत्री रह चुका हूं। आज तक मुझ पर करप्शन के आरोप नहीं लगे।

हालांकि, शेख राशिद पर अवैध कब्जे का भी एक मामला दर्ज है, जिसमें इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड ने 30 जनवरी 2023 को उनके घर लाल हवेली सहित 5 और यूनिट को सील कर दिया था। हालांकि, उसी दिन लाहौर हाईकोर्ट ने उनकी प्रॉपर्टी को डी-सील करने के आदेश दे दिए थे।

गिरफ्तारी के लिए 200 से ज्यादा पुलिसकर्मी पहुंचे थे

पाकिस्तानी मीडिया जियो न्यूज के मुताबिक, पुलिस का कहना है कि उन्होंने शेख रशीद को रावलपिंडी के मुरे एक्सप्रेस-वे से गिरफ्तार किया गया। दूसरी ओर, रशीद के परिवार का कहना है कि पुलिस रशीद को उनके घर से अरेस्ट कर ले गई है। उनके भतीजे शेख रशीद शफीक का कहना है कि करीब 300 से 400 पुलिसवाले घर पर आए थे।

इसी बीच पूर्व पीएम इमरान खान ने उनकी गिरफ्तारी की निंदा की है। उन्होंने एक ट्वीट में लिखा- रशीद की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हैं। इतिहास में कभी भी इस तरह की पाक्षपाती कार्रवाई नहीं की गई है।

पांच डॉलर के करेंसी नोट से हटेगी महारानी एलिजाबेथ की तस्वीर

सिडनी, 2 फरवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के बाद ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने बड़ा फैसला किया गया है। अब ऑस्ट्रेलिया में पांच डॉलर के करेंसी नोट पर महारानी एलिजाबेथ की तस्वीर नहीं दिखाई देगी, उनकी जगह ऑस्ट्रेलिया अपनी स्वदेशी संस्कृति के इतिहास को प्रतिबिंबित करेगा। ऑस्ट्रेलिया के रिजर्व बैंक की ओर से जारी किए गए बयान के मुताबिक, यह फैसला संघीय सरकार के परामर्श के बाद लिया गया है। हालांकि, यह स्पष्ट किया गया है कि नोट के दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलियन संसद की तस्वीर बनी रहेगी। रिजर्व बैंक के अधिकारियों ने कहा है कि पांच डॉलर के नोट पर महारानी की तस्वीर इसलिए नहीं शामिल की गई थी कि वह एक महारानी थीं। बल्कि यह तस्वीर उनके व्यक्तित्व को दर्शाती है। बता दें, करेंसी नोट को अपडेट करने का निर्णय तब आया जब ऑस्ट्रेलिया की सेंटर-लेफ्ट लेबर सरकार संविधान में बदलाव के लिए जनमत संग्रह के लिए जोर दे रही है। बता दें, सितंबर, 2022 में ऑस्ट्रेलिया ने साफ कर दिया था कि महारानी एलिजाबेथ के बाद किंग चार्ल्स की तस्वीर नोट पर नहीं छापी जाएगी, बल्कि उसकी जगह ऑस्ट्रेलियाई प्रतिबिंबों को जगह मिलेगी। रिजर्व बैंक ने कहा कि वह 5 डॉलर के नोट को डिजाइन करने में स्वदेशी समूहों के साथ परामर्श करेगा। नए नोट को डिजाइन और प्रिंट करने में कई साल लगेंगे। तब तक मौजूदा नोट जारी होता रहेगा।

आप नेता की पत्नी को 5 साल कैद

भरुच, 2 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के भरुच में आम आदमी पार्टी के नेता एवं पूर्व नगरसेवक मनहर परमार की पत्नी को 15 साल पुराने सस्ते अनाज की दुकान में अनाज की हेराफेरी के मामले में भरुच के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट ने 5 साल की सजा के साथ जुर्माना का आदेश जारी किया है। भरुच नगरपालिका के पूर्व पार्षद और भरुच विधानसभा सीट पर आप के उम्मीदवार मनहर परमार की पत्नी इंदूमतीबेन परमार सस्ते अनाज की दुकान की संचालिका है। शहर के वसंत मिल की चाल में वे सस्ते अनाज की दुकान चलाती है। इंदूमतीबेन सरकारी राशन में गेंहू, शक्कर, केरोसिन, तेल सहित अन्य सामान के जत्थे की हेराफेरी कर रही थी। इस मामले में वर्ष 2008 में उनके खिलाफ बी डिविजन पुलिस थाने में केस दर्ज किया गया था। जांच में खुलासा हुआ कि इंदूमतीबेन सरकारी अनाज का स्टॉक को फर्जी दस्तावेजों, फर्जी बिलों के आधार पर बाजार में हेराफेरी कर रही है।

ड्रोन्स और सेमीकंडक्टर मिलकर बनाएंगी भारत और अमेरिका की कंपनियां!

मिलेगा जबरदस्त फायदा

वॉशिंगटन, 2 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के रक्षा और ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी 'जनरल एटॉमिक्स' भारत के साथ साझेदारी में भविष्य के तीन अहम क्षेत्रों में मिलकर काम करने की तैयारी कर रही है। ये तीन अहम क्षेत्र हैं आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ड्रोन्स और सेमीकंडक्टर। भविष्य की तकनीक और दुनिया में अपना प्रभाव जमाने के लिहाज से ये तीनों ही क्षेत्र बेहद अहम हैं। यही वजह है कि भारत और अमेरिका की इस साझेदारी को बेहद अहम माना जा रहा है। जनरल एटोमिक्स के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है।

जनरल एटोमिक्स ग्लोबल कॉरपोरेशन के चीफ एग्जीक्यूटिव विवेक लाल ने बताया कि जनरल एयरोनॉटिकल सिस्टम्स (जीए-एएसआई), भारतीय कंपनी भारत फोर्ज के साथ साझेदारी में बेहद उन्नत पीढ़ी के ड्रोन्स, एयरोस्ट्रक्चर मैन्युफैक्चरिंग और क्रिटिकल फील्ड के क्षेत्र में काम करेगी। इसके अलावा कंपनी भारतीय आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कंपनी के साथ मिलकर अगली पीढ़ी की एआई तकनीक पर काम करेगी।

बता दें कि भारत फोर्ज, भारत की एक टॉप फोर्जिंग कंपनी है। जनरल एटोमिक्स, एक अन्य भारतीय स्टार्टअप कंपनी 3rdआई टेक के साथ मिलकर सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में काम करेगी। बता दें कि भारत और अमेरिका के बीच क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज (आईसेट) की दिशा में काम करने की सहमति बनी है। जिसके तहत दोनों देश कई जरूरी और अहम तकनीक के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे।

विवेक लाल ने कहा कि हमें उम्मीद है कि इन साझेदारियों से दुनिया के अग्रणी उत्पाद सामने आएंगे। जनरल एटोमिक्स भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेक इन इंडिया की रणनीति के साथ हैं और भारतीय कंपनियों के साथ मिलकर आगे बढ़ने की तरफ देख रहे हैं। लाल ने कहा कि यह साझेदारी सही दिशा में लिया गया बड़ा कदम है। इससे पहले व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी कहा था कि यूएस सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री एसोसिएशन (एसआईए) इंडिया इलेक्ट्रोनिक्स सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) भारत सरकार के सेमीकंडक्टर मिशन के साथ मिलकर एक टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। ये टास्क फोर्स मूल्यांकन कर निकट भविष्य के अवसरों और रणनीतिक सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को विकसित करने का काम करेगी।

'भारत और ताइवान के खिलाफ आक्रामकता के लिए चीन को ठहराएं जवाबदेह'

रिपब्लिकन सांसदों की ब्लिंकन से मांग

वाशिंगटन, 2 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और ताइवान के खिलाफ चीन के आक्रामकता को कम करने के लिए रिपब्लिकन सांसदों ने विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से हस्तक्षेप की मांग की है। प्रभावशाली रिपब्लिकन सांसदों ने ब्लिंकन से चीनी नेतृत्व को यह बताने का आग्रह किया कि एशिया में उसका आक्रामक रवैया अस्वीकार्य है।यह मांग ऐसे समय पर की गई है, जब ब्लिंकन चीन की यात्रा करने वाले हैं। ऐसे में अमेरिकी सांसदों की ओर से ब्लिंकन और ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन को एक पत्र लिखा है।

चीन को प्रोपेगेंडा में न जीतने दें

फ्लोरिडा के मार्को रुबियो के नेतृत्व में रिपब्लिकन सीनेटरों ने कहा कि चीन को उसके प्रोपेगेंडा में न जीतने दिया जाए, बल्कि चीनी कम्यूनिष्ट पार्टी को मानवाधिकारों के हनन, अनुचित व्यापार प्रथाओं और सीमा से लगे देशों के खिलाफ आक्रामकता के लिए जवाबदेह ठहराया जाए। बता दें, चीन का कई देशों के साथ सीमाई विवाद है। वह दक्षिण चीन सागर के लगभग सभी विवादित क्षेत्रों पर अपना दावा करता है। हालांकि ताइवान, फिलीपींस, ब्रुनेई, मलेशिया और वियतनाम सभी इसके कुछ हिस्सों पर दावा करते हैं। बीजिंग ने दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीप और सैन्य प्रतिष्ठान भी बनाए हैं। यहां तक कि, चीन का पूर्वी चीन सागर में जापान के साथ क्षेत्रीय विवाद भी है।

ब्लिंकन से मिले एनएसए अजीत डोभाल

इस बीच भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की है। दोनों के बीच हुई बैठक में वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर चर्चा हुई। इस दौरान दोनों ने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने पर प्रतिबद्धता जताई। ब्लिंकन ने बैठक के बाद ट्वीट किया, "अमेरिका वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के साथ सहयोग बढ़ा रहा है।" उन्होंने ट्वीट में कहा, "हमारी रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने पर चर्चा करने के लिए आज भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के साथ मेरी अच्छी बैठक हुई।"

दोनों की बैठक को लेकर भारतीय दूतावास ने भी एक ट्वीट किया। इसमें कहा गया, "दोनों पक्षों ने आपसी हित के वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विस्तार से विचारों का आदान-प्रदान किया और चर्चा की कि कैसे भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत कर सकते हैं।"

पेशावर बम विस्फोट: पुलिस की वर्दी में आया था हमलावर

मरियम नवाज ने पूर्व आईएसआई चीफ पर लगाए गंभीर आरोप

इस्लामाबाद, 2 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पेशावर में हुए बम विस्फोट में पुलिस ने खुलासा किया है कि हमलावर पुलिस की वर्दी में मस्जिद में आया था। जहां नमाज के दौरान उसने खुद को बम से उड़ा लिया, जिसमें 101 लोगों की मौत हो गई और 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मृतकों में अधिकतकर पुलिसकर्मी हैं। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस चीफ मोअज्जम जाह अंसारी ने गुरुवार को बताया कि हमलावर आत्मघाती था और एक सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि वह पुलिस की वर्दी पहने हुए था और उसने मास्क और हेलमेट पहना हुआ था।

पुलिस चीफ ने बताया कि हमलावर का सिर बरामद हो गया है। साथ ही एक बॉल बीयरिंग भी बरामद हुआ है, जो सुसाइड जैकेट में इस्तेमाल किया जाता है। पुलिस ने बताया कि हमलावर जिस मोटरसाइकिल से आया था, उसका पता चल गया है। पुलिस चीफ ने बताया कि विस्फोट के लिए 10-12 किलो टीएनटी इस्तेमाल किया गया, जिसकी वजह से धमाका इतना तेज हुआ कि मस्जिद की छत और दीवारें भी गिर गईं। इसकी वजह से ही मरने वालों की संख्या इतनी ज्यादा पहुंच गई।

मरियम नवाज ने लगाए पूर्व आईएसआई चीफ पर आरोप

पेशावर बम विस्फोट को लेकर मुस्लिम लीग नवाज की नेता और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज ने पूर्व आईएसआई चीफ जनरल फैज हामिद पर गंभीर आरोप लगाए और उन्हें पेशावर हमले के लिए जिम्मेदार ठहराया। मरियम नवाज ने कहा कि इमरान खान के करीबी जनरल फैज हामिद पेशावर में बतौर आर्मी कमांडर तैनात थे और उन्होंने ही आतंकवादियों के लिए रास्ते खोले। मरयम नवाज ने कहा कि वह इमरान खान के आंख, हाथ और कान होते थे, अगर वह पाकिस्तान के हाथ, कान और आंखें होते तो आज हालात अलग होते। मरियम नवाज ने कहा कि फैज हामिद ने क्यों कहा कि आतंकवादी हमारे भाई हैं और उन्हें पाकिस्तान आने का न्योता दिया। क्यों उन्होंने खूंखार आर्तकियों को जेल से रिहा किया?

अगवा करने वाले नक्सली को आईएएस ने नहीं पहचाना

दंतेवाड़ा, 2 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के तत्कालीन कलेक्टर एलेक्स पॉल मेनन ने उनका अपहरण करने वाले नक्सली को पहचानने से इनकार कर दिया है। दंतेवाड़ा में एनआईए की विशेष अदालत में उन्हें गवाही के लिए बुलाया गया था। जहां उन्होंने नक्सली हेमला भीमा को पहचानने से इनकार कर दिया है। इस मामले में अब तक कुल 16 गवाहों के बयान दर्ज किया गए हैं। कोर्ट में अपने बयान में उन्होंने कहा कि, 21 अप्रैल 2012 को सुकमा जिले के केरलापाल स्थित मांझी पारा में जल संरक्षण कार्यों के नक्शे का अवलोकन कर रहा था। उसी समय वहां पर गोली चलने की आवाज आई। गोली की आवाज सुनकर मैं खुद को बचाने के लिए जमीन पर लेट गया था। सभी इधर-उधर भागने लगे थे। मैंने देखा कि मेरे एक गनमैन किशन कुजूर जमीन पर गिरे हुए थे।

एलेक्स पॉल मेनन ने बताया कि उसी समय किसी व्यक्ति ने कहा कि साहब आप भाग जाएं। तब मैं भाग कर अपने वाहन से आगे जा रहा था। तभी रास्ते में 3-4 बंदूकधारी नकाबपोश लोग सामने आ गए। पूछे कि कलेक्टर कौन है। फिर मैं सामने आया। जिसके बाद मेरे हाथ को रस्सी से बांध दिया। आंख में पट्टी बांधकर जंगल की ओर कहीं लेकर गए थे। कुछ देर बाद आंख की पट्टी खोल दिए थे।

दहल और ओली की पार्टियों में लगातार बढ़ती जा रही है अविश्वास की खाई

काठमांडो, 2 फरवरी (एजेंसियां)। नेपाल के सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दो सबसे बड़े दलों के बीच अविश्वास की खाई गहराती नजर आ रही है। इस बात के ठोस संकेत हैं कि प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) असहज है। गठबंधन के भीतर पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के बने दबदबे को वह गले नहीं उतार पा रही है। दोनों पार्टियों के बीच मौजूद खाई के साफ संकेत राष्ट्रपति चुनाव के सिलसिले में भी देखने को मिल रहे हैं।

ताजा मामला संवैधानिक परिषद के गठन से सामने आया है। नेपाल में संवैधानिक परिषद के पास काफी अधिकार होते हैं। यह परिषद ही मुख्य न्यायाधीश और 12 विभिन्न संवैधानिक आयोगों के 60 पदाधिकारियों की नियुक्ति करती है। छह सदस्यों की इस परिषद की अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं। संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर, ऊपरी सदन नेशनल असेंबली के सभापति, मुख्य विपक्षी दल के नेता, और सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश इसके सदस्य होते हैं।

अभी परिषद का जिस रूप में गठन हुआ है, उसके मुताबिक इसमें यूएमएल का दबदबा बन गया है। स्पीकर देवराज घिमिरे और नेशनल असेंबली के सभापति गणेश तिमिलसिना दोनों यूएमएल के सदस्य हैं। डिप्टी स्पीकर पद के लिए इंदिरा राणा राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की हैं। यह पार्टी यूएमएल की सहयोगी है। इस तरह परिषद में तीन ऐसे सदस्य हैं, जिनके यूएमएल की नीति के मुताबिक चलने की संभावना है।

यूएमएल की इस मजबूत हैसियत से माओइस्ट सेंटर के नेता परेशान हुए हैं। इसलिए उन्होंने राष्ट्रपति का पद भी यूएमएल को मिलने का विरोध शुरू कर दिया है। जबकि जब गठबंधन बना था, तब इसमें शामिल दलों में सहमति बनी थी कि यह पद यूएमएल को मिलेगा। माओइस्ट सेंटर के सचिव चक्रपाणी खनाल ने कहा है- 'संवैधानिक परिषद में ऐसी स्थिति बनी है, जिससे प्रधानमंत्री पर यूएमएल अध्यक्ष का दबाव बन गया है। इससे केपी शर्मा ओली की हैसियत बहुत मजबूत हो गई है। अब अगर माओइस्ट सेंटर से उनकी पार्टी का कभी मतभेद पैदा हुआ, तो वे सरकार चलाने में समस्या खड़ी कर सकते हैं।'

खनाल ने अखबार काठमांडू पोस्ट से बातचीत में कहा कि अब सबका ध्यान राष्ट्रपति चुनाव पर टिक गया है। इस बीच यूएमएल की ऐसी हैसियत बन गई है, जिससे वह संवैधानिक संस्थाओं में नियुक्ति में निर्णायक भूमिका निभा सकेगी। खनाल ने कहा- 'जहां तक सत्ता के केंद्रीकरण का सवाल है, तो ओली को उस मामले में महारत हासिल है।'

पेपर लीक पर गुजरात सरकार सख्त

गांधीनगर, 2 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य में पेपर लीक की घटनाओं से सख्ती से निपटने के लिए गुजरात सरकार आगामी बजट सत्र में एक विधेयक लाकर कानून बनाने की तैयारी कर रही है। इस कानून के प्रावधान के अनुसार, पेपर लीक करने वाले सभी निजी या सरकारी लोगों को सात साल या उससे अधिक की कैद की सजा होगी। इसके अलावा पेपर खरीदने वाले परीक्षार्थियों के लिए भी सजा का प्रावधान होगा, जिसके लिए तीन साल की सजा तय होगी और उनके खिलाफ भर्ती से आजीवन प्रतिबंध लगाया जाएगा। वर्तमान में सरकार निजी एजेंसी के माध्यम से भर्ती परीक्षा की प्रक्रिया संचालित करती है। लेकिन आगामी भर्ती परीक्षाओं में निजी एजेंसियों की भूमिका कम या ना के बराबर कर दी जाएगी। इसके अलावा परीक्षा के प्रश्नपत्रों को सरकारी प्रेस में प्रिंट करने पर विचार किया जा रहा है, ताकि प्रिंटिंग की लागत भी कम हो और गोपनीयता बनी रहे।

10 फरवरी को आएगा राजस्थान का बजट

अचानक तारीख में बदलाव ; 6 मंत्री-विधायकों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस

जयपुर, 2 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार के इस कार्यकाल का आखिरी बजट 10 फरवरी को पेश करेंगे। गहलोत ने पहले 8 फरवरी को बजट पेश करने की घोषणा की थी, लेकिन अब विधानसभा की कार्य सलाहकार समिति की बैठक में बजट पेश करने की तारीख बदली गई है। वहीं, 3 से 9 फरवरी तक विधानसभा सदन की छुट्टी रहेगी। सीएम गहलोत 16 फरवरी को बजट बहस का जवाब देंगे।

वहीं, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समर्थन में 25 सितंबर को कांग्रेस और निर्दलीय विधायकों के इस्तीफों के मामले में विवाद गहराता जा रहा है। हाईकोर्ट में मामला ले जाने के बाद अब विधानसभा में विशेषाधिकार हनन के मुद्दे पर कांग्रेस और बीजेपी के बीच वार-पलटवार शुरू हो गया है।

अब बीजेपी ने इस्तीफों के लिए दबाव बनाने का आधार बनाकर कांग्रेस सरकार के मंत्रियों और विधायकों के खिलाफ विधानसभा सचिव को विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। 25 सितंबर को स्पीकर के सामने पेश होकर बाकी विधायकों के इस्तीफे सौंपने वाले छह मंत्री-विधायकों पर विशेषाधिकार हनन का आरोप लगाया है।

उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने सीएम के सलाहकार और निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव सौंपा है। संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल के खिलाफ बीजेपी विधायक अशोक लाहोटी ने और मंत्री महेश जोशी के खिलाफ रामलाल शर्मा ने विशेषाधिकार हनन को नोटिस दिया है।

बीजेपी विधायक वासुदेव देवनानी ने मंत्री रामलाल जाट, अनिता भदेल ने सरकारी उपमुख्य सचेतक महेन्द्र चौधरी और जोगेश्वर गर्ग ने कांग्रेस विधायक रफीक खान के खिलाफ विशेषाधिकार हनन को नोटिस दिया है।

बीजेपी ने इस नोटिस में विधानसभा सचिव के हाईकोर्ट में

कांग्रेस विधायकों के इस्तीफों पर टकराव

दिए जवाब को ही आधार बनाया है, जिसमें मर्जी से इस्तीफे नहीं देने का जिक्र है। बीजेपी का तर्क है कि स्पीकर के सामने पेश होने वाले छहों मंत्री विधायकों ने बाकी 75 विधायकों पर इस्तीफे देने के लिए दबाव बनाया जो एक विधायक के विशेषाधिकार का सीधा हनन है।

संयम लोढ़ा के विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पेंडिंग

संयम लोढ़ा के विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। इस मुद्दे पर अब स्पीकर को फैसला करना है। अब बीजेपी ने मंत्री-विधायकों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव विधानसभा सचिव को सौंपा है, जिसमें इस्तीफा को ही आधार बनाया है।

31 जनवरी को विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के खिलाफ सीएम सलाहकार और निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा के विशेषाधिकार हनन के प्रस्ताव को लेकर जमकर हंगामा हुआ था। कांग्रेस विधायकों के इस्तीफे के मामले को स्पीकर के पास लंबित होने के बावजूद हाईकोर्ट में ले जाने पर राजेंद्र राठौड़ के खिलाफ संयम लोढ़ा ने विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पेश किया था।

संयम लोढ़ा का तर्क- स्पीकर के सामने मामला पेंडिंग, कोर्ट जाना विशेषाधिकार हनन

संयम लोढ़ा ने तर्क दिया था कि विधायकों के इस्तीफों का मामला विधानसभा स्पीकर के सामने लंबित था। स्पीकर के सामने लंबित होने के बावजूद राजेंद्र राठौड़ इस मामले को हाईकोर्ट में लेकर गए। स्पीकर के सामने मामला लंबित होने के बावजूद इसे कोर्ट में ले जाना स्पीकर की अवमानना के साथ ही विधानसभा सदस्यों के विशेषाधिकारों का हनन है।

संयम लोढ़ा ने विधानसभा में 31 जनवरी को प्रस्ताव रखते हुए कहा था कि क्या विधानसभा हाईकोर्ट की सबऑर्डिनेट है? जब विधानसभा हाईकोर्ट में लंबित किसी मामले में दखल नहीं देता तो क्या हाईकोर्ट विधानसभा को डिक्टेट करेगा?

राठौड़ ने लिखा- 75 विधायकों पर दबाव डालकर इस्तीफे दिलवाए

उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने सीएम के सलाहकार और निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा के खिलाफ पेश विशेषाधिकार हनन नोटिस में लिखा है कि 75 विधायकों ने दबाव में इस्तीफे दिए थे। सभी विधायकों ने 30 दिसंबर से 10 जनवरी के बीच स्पीकर के सामने पेश होकर इस्तीफे वापस लेने का लेटर दिया, उसमें कहा कि मर्जी से इस्तीफे नहीं दिए थे।

हाईकोर्ट में दिए गए शपथ पत्र में यह साफ लिखा है कि विधायकों के इस्तीफे उनकी मर्जी से नहीं होने के कारण नामंजूर कर दिए गए थे।

राठौड़ ने लिखा है- संयम लोढ़ा की दबाव बनाने में मुख्य भूमिका रही। इस पूरी घटना से उन सभी 75 विधायकों की मानहानी होने के साथ उनकि विधायकों का विशेषाधिकार का हनन हुआ है।

कुख्यात गैंगस्टर अविनाश उर्फ राजू पंडित गिरफ्तार

प्रधान को जान से मारने की धमकी देकर की थी 50 लाख की डिमांड

सवाई माधोपुर, 2 फरवरी (एजेंसियां)। बौंली पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर अविनाश उर्फ राजू पंडित पुत्र दिलीप शर्मा निवासी लोरवाडा सूरवाल को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अविनाश उर्फ राजू पंडित को जयपुर से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। बौंली एसएचओ कुसुमलता ने बताया कि प्रधान कृष्ण पोसवाल ने 15 जनवरी 2023 को बौंली थाना पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें प्रधान ने बताया कि 12 जनवरी को गैंगस्टर अविनाश उर्फ राजू पंडित ने उन्हें व्हाट्सएप के जरिए किडनैप कर जान से मारने की धमकी दी। इसी के साथ ही 50 लाख रुपए की राशि की मांग की थी। प्रधान ने रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि आरोपी आए दिन उन्हें जान से मारने की धमकी देता है। एसएचओ कुसुमलता मीणा के निर्देशन में एएसआई दौलत सिंह ने कार्रवाई करते हुए आरोपी अविनाश उर्फ राजू पंडित को प्रोडक्शन वारंट पर जयपुर जेल से गिरफ्तार किया है। जिसे अब न्यायालय में पेश किया जाएगा। पूर्व में भी 5 अप्रैल 2022 को आरोपी ने प्रधान कृष्ण पोसवाल को जान से मारने की धमकी दी थी। जिस पर बौली थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया था।

प्रधान ने रिपोर्ट में बताया था कि गैंगस्टर राजू पंडित आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। वहीं आरोपी ने 13 जनवरी को भी निवाई की एक बर्थडे पार्टी में अवैध हथियारों से फायरिंग की है। जिस पर निवाई पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया गया। एसएचओ कुसुम लता मीणा ने बताया कि आरोपी राजू पंडित अपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। जिसके खिलाफ विभिन्न थानों पर 14 मुकदमे दर्ज है।

यूथ-कांग्रेस में 5 दिन में 3 लाख से ज्यादा मेम्बरशिप

27 फरवरी को पूरी होगी मेंबरशिप के साथ वोटिंग, पूनिया-सतवीर के बाद अब मूंड और सूरा भी दौड़ में

अभिमन्यू, सतवीर और सुधींद्र के बीच होगी कड़ी टक्कर

जयपुर, 2 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में यूथ कांग्रेस के चुनाव के लिए 5 दिन में 3 लाख से ज्यादा मेम्बरशिप हो चुकी है। राजस्थान में यूथ कांग्रेस के चुनाव के लिए मेम्बरशिप के साथ वोटिंग 28 जनवरी से शुरू हुई थी। 28 जनवरी से 1 फरवरी तक पांच दिन में 3 लाख से ज्यादा मेम्बर यूथ कांग्रेस से जुड़े हैं और इन्होंने वोटिंग भी की है। यूथ कांग्रेस के चुनाव में 27 फरवरी तक वोटिंग चलेगी।इसके बाद राजस्थान में तमाम पदों के लिए यूथ कांग्रेस के रिजल्ट जारी कर दिए जाएंगे।

यूथ कांग्रेस में इस बार चुनाव पिछले चुनावों से पूरी तरह अलग है। इसबार यूथ कांग्रेस का चुनाव मेम्बरशिप और उसमें खर्च होने वाले पैसे के इर्द-गिर्द घूम रहा है। ऐसे में इस बार प्रचार का उतना बड़ा रोल नहीं है जितना आमतौर पर हुआ करता था। प्रत्याशियों का फोकस मेम्बर बनाने पर है। क्योंकि मेम्बरशिप के दौरान ही वोटर यूथ के लिए वोटिंग कर देगा। ऐसे में सभी प्रत्याशियों का फोकस मेम्बरशिप पर है।

अबतक सुरेंद्र मूंड और यशवीर सूरा प्रभावी

यूथ कांग्रेस के चुनाव को में पहले अभिमन्यू पूनिया और सतवीर चौधरी के बीच सबसे प्रमुख मुकाबला देखा जा रहा था। मगर पिछले कुछ दिनों में दो और प्रत्याशी सुधींद्र मूंड और यशवीर सूरा भी प्रभावी रहे हैं। 5 दिन में सुरेंद्र मूंड और यशवीर सूरा काफी एक्टिव नजर आए। दोनों ही जाट प्रत्याशी हैं। दोनों प्रत्याशी राजस्थान में किसी भी खेमे से विशेष रूप से जुड़े हुए नहीं हैं। ऐसे में अब मूंड और यशवीर भी अध्यक्ष बनने की रेस में शामिल हो गए हैं।

15 लाख के पार जा सकती है मेम्बरशिप

यूथ कांग्रेस और कांग्रेस के लोगों का मानना है कि राजस्थान में 27 जनवरी तक इस बार मेम्बरशिप 15 लाख के पार जा सकती है। ये लाखों युवा राजस्थान में यूथ कांग्रेस के लिए वोट करेंगे। इन्हीं के वोटों के आधार पर यूथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष, 8 उपाध्यक्ष, 45 महासचिव सहित जिला स्तर के पदाधिकारी चुनें जाएंगे।

पूनिया और सतवीर अब होंगे एक्टिव

यूथ कांग्रेस के इस चुनाव के लिए पहले से ही अभिमन्यू पूनिया और सतवीर चौधरी के बीच मुकाबला माना जा रहा था। यूथ कांग्रेस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि दोनों ही प्रत्याशी अब एक्टिव होंगे। अभिमन्यू पूनिया जहां मुकेश भाकर के करीबी माने जाते हैं।

वहीं दूसरी ओर सतवीर चौधरी आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ के करीबी हैं। ऐसे में यह मुकाबला राजस्थान में गहलोत और पायलट खेमे के बीच भी देखा जा रहा है। चुनाव के लिए पूनिया ने हाल ही में एक वीडियो भी जारी किया है।

पिकअप से बांधकर उखाड़ ले गए एटीएम

7 नकाबपोश बदमाशों की करतूत सीसीटीवी में कैद

जयपुर, 2 फरवरी (एजेंसियां)। बैंक ऑफ बड़ौदा का एटीएम उखाड़कर पिकअप में डालकर ले गए। मात्र 10 मिनट में 7 नकाबपोश बदमाशों ने इस वारदात को अंजाम दिया है। पहले पिकअप से एटीएम को बांध दिया। उसके बाद पिकअप से खींचकर पूरी एटीएम ही उखाड़ दिया। उसके बाद उसे गाड़ी पर रखा और चलते बने। मामला जयपुर से करीब 30 किलोमीटर दूर बगरू का है। एडिशनल डीसीपी (वेस्ट) राम सिंह ने बताया कि बगरू कस्बे में लिंक रोड पर बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा है। उसके पास ही बैंक का एटीएम लगा हुआ है। गुरुवार तड़के करीब 3 बजकर 34 मिनट पर 7 बदमाश पिकअप लेकर आए। बदमाश करीब 3 मिनट तक वहां कोई हलचल नहीं करते हैं। कुछ क्षण बाद पिकअप से नकाबपोश 6 बदमाश उतरते हैं। ड्राइवर गाड़ी में ही बैठा रहता है। बदमाश एटीएम बूथ में लगे सीसीटीवी को तोड़ देते हैं। इसके बाद एटीएम को एक वायर से बांधकर पिकअप की मदद से खींचते हैं। महज 4 मिनट में एटीएम को उखाड़ लेते हैं। बूथ से बाहर निकालकर लाने के बाद बदमाश एटीएम को उठाकर पिकअप में डाल लेते हैं। पिकअप में एटीएम दिखाई नहीं दे, इसलिए उसके ऊपर कंबल डाल देते हैं। बदमाशों को इस वारदात को करने में मात्र 10 मिनट का समय लगा है। गुरुवार सुबह लोगों ने एटीएम के बाहर कांच टूटा हुआ देखा तो लूट की सूचना पुलिस को दी। बगरू थाना पुलिस ने मौके से एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाए हैं। बैंक प्रशासन ने पुलिस को बताया कि लूटे गए एटीएम में 4 लाख 57 हजार रुपए थे।

पुलिस का कहना है कि बदमाशों ने एटीएम लूट से पहले रेकी की होगी। रेकी के बाद ही लूट की वारदात को अंजाम दिया गया है। बदमाश जानते थे कि बैंक और एटीएम पर कोई भी सिक्योरिटी गार्ड मौजूद नहीं है।

पुलिस और डकैतों के बीच गोलीबारी

30 फीट ऊंचे मकान से डकैत कर कर रहे थे फायर, पुलिस ने घेरकर दबोचा

धौलपुर, 2 फरवरी (एजेंसियां)। धौलपुर के मुंडपुरा गांव की पहाड़ियां मंगलवार को दोपहर 12 से 3 बजे तक गोलियों की आवाज से गूंज रही थी। एक तरफ से डकैत केशव के 2 साथी उसका छोटा भाई डकैत नरेश गुर्जर और बंटी पंडित गोलियां बरसा रहे थे तो दूसरी तरह पुलिस टीम की बंदूकें इस फायरिंग का जवाब दे रही थीं। आखिरकार दोनों डकैत जवाबी फायरिंग से डरकर भागने लगे और पुलिस ने उन्हें घेरकर पकड़ लिया।

दस साल से फरार चल रहे सवा लाख के इनामी कुख्यात डकैत केशव गुर्जर को एक दिन पहले डांग पहाड़ियों में सोने का गुर्जा इलाके में मुठभेड़ के बाद पुलिस ने गिरफ्तार किया था। एनकाउंटर के दौरान उसके पैर में गोली लगी और वो गिर गया था। इसी दौरान केशव की गैंग में शामिल उसका छोटा भाई डकैत नरेश गुर्जर और साथी बंटी पंडित बारिश का फायदा उठाते हुए मौके से भाग निकले। पुलिस टीमें लगातार उनका पीछा कर रही थीं।

मंगलवार सुबह साढ़े 10 बजे कॉन्स्टेबल अशोक को मुखबिर से सूचना मिली कि डकैत नरेश गुर्जर और बबलू पंडित मुंडपुरा के आस-पास डांग पहाड़ियों में छिपे हुए हैं। इस इन्फॉर्मेशन के बाद डांग में सर्च ऑपरेशन चला रही सभी पुलिस टीम अलर्ट हो गई।

बाड़ी सीओ मनीष कुमार की अगुवाई में सभी टीमें एक साथ घेराबंदी करते हुए मुंडपुरा की तरफ रवाना हो गई। इसी दौरान पुलिस सोर्स के जरिए भास्कर टीम को भी जानकारी मिल गई कि सभी पुलिस टीमें एक साथ मुंडपुरा की तरफ किसी बड़े ऑपरेशन को अंजाम देने जा रही है। तुरंत ही तय किया कि हम मौके पर जाएंगे।

सुबह करीब 11 बजे हम मोबाइल में डांग क्षेत्र के मुंडपुरा गांव की लोकेशन डाल कर रवाना हो गए। थोड़ी देर हाईवे से गुजरने के बाद कार कच्चे और पथरीले सुनसान रास्तों पर थी। यहां नेटवर्क मिलना बंद हो गया और जीपीएस ने काम करना बंद कर दिया। कहीं दूर-दूर तक कोई भी हमें गाइड करने वाला नहीं था। आखिर थोड़ा इंतजार करने के बाद एक गडरिया वहां से गुजरता हुआ दिखा। उससे हमने रास्ता पूछा। अभी हम 20 किमी दूर थे। यहां से रवाना हुए और मुंडपुरा गांव में पहुंचे।

'बाजरा' और 'गोबर' बदल सकते हैं प्रदेश की तकदीर

केंद्र ने मोटे अनाज को 'श्री अन्न' घोषित किया, राजस्थान में बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

जयपुर, 2 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की बजट घोषणाओं के बाद बाजरा राजस्थान में लाखों लोगों के लिए रोजगार के नए अवसरों को पैदा करने वाला साबित हो सकता है। संसद में बुधवार को पेश किए गए बजट में बाजरे और पशुओं के गोबर से जुड़ी दो घोषणाएं राजस्थान की किस्मत पलट सकती हैं। भारत को मोटे अनाज उत्पादन में वैश्विक हब बनाने और ऑर्गेनिक खाद के लिए 10 हजार गोबर इनपुट केंद्र खोलने की घोषणा की गई है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बाजरा को श्री अन्न (भगवान का भोजन) नाम दिया है। राजस्थान बाजरा उत्पादन में देश में पहले नंबर पर है। यहां परम्परागत रूप से सदियों से बाजरा, जौ, ज्वार, मक्का जैसे मोटे अनाज उगाए जा रहे हैं। राजस्थान में करीब 5 करोड़ 50 लाख लोग खेती से सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि राज्य सरकार इन घोषणाओं पर गंभीरता से काम करें तो राजस्थान में रहने वाले 7.50 करोड़ में से 5.50 करोड़ लोगों की तकदीर बदल सकती है।

मोटे अनाज के बारे में केन्द्रीय बजट घोषणाएं

मोटे अनाज की खेती के लिए मिलने वाले खाद पर 50 प्रतिशत की छूट रहेगी। मोटे अनाज उत्पादन के लिए ऑर्गेनिक खाद तैयार करने के लिए देश भर में 10,000 बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर (गोबर संग्रहण के लिए) स्थापित किए जाएंगे। इसे गोबर धन स्कीम का नाम दिया गया है। युवाओं के लिए एग्री स्टार्टअप खोलने के लिए आसान किश्तों पर बैंकों से लोन मिल सकेगा। सरकार इसके लिए बैंकों को कृषि वर्धक निधि के तहत आर्थिक सहायता देगी। किसानी के लिए 20 लाख करोड़ रुपए का कृषि ऋण फंड बनाया जाएगा, जिसके तहत किसानों को सीधे लोन मिल

बाजरे के उत्पादन में राजस्थान अव्वल

सकेगा।

कृषि मंत्रालय के अनुसार देश में 4 हजार 685 टन वार्षिक उत्पादन के हिसाब से राजस्थान पूरे देश में नंबर वन पर है। राजस्थान के बाद 1939 और 1019 टन वार्षिक उत्पादन के लिए उत्तर प्रदेश और हरियाणा का नंबर आता है। ऐसे में बाजरे की मार्केटिंग से जुड़ी विशेष योजना लागू होने से राजस्थान के खेतों से निकलकर बाजरा दुनिया भर की भोजन थालियों में पहुंच सकता है। ऑर्गेनिक खाद बनाने के लिए देश भर में जो 10 हजार केंद्र खोले जाने हैं, उनके जरिए लोगों को अब गोबर भी कमा कर देगा। यूपी के बाद पशुपालन में राजस्थान दूसरे नंबर पर आता है। यहां 56.8 मिलियन पशु पाले जाते हैं। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि राजस्थान में भी अन्य राज्यों के मुकाबले ऑर्गेनिक खाद केंद्र ज्यादा स्थापित होंगे। इससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। बजट में वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा है कि दुनिया भर में करीब 700 करोड़ (सात अरब) लोग हैं, जिनके सामने सबसे बड़ा संकट भूख से लड़ना है। ऐसे में भारत के मोटे अनाज ऐसी फसल है, जो कम पानी और कम जमीन पर ज्यादा उगाई जा सकती है। इस फसल का उत्पादन बढ़ाकर भारत विश्व की 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था से आगे बढ़कर पहले नंबर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। वनस्पति-कृषि वैज्ञानिक प्रो. एन. एस. राठौड़ (पूर्व कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर, जयपुर) ने भास्कर को बताया कि राजस्थान के लिए बाजरा उत्पादन को बढ़ाने से बेहतर और कुछ नहीं हो सकता। हमारे यहां पानी की कमी है। ऐसे में बाजरा ही मुफीद है। बाजरा 5-एफ (फूड-भोजन, फैब्रिक-कपड़ा, फर्टिलाइजर-खाद, फ्यूल-ईंधन, फॉडर-चारा) की जरूरतों को पूरा करने वाला अनाज है। बाजरे का उत्पादन और खपत बढ़ने से पानी की भी बचत होगी और कम जमीन से ज्यादा लोगों की खाद्यान्न जरूरतें पूरी हो सकेंगी।

राजस्थान सरकार को अपना बजट केंद्र के इस बजट को ध्यान में रखते हुए ही तैयार करना चाहिए, ताकि इस बजट और इसकी घोषणाओं का लाभ राजस्थान को मिल सके। वनस्पतिशास्त्री और जोधपुर व बीकानेर विश्वविद्यालयों में कुलपति रहे प्रो. पी. सी. त्रिवेदी ने भास्कर को बताया कि बाजरा उत्तर, पश्चिम व मध्य भारत की जलवायु के अनुसार श्रेष्ठ फसल है।

राजस्थान में 15 फरवरी तक रहेगा सर्दी का असर

अगले 2 से 4 दिनों में दिन में बढ़ेगी गर्मी, 4 शहरों में तापमान 5 डिग्री से नीचे

जयपुर, 2 फरवरी (एजेंसियां)। फाल्गुन का महीना आने में अभी 15 दिन का समय है, लेकिन इससे पहले लोगों को तेज सर्दी से राहत नहीं मिलेगी। मौसम केन्द्र नई दिल्ली ने फरवरी के लिए जो फोरकास्ट जारी किया है, जिसमें मिड फरवरी तक राजस्थान सुबह-शाम तेज सर्दी का अनुमान जताया है। इस दौरान न्यूनतम तापमान सामान्य या उससे नीचे रहने की संभावना है। हालांकि दिन में अगले 2-4 दिन से सूरज की तपिश बढ़ने लगेगी और दिन में गर्मी का असर थोड़ा तेज होने लगेगा।

मौसम केन्द्र दिल्ली के मुताबिक फरवरी में बीकानेर, जयपुर, कोटा और जोधपुर संभाग के कई जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य रहने और उदयपुर संभाग के जिलों में सामान्य से थोड़ा कम रह सकता है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक दिन का तापमान कई शहरों में फरवरी के मिड तक 26 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच सकता है। वहीं रात का न्यूनतम तापमान 10 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। सिरोही के माउंट आबू में न्यूनतम तापमान आज माइनस से हटकर जीरो पर आ गया है। यहां लगातार तीसरा दिन है जब तापमान जमाव बिंदू या उससे नीचे रहने के कारण बर्फ जमी है। संभावना है कि कल से माउंट आबू में भी तापमान सिंगल डिजिट में दर्ज हो सकता है। इससे लोगों को सर्दी से थोड़ी राहत मिलेगी। अन्य शहरों में आज भी तापमान में गिरावट हुई। चूरू, उदयपुर, जैसलमेर, फतेहपुर में तापमान कल की तुलना में आज 1 से लेकर 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरा है।

राज्य में आज मौसम की स्थिति देखे तो 4 शहरों में आज न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। माउंट आबू के बाद 2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ फतेहपुर दूसरा सबसे ठंडा शहर रहा।

ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी बाइक, 3 की मौके पर मौत

अंधेरे में पता नहीं चला आगे कौनसा वाहन, टक्कर लगते ही तीनों उछले

बाड़मेर, 2 फरवरी (एजेंसियां)। एक सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर लगते ही तीनों उछल सड़क पर दूर-दूर जाकर गिरे। टक्कर इतनी भयंकर थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली से भिड़ते ही एक का हेलमेट सिर से अलग होकर सड़क पर जा गिरा। वहीं बाजार से खरीदा सामान और टिफिन भी बिखर गया। घटना बाड़मेर शहर के रीको थाना क्षेत्र के रासाराम प्याऊ के पास की है। इधर, घटना की जानकारी मिलने पर रीको पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को पिकअप में डाल बाड़मेर के डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल लाया गया।

डीएसपी आनंदसिंह पुरोहित मातासर भूरटिया गांव निवासी अन्नाराम पुत्र मजनाराम (30), बकताराम पुत्र पांचाराम (30) और मोटाराम पुत्र नवलाराम (28) तीनों गांव से बाड़मेर शहर में बुधवार को काम करने के लिए आए थे। शामकरीब 7 बजे तीनों युवक अपना-अपना काम निपटाकर एक ही बाइक पर गांव लौट रहे थे। शहर से करीब सिणधरी रोड की तरफ 7 किलोमीटर आगे रासाराम की प्याऊ कुड़ला के पास सामने से आ रही तेज रोशनी की गाड़ी के दौरान आगे चल रहा ट्रैक्टर दिखाई नहीं दिया और बाइक सवार ट्रॉली से जा भिड़े। स्पीड ज्यादा होने के कारण तीनों युवक उछल कर सड़ पर दूर-दूर जाकर गिरे। हादसे के बाद लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। ड्राइवर ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया। अभी तीनों के शवों को बाड़मेर डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। तीनों युवक गांव से शहर काम पर आते थे और साथ में दिन का खाना लेकर आते थे। हादसे के बाद घर के लिए खरीदा सामान व टिफिन सड़क व किनारे बिखर गए। वहीं हेलमेट भी दूर जाकर गिर गया। हादसे के बाद वहां पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। बाड़मेर सिणधरी हाईवे पर जाम लग गया।

फॉर्मूला ई रेस के लिए पुख्ता सुरक्षा इंतजाम

पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा की

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हुसैन सागर झील के आसपास 11 फरवरी से होने वाली फॉर्मूला ई रेस के लिए पुख्ता सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में दुनिया भर से करीब 21,000 दर्शकों के आने की उम्मीद है। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने गुरुवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 2.8 किमी के रेस ट्रैक, दर्शकों के स्टैंड और प्रवेश/निकास बिंदुओं का निरीक्षण किया। उन्होंने आयोजकों की तैयारियों और अन्य सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा की। लगभग 575 पुलिस कर्मियों को मानव सुरक्षा और यातायात को नियंत्रित करने के लिए तैनात किया जाएगा। भीड़ को मुक्त करने के लिए कुल 16 स्टैंड, सात गेट और चार फुट ओवर ब्रिज बनाए गए हैं। हैदराबाद पहली बार इस तरह के आयोजन की मेजबानी कर रहा है, उन्होंने कहा और कहा, यहां इसकी मेजबानी करना राज्य सरकार के नवाचार, महत्वाकांक्षा और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करता है ताकि बिजली के भविष्य की दिशा में बदलाव में तेजी लाई जा सके। "आयोजक अगली पीढ़ी की इलेक्ट्रिक कारों को जनता के करीब लाने के लिए शहर के बीचोबीच इस कार्यक्रम को आयोजित करना पसंद करते हैं। शहर की पुलिस हर संभव सहायता करेगी और सुनिश्चित करेगी कि सुरक्षा उपायों को अधिकतम स्तर तक बढ़ाया जाए।

इस बीच, ट्रैक पर लंबित कार्यों और अन्य व्यवस्थाओं को सुगम बनाने के लिए एनटीआर मार्ग रविवार को बंद रहेगा। पुलिस सात फरवरी से पांच दिनों के लिए ट्रैफिक डायवर्जन एडवाइजरी जारी करेगी। पुलिस आयुक्त ने लोगों से यातायात पुलिस के साथ सहयोग करने और अपनी यात्रा के लिए मेट्रो रेल जैसे वैकल्पिक परिवहन साधनों का उपयोग करने का आग्रह किया। विधान सभा सत्र शुक्रवार से शुरू होने वाले हैं और तेलंगाना सचिवालय का उद्घाटन 17 फरवरी को है, इसलिए गणमान्य व्यक्तियों और वीवीआईपीएस की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। आज की यात्रा के दौरान, स्कॉट एंडरसन, फॉर्मूला ई सुरक्षा निदेशक, विक्रम सिंह मान, अतिरिक्त सीपी (एल एंड ओ), सुधीर बाबू, संयुक्त पुलिस आयुक्त-यातायात, श्रीनिवासुलु, संयुक्त पुलिस आयुक्त (सीएआर और प्रशिक्षण) और अन्य उपस्थित थे।

एक शाम श्री खेतलाजी भैरुजी के नाम जागरण कल

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुट्टा स्थित सीरवी समाज श्री आईमाता मंदिर में माघ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी के पावन अवसर पर शनिवार 4 फरवरी रात्रि 9.15 बजे से श्री खेतलाजी भैरुजी महाराज का जागरण आयोजित किया जाएगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति मे सचिव किशनसिंह राठौड़ ने बताया कि प्रात: वेला मे श्री आईमाताजी व श्री खेतलाजी भैरुजी के मंदिर को विशेष फूलों से सजाकर श्रृंगारकर पूजा-अर्चना, ज्योत प्रज्वलितकर रात्रि 9.15 बजे जागरण का आयोजन किया जाएगा। इसमें चेतननाथ एंड पार्टी अलवाल खेतलाजी भैरुजी के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे।

पधारे भक्तों के लिए विशेष प्रसाद की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। अध्यक्ष जे.सी.चोलाराम हाम्बड़ ने समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन करते हुए बताया कि माघ मास के पावन अवसर पर जो समाज बन्धु व भक्तगण सपरिवार जागरण में सम्मेलित होकर श्री खेतलाजी भैरुजी महाराज के चरणों मे श्रीफल भेंटकर दर्शन वंदन करते हैं, उस परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

सोशल मीडिया निगरानी टीमों को अफवाह फैलाने वालों पर नजर रखने के निर्देश

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)।11 फरवरी को आयोजित होने वाली फॉर्मूला ई रेस और 17 फरवरी को निर्धारित नए सचिवालय उद्घाटन और कल से होने वाले विधानसभा सत्र और बहु-धार्मिक त्योहारों (शिवरात्रि, शिवाजी जयंती, जगने के रथ) सहित प्रमुख कार्यक्रमों की श्रृंखला 3 में मनाई जाएगी। इस महीने के सप्ताह में, शहर के पुलिस आयुक्त श्री सीवी आनंद ने सुरक्षा, यातायात व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए सभी डीसीपी, एसीएसपी, कानून व्यवस्था, यातायात और अन्य विंग के एसएचओ के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की। सीपी आनंद ने कई निर्देश जारी किए और सतर्क रहने का आह्वान किया। शीर्ष अधिकारियों ने आम जनता, वीवीआईपी और गणमान्य व्यक्तियों दोनों के लिए निर्बाध आवाजाही की सुविधा के लिए स्पष्ट यातायात प्रबंधन और डायवर्जन योजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में शून्य त्रुटि पहुंच नियंत्रण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे पास प्रमुख चौराहों, गलियों और उपनगरों आदि पर पर्याप्त बल तैनात है। यातायात अधिकारियों को फॉर्मूला-ई दौड़ के संबंध में लगाए जाने वाले डायवर्जन के बारे में लोगों को संवेदनशील बनाने के लिए सभी प्लेटफार्मों पर डिजिटल अभियान और अन्य प्रकार के अभियान चलाने चाहिए। सीपी ने सोशल मीडिया निगरानी टीमों को अफवाह फैलाने वालों पर नजर रखने के निर्देश दिए। ज्वाइंट सीपी (एसबी) श्री पी. विश्वप्रसाद ने सभी उपस्थित लोगों को प्रमुख घटनाओं और बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में अवगत कराया। बैठक में अतिरिक्त सीपी कानून-व्यवस्था विक्रम सिंह मान, जे.परिमाला हाना नूतन, जेटीसीपी एडमिन, डी.सुनिता रेड्डी डीसीपी आईसीसीसी ने बैठक में भाग लिया।

शोभायात्रा के साथ श्री लक्ष्मीनारायण पंचकुण्डीय महायज्ञ व श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ शुरू

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बंगारु महिषम्मा मंदिर में श्री लक्ष्मीनारायण पंचकुण्डीय महायज्ञ व श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का प्रथम दिवसीय आयोजन संपन्न हुवा। इस संदर्भ में मंदिर के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उपरोक्त ज्ञान यज्ञ के प्रथम दिवस पर प्रातःकाल में शोभा यात्रा एवं मंडप प्रवेश जो सिद्धिअंबर बाजार माता मंदिर से कथा स्थान तक आयोजित किया गया तथा सायं वेला में चित्रकूट धाम के आचार्य सुखेन्द्र शास्त्रीजी महाराज के मुखारविन्द से श्रीमद्भागवत कथा श्रवण किया गया।

इसमें भागवत रुपी फल का रसपान करते हुए उक्त शोभायात्रा में बंगारु महिषम्मा मंदिर के भक्तगण शामिल हुए। भागवत रुपी कथा में भक्ति किसे कहते पर विस्तृत जानकारी दी गयी। इस शुभावसर पर श्रीमती एनके सिंह, श्रीमती एसके वर्मा, विशेष अतिथि के रूप में समाजसेवी गोविंद राठी तथा बीआरएस नेता एम. आनंद गौड सहित प्रकाश शुक्ला, भगवानदास नरसिंहराव, नरसिंहभान यादव, भरत मान सिंह, साईबाबा व्यास व अनिल महाराज पुजारी उपस्थित हुवे।

श्री आई माताजी मंदिर (बडेर) की प्राण-प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ 6 से

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी स्थित श्री आई माताजी मंदिर (बडेर) में सीरवी समाज बंधुओं के सान्निध्य में श्री आई माताजी मंदिर का तीन दिवसीय प्रथम वर्षगांठ व ध्वजारोहण समारोह कार्यक्रम 6 फरवरी सोमवार से 8 फ़रवरी तक मनाया जाएगा। वार्षिकोत्सव मनाने के लिए तैयारियां बड़े ही धूम -धाम से चल रही है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में संगारेड्डी बडेर के अध्यक्ष रुगाराम परिहारीया व सचिव घीसाराम काग ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा प्रथम वर्षगांठ व ध्वजारोहण समारोह कार्यक्रम को लेकर समाज बंधुओं में अपनी सच्ची लगन और निष्ठा से बड़े ही उत्साह के साथ कार्यक्रम को लेकर तैयारियां बड़े ही धूम -धाम से चल रही है। समाज बंधुओं के सान्निध्य में श्री आई माताजी मंदिर प्रांगण में तीन दिवसीय का कार्यक्रम आयोजन किया है जिसमे विशेष तोर पर कार्यकर्ताओं द्वारा अलग-अलग टीमों का घट्न कर उन्हें अपना-अपना कार्यभार सौंपा गया है और वार्षिकोत्सव पर मंदिर व पूरे पंडाल में जगमगाती लाइटों से प्रांगण को सजाया गया है। उन्होंने बताया की 6 से 8 फ़रवरी तक प्रतिदिन सुबह 7:15 बजे से (दो पारियों) में हवन यज्ञ के साथ शुरू होगा और दिनभर विभिन्न बोलियों के लाभार्थीयों का स्वागत और विधिवत रूप से पूजा अर्चना करायी जायेगी l दोपहर 1:15 बजे भोजन प्रसाद और शाम 7:15 महाआरती तथा रात्रि 8:15 बजे भोजन प्रसाद होगा। समारोह के अवसर पर नौ कुण्डीय यज्ञ हवन कार्यक्रम में मुख्य यजमान चंदाराम परिहारिया संगारेडी, घीसाराम काग सदाशिवपेट, प्रभुराम काग शंकरपली, कालूराम भायल ज़हीराबाद के अतिरिक्त कुल 108 जोड़े यज्ञ का लाभ लेंगे। महोत्सव पर 7 फ़रवरी को रात्रि 9:15 बजे से एक शाम माताजी के नाम का विशाल भजन संध्या में भजन कलाकार मरुधरा क़ी प्रशिद्ध गायका नीता नायक और जुगल किशोर परिहार एंड पार्टी अपनी मधुर वाणी से भजनों क़ी प्रस्तुति देंगे।

बिहार सहयोग समिति व पार्षद ने आर्थिक सहायता की

आर्थिक तंगी से जूझ रहे युवक की हुई मौत

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लंबी बीमारी और आर्थिक तंगी से जूझ रहे एक युवक की मौत हो गई। सिकंदराबाद के इंदिरा नेहरू नगर, मल्काजगिरी में रहने वाला आकाश (22 वर्ष) काफी दिनों से बीमार चल रहा था। बीमारी के कारण वह कोई काम भी नहीं कर पा रहा था। बीमारी के इलाज के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई थी। युवक आकाश के निधन की सूचना मिलते ही बिहार सहयोग समिति, तेलंगाना के युवा कार्यकर्ता गुलशन यादव, श्रीकांत, नीरज, सूरज, प्रशांत आदि उसके निवास पर जाकर शोक सांत्वना दी और परिजनों को समिति के तरफ से तत्काल दस हजार रुपए की आर्थिक मदद की। इसके बाद समिति के सदस्यों ने समिति के अध्यक्ष बिनय यादव की सलाह पर गौतम नगर के कार्पोरेटर रामू यादव से मिलकर आकाश के परिजनों के खराब आर्थिक स्थिति के बारे में जानकारी देकर आर्थिक मदद करने का अनुरोध किया। पार्षद ने बिहार सहयोग समिति के सदस्यों के अनुरोध पर आकाश के परिजनों को उनके आवास पर जाकर दस हजार रुपए की आर्थिक मदद प्रदान की और आगे भी सहायता देने का आश्वासन दिया।

सीएस शांतिकुमारी ने कांति वेलुगु मेडिकल टीम को बधाई दी

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने पिछले दस दिनों से बीआरकेआर भवन में सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आयोजित विशेष चिकित्सा शिविर में भाग लेने वाले नेत्र रोग विशेषज्ञों और चिकित्सा कर्मचारियों को बधाई दी। हैदराबाद जिला चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी डीएचएमओ डॉ. ए. पद्मजा के तत्वावधान में 19 सदस्यीय मेडिकल टीम ने 23 जनवरी को सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों की आंखों की जांच की। आज समाप्त हुई आंखों की जांच के तहत 1240 लोगों की जांच डॉ. पद्मजा ने प्रकट किया। इनमें 550 लोगों को पढ़ने के लिए चश्मा और 404 लोगों को रेफरल चश्मा मुहैया कराया जाएगा। इस बीच, सीएस शांति कुमारी ने पिछले दस दिनों से कांटी वेलिकम शिविर में भाग लेने वाले डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों को बधाई दी। इस कार्यक्रम में डॉक्टर्स दीप्ति प्रियंका, मनोज रेड्डी, माधुरी के साथ संदीप, दासी रेड्डी, आलेख्य समेत अन्य ने हिस्सा लिया।

बजट समृद्ध भारत के संकल्प के अनुरुप : गजेन्द्रसिंह राजपुरोहित

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री खेतेश्वर गौशाला-निम्बोल, राजस्थान के अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह राजपुरोहित ने बताया कि सर्वसमावेशी तथा समृद्ध भारत के संकल्प के अनुरुप प्रस्तुत किये गये वार्षिक बजट 2023-24 के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बधाई की पात्र है। समृद्ध और विकसित भारत का सपना पूरा करने के लिए किसान, मध्यम् वर्ग एवं युवा शक्ति एक बहुत बड़ी ताकत है। जिनकी हर आवश्यकताओं एवं देश के समग्र विकास को ध्यान मे रखकर बनाया गया अमृतकाल बजट प्रशंसनीय एवं स्वागत योग्य है। सबका साथ सबका प्रयास के जरिये जन भागीदारी की जरुरत को समझते हुए अमृतकाल का यह बजट भारतीय अर्थ व्यवस्था को नयी दिशा देते हुए सामर्थ्यशाली भारत की नीव बनेगा।

बजट में सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखा गया : हरजीराम काग

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय प्रांतीय सीरवी महासभा तेलंगाना के प्रदेशाध्यक्ष हरजीराम काग ने कहा कि गाँव, किसान, युवा, उद्यमी व मध्यमवर्गीय लोगों को ध्यान मे रखकर पेश किये गये बजट के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण का अभिनंदन करता हुँ सभी वर्गो के हितों को ध्यान मे रखते हुए यह आम बजट गाँव-गीरब किसान के लिए, माताओं-बहनों के सम्मान के लिए और झुग्गी-झोपड़ी के इंसान के सपनों को पंख लगाने वाला यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों का बजट है।

गरीब व वंचितों के लिए समर्पित है बजट : हनुमान छिणंग

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अभा आदर्श जाट महासभा तेलंगाना के प्रदेशाध्यक्ष हनुमान छिणंग ने बताया कि अमृतकाल का यह पहला बजट विकसित भारत के विराट संकल्प को पूरा करने के लिए मजबूत नींव का निर्माण करेगा। वित्त मंत्री का यह बजट किसान, गरीब, वंचितों, रेलवे में नयी योजनाओं, मजदूरों को वरीयता देना वाला यह बजट आज की आकांशी सोसाईटी, गाँव, गरीब, किसान, मध्यम् वर्ग व सभी के सपनों को पूरा करने वाला अमृतकाल की ओर मार्ग प्रदर्शन करने वाला प्रशंसनीय बजट है।

कृषि विकास व श्रमिक कल्याणकारी है बजट : दूदाराम बाबल

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जाट समाज ट्रस्ट तेलंगाना के अध्यक्ष दूदाराम बाबल ने कहा कि केन्द्रीय आम बजट सामाजिक न्याय, समानता और समान अवसर की अवधारणा को चरितार्थ करने वाला यह बजट गरीब कल्याण, गरीबों को सशक्त और सक्षम बनाने वाला एवं ग्राम विकास, कृषि विकास, श्रमिक कल्याण, पूर्वोत्तर एवं पहाड़ी क्षेत्रों के विकास को समर्पित बजट के लिए प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री बधाई के पात्र हैं।

जनसमस्याओं पर भाजपा प्रभारी की पदयात्रा जारी

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सेरिलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद ने जनता के मुद्दों को जानने के लिए सेरिलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के तहत एल्विन कॉलोनी डिवीजन के तुलसी नगर और भूदेवी हिल्स का दौरा किया। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने मीडिया को बताया कि सत्ता पक्ष के नेताओं, स्थानीय विधायक व पार्षद द्वारा जमीन हड़पने से आक्रोशित लोगों ने उन्हें आवंटित आवास प्लाट हड़प लिए हैं और पैसे देने की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि जब बारिश होती है, तो बारिश का पानी सड़कों पर आता है और नालियों के पानी के साथ घर में प्रवेश करता है। इसके कारण, वहाँ भयानक दुर्गंध है, मच्छर, मलेरिया, डेंगू और अन्य बीमारियां आती हैं और छोटे बच्चों को लगातार अस्पताल जाना पड़ता है। योगानंद ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि लोग इस बात को लेकर आक्रोशित हो रहे हैं कि वे अपने खर्चे पर जल निकासी की व्यवस्था करा रहे हैं और स्थानीय विधायक व नगरसेवकों को कई बार बता चुके हैं, इसका जवाब नहीं दे रहे हैं।

कार्यक्रम में विजित वर्मा सुरभि रविंदर, श्रवंती रामाराजू, विजित वर्मा, टप्पा रघु, रामकृष्ण, रत्न कुमार, लड्डू, सिद्धू, ईश्वर नरसिम्हा रेड्डी वेणुगोपाल, प्रशंसकों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

शाकद्विपीय मग ब्राह्मण संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर अतिथि भाग लिये रामदेव नागला का सम्मान करते हुए अध्यक्ष मुकेश शांडिल्य, संयोजक संतोष शर्मा, परामर्शदाता मंडल के सदस्य।

अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन में शामिल होंगे विश्नोई महासभा के प्रतिनिधि

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय विश्नोई महासभा एवं जाम्भाणी साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में यूएई के दुबई शहर में 4-5 फरवरी को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन में हैदराबाद तेलंगाना से श्री विश्नोई महासभा, हैदराबाद (रजि.) के अध्यक्ष सोहनलाल जाणी, कोषाध्यक्ष रघुनाथ जाणी, जयराम पूनिया, मेघाराम पूनिया,भागीरथ कड़वासरा एवं अन्य 3 तारीख शुक्रवार को रवाना होंगे। पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करवाने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बूड़िया एवं दुबई में आयोजन का जिम्मा संभाल रहे रमेश बाबल एवं उनकी टीम द्वारा पिछले एक महीने से आयोजन को सफल बनाने की भरसक कोशिश जारी है, खेजड़ली शहादत को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने के लिए दुबई के चार विश्वविद्यालय परिसरों में 363 खेजड़ी के पौधे लगावाए जाएंगे जिसके लिए स्थान चिन्हित किया जा चुका है।

सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय है बजट : सोहनसिंह राजपुरोहित

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। धम्माईगुडा के भाजपा नेता सोहनसिंह राजपुरोहित ने बताया कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व मे वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किया गया आम बजट 2023-24 सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना को समर्पित है। जो समावेशी विकास की दिशा मे देश के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। अमृतकाल बजट पूरी तरह से किसान, महिला, नौकरी-पेशा, व्यापारी, गरीब और युवाओं सहित सभी वर्गो की खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करेगा। नयी कर व्यवस्था मे छूट की सीमा 7 लाख तक बढ़ाकर अमृतकाल का यह बजट नये भारत की नीव रखेगा एवं 130 करोड़ भारतवासियों का जीवन खुशहाल और बेहतर करेगा।

आईएमए के डॉक्टर करीमनगर के 27 गांवों को गोद लेंगे

करीमनगर, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईएमए के 'आओ गांव चलें' कार्यक्रम के तहत जिले के डॉक्टर करीमनगर के 27 गांवों को गोद लेने के लिए आगे आए हैं। स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों के अलावा, ग्रामीणों को पूर्ण चिकित्सा सहायता भी प्रदान की जाएगी। एक डॉक्टर एक गाँव को गोद लेगा और सरकारी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के समन्वय से चिकित्सा शिविर और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगा। आईएमए के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. बीएन राव ने गुरुवार को यहां पत्रकारों से इसकी घोषणा करते हुए कहा कि गांवों को गोद लेने वाले डॉक्टर महीने में एक बार गांवों का दौरा करेंगे, मुफ्त चिकित्सा शिविर लगाएंगे, दवाइयां वितरित करेंगे और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेंगे। वे सुनिश्चित करेंगे कि शिशुओं का टीकाकरण हो, किशोरियों और गर्भवती महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता का प्रदर्शन करें और एनीमिया की जांच करें, मधुमेह और उच्च रक्तचाप से पीड़ित रोगियों की पहचान करें और दवाएं वितरित करें। यह सूचित करते हुए कि उन्होंने डॉ रंगा रेड्डी और डॉ अलीम, डॉ किशन और डॉ झांसी लक्ष्मी की अध्यक्षता में सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामुदायिक सेवा की एक समिति गठित की थी, उन्होंने आशा व्यक्त की कि करीमनगर आईएमए राज्य में एक रोल मॉडल के रूप में उभरेगा।

भारत-न्यूजीलैंड टी-20 के टॉप मोमेंट्स: सूर्यकुमार के कमाल 2 फ्लाइंग कैच, एक को 4 फीट उछलकर पकड़ा; गिल ने एक हाथ से छक्का जड़ा

अहमदाबाद, 2 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने न्यूजीलैंड को पहले टी-20 में 168 रन के रिकॉर्ड अंतर से हरा दिया। मैच में शुभमन गिल ने शानदार 126 रन की नॉटआउट पारी खेली। इस पारी में उन्होंने एक हाथ से 81 मीटर लंबा छक्का जड़ा। सूर्यकुमार यादव बैटिंग में कुछ खास कमाल नहीं कर पाए, लेकिन उसकी भरपाई फील्डिंग में उन्होंने बखूबी की।

बीसीसीआई ने अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम को यह मैच देखने के लिए इनवाइट किया था। विमेंस टीम के लिए सम्मान समारोह भी हुआ। चलिए तमाम मोमेंट्स को फिर से याद कर लेते हैं...

1.गिल ने मारा एक हाथ से छक्का

17वें ओवर में भारत के शुभमन गिल ने एक हाथ से छक्का मारा। ब्लेयर टिकनर ने ऑफ स्टंप के बाहर फुलर लेंथ स्लोअर बॉल डाली। गिल ने इसे भांपा और मिड-ऑफ के ऊपर से छक्का जड़ दिया। गिल इस बॉल पर अपना बैलेंस खो बैठे और उनका एक हाथ बैट से छूट गया। लेकिन, दूसरे हाथ के कंट्रोल से ही बॉल बाउंड्री के बाहर चली गई। गिल इस वक्त 80 रन के स्कोर पर बैटिंग कर रहे थे। वह 126 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने टी-20 इंटरनेशनल करियर का पहला शतक जड़ा। उन्होंने 63 बॉल पर 126 रन की नॉटआउट पारी खेली। इस पारी में 7 छक्के और 12 चौके भी जड़े। शतक के बाद उन्होंने हेलमेट निकालकर हवा में उछल कर सेलिब्रेशन किया(इसके बाद उन्होंने बैट वाला हाथ कमर के पीछे कर दर्शकों के सामने झुककर अपने ट्रेडमार्क अंदाज में शतक को सेलिब्रट किया।

2. सूर्या ने पकड़े 2 फ्लाइंग कैच

दूसरी पारी में पहले ओवर की पांचवीं बॉल पर फिन एलन आउट हुए। हार्दिक पंड्या ने ऑफ साइड पर शॉर्ट ऑफ लेंथ बॉल फेंकी। एलन इस पर कट करने गए, लेकिन बॉल बैट का बाहरी किनारा लेकर स्लिप में चली गई। जहां स्लिप में खड़े सूर्यकुमार यादव ने हवा में छलांग लगाकर शानदार कैच पकड़ लिया। एलन 4 बॉल में 3 रन ही बना सके।

तीसरे ओवर में सूर्यकुमार यादव ने ग्लेन फिलिप्स का भी इसी तरह से कैच पकड़ा। हार्दिक पंड्या ने फिलिप्स को ऑफ स्टंप पर शॉर्ट ऑफ लेंथ बॉल डाली। बॉल ने बैट का बाहरी किनारा लिया और सूर्यकुमार के पास स्लिप में गई, जहां सूर्या ने फिर हवा में उछल कर कैच पकड़ लिया। फिलिप्स 2 रन बनाकर आउट हुए।

3. ब्रेसवेल का डाइविंग कैच

पहली पारी में न्यूजीलैंड के माइकल ब्रेसवेल ने शानदार डाइविंग कैच पकड़ा। 13वें ओवर में ब्लेयर टिकनर की तीसरी बॉल पर सूर्यकुमार यादव ने लेग साइड पर चेक शॉट खेला। बॉल मिड ऑन की ओर हवा में गई, जहां माइकल ब्रेसवेल ने अपने दाहिने तरफ डाइव मारकर शानदार कैच पकड़ लिया। सूर्युकमार यादव 13 बॉल में 24 रन बनाकर आउट हुए।

19वें ओवर में ब्रेसवेल ने एक बार फिर शानदार डाइविंग एफर्ट लगाया। बेन लिस्टर ने ओवर की तीसरी बॉल भारत के शुभमन गिल को लो-फुल टॉस फेंकी।

गिल ने लॉन्ग ऑन की ओर हवा में शॉट खेला, जहां ब्रेसवेल ने हवा में डाइव मारकर एक हाथ से कैच किया, लेकिन डाइव मारने के दौरान बॉल उनके हाथ से छूट गई। बॉल बाउंड्री के बाहर 6 रनों के लिए जा रही थी, लेकिन ब्रेसवेल के प्रयास के बाद एक ही रन आया।

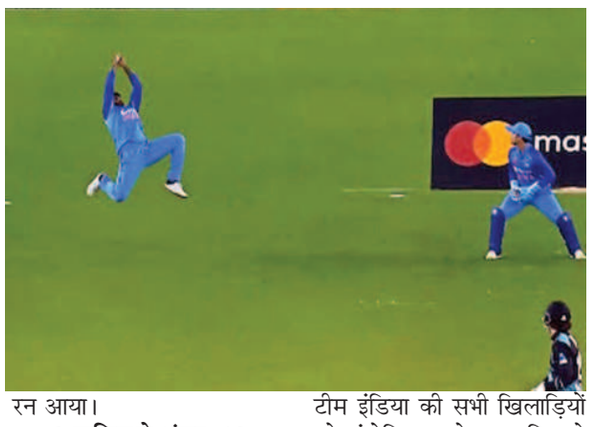

4. सचिन ने अंडर-19 महिला टीम का सम्मान किया

मैच शुरू होने से पहले भारत रत्न सचिन तेंदुलकर ने अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम का सम्मान किया। टीम ने 29 जनवरी को साउथ अफ्रीका में पहला अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप जीता था। टीम इंडिया की सभी खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए सचिन ने कहा कि आप सभी ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

सचिन ने कहा कि यह जीत सालों तक याद रखी जाएगी। सम्मान के साथ बीसीसीआई ने अंडर-19 टीम को पुरस्कार के रूप में 5 करोड़ रुपए की राशि भी भेंट की।

गिल ने तोड़ा विराट का रिकॉर्ड: सबसे कम उम्र में शतक जमाने वाले भारतीय बने, 6 महीने के अंदर तीनों फॉर्मेट में सेंचुरी

अहमदाबाद, 2 फरवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने तीसरे टी-20 मैच में न्यूजीलैंड को 168 रन से हरा दिया। भारत की जीत के हीरो रहे 23 साल के ओपनर शुभमन गिल। वनडे में पिछले चार मुकाबलों में तीन शतक जमाने वाले गिल पहले दो टी-20 में खास प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। इसकी भरपाई उन्होंने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कर दी। तीसरे मैच में उन्होंने 126 रन जोरदार पारी खेली। गिल इसके साथ ही टी-20 इंटरनेशनल में भारत की ओर से सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने विराट कोहली (122 रन) का रिकॉर्ड तोड़ा है।

टी-20 में भारत के सबसे युवा शतकवीर बने

गिल अब टी-20 फॉर्मेट में भारत के सबसे युवा सेंचूरियन बन गए हैं। उन्होंने सुरेश रैना का रिकॉर्ड तोड़ा है। इस रिकॉर्ड की डिटेल्स अगले ग्राफिक में देखिए।

भारतीय बल्लेबाजों का अब तक 13वां शतक

गिल का शतक टी-20 इंटरनेशनल में भारतीय बल्लेबाजों का कुल 13वां शतक है। रोहित शर्मा चार शतकों के साथ सबसे आगे हैं। अगले ग्राफिक में देखिए सभी 13 शतक।

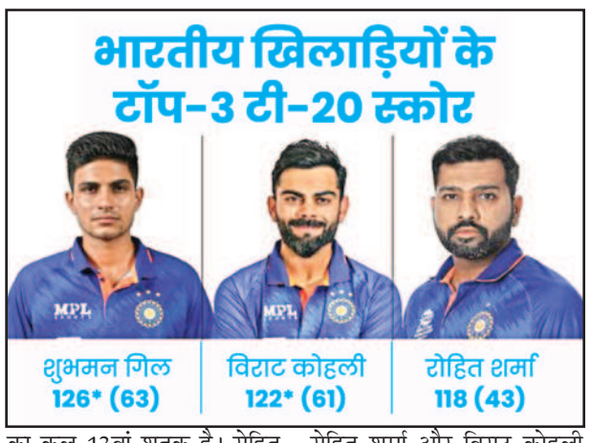

6 महीने में तीनों फॉर्मेट में शतक

गिल किस कमाल की फॉर्म में हैं इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने पिछले 6 महीनों में तीनों फॉर्मेट यानी टेस्ट, वनडे और टी-20 में शतक जमाया है। गिल तीनों फॉर्मेट में शतक जमाने वाले भारत के अब तक के सिर्फ पांचवें और दुनिया के 21वें बल्लेबाज बने हैं। गिल से पहले सुरेश रैना, केएल राहुल, रोहित शर्मा और विराट कोहली यह कारनामा कर चुके हैं।

गिल तीनों फॉर्मेट में शतक जमाने वाले दुनिया के दूसरे सबसे युवा बल्लेबाज हैं। पाकिस्तान के मोहम्मद शहजाद ने 22 साल और 127 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल कर ली थी। गिल ने यह कारनामा 23 साल 146 दिन में किया है।

कीवी टीम भारत में सबसे कम रन ऑलाउट होने वाली टीम

न्यूजीलैंड की टीम तीसरे टी-20 में सिर्फ 66 रन पर ऑलआउट हो गई। यह भारतीय पिचों पर टी-20 इंटरनेशनल में किसी टीम का सबसे कम स्कोर है। तीन सबसे कम स्कोर अगले ग्राफिक में देखिए।

किसी टेस्ट टीम की सबसे बड़ी हार

न्यूजीलैंड की हार टी-20 इंटरनेशनल में किसी टेस्ट टीम की सबसे बड़ी हार है। किसी टेस्ट टीम की सबसे बड़ी जीत श्रीलंका के नाम है। श्रीलंका ने 2007 में केन्या को 172 रन से हराया था। भारत ने टी-20 में टेस्ट टीम की दूसरी सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड बनाया है।

अय्यर की जगह गिल खेलेंगे या सूर्या, तीसरा स्पिनर अक्षर या कुलदीप; कीपिंग कौन करेगा

घर में श्रीलंका और वेस्टइंडीज के खिलाफ व्हाइट बॉल सीरीज खेलने के बाद टीम इंडिया अब टेस्ट मैच खेलने उतरने वाली है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत में ही 9 फरवरी से चार टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू हो रही है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए यह सीरीज भारत के लिए बेहद अहम है। भारत को सीरीज में कम से 2 टेस्ट मैच जीतने ही होंगे।

मेसी के साथी एंजो फर्नांडिज प्रीमियर लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी बने, चेल्सी ने रिकॉर्ड कीमत पर खरीदा

लंदन, 2 फरवरी (एजेंसियां)। फर्नांडीज ने पिछले साल के अंत में कतर विश्व कप के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था। उन्हें यंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड मिला था। फर्नांडीज ने मिडफील्ड में शानदार प्रदर्शन किया था और अर्जेंटीना को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

फुटबॉल विश्व चैंपियन अर्जेंटीना के युवा स्टार एंजो फर्नांडीज इंग्लिश प्रीमियर लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें चेल्सी ने 121 मिलियन यूरो (करीब 1079 करोड़ रुपये) में खरीदा है। फर्नांडीज ने पिछले साल के अंत में कतर विश्व कप के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था। उन्हें यंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड मिला था। फर्नांडीज ने मिडफील्ड में शानदार प्रदर्शन किया था और अर्जेंटीना को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

फर्नांडीज इससे पहले पुर्तगाल के क्लब बेनफिका की ओर से खेल रहे थे। वह पिछले साल जुलाई में बेनफिका के साथ जुड़े थे। तब क्लब ने उन्हें 10 मिलियन पाउंड में खरीदा था। फर्नांडीज ने चेल्सी के साथ साढ़े आठ साल का करार किया गया है।

जैक ग्रीलिश थे सबसे महंगे खिलाड़ी

फर्नांडीज ने प्रीमियर लीग में सबसे महंगे खिलाड़ी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह मैनचेस्टर सिटी और इंग्लैंड के जैक ग्रीलिश से आगे निकल गए हैं। ग्रीलिश को मैनचेस्टर सिटी ने 2021 में इंग्लैंड के ही एस्टन विला क्लब से 100 मिलियन पाउंड में खरीदा था।

चेल्सी ने आठ खिलाड़ियों को खरीदा

चेल्सी की टीम प्रीमियर लीग में फिलहाल 10वें स्थान पर है। उसने जनवरी ट्रांसफर विंडो में आठ खिलाड़ियों को खरीदे हैं। उसने मिखायलो मुद्रिक, बेनोइट बादियाशिले, नोनी माडुएके और पुर्तगाल के स्टार जोआओ फेलिक्स को भी टीम से जोड़ा है। फेलिक्स छह महीने के लिए लोन पर टीम के साथ आए हैं।

बायर्न म्यूनिख के साथ जुड़े कंसेलो

बायर्न म्यूनिख ने सीजन के अंत तक लोन पर मैनचेस्टर सिटी विंग-बैक जोआओ कंसेलो के साथ करार किया है। बायर्न के पास सीजन के बाद कंसेलो को 70 मिलियन यूरो में खरीदने का भी विकल्प होगा। 28 वर्षीय पुर्तगाली डिफेंडर कंसेलो 2019 में जुवेंटस से सिटी में शामिल हुए थे, लेकिन विश्व कप के बाद से मैनेजर पेप गार्डियोला की टीम में उन्हें ज्यादा तवज्जो नहीं मिली।

आर्सेनल ने जोर्जिन्हो को खरीदा

प्रीमियर लीग में शीर्ष पर काबिज आर्सेनल की टीम ने 12 मिलियन पाउंड में चेल्सी से इटली के मिडफील्डर जोर्जिन्हो को खरीदा।

माना जा रहा है कि जोर्जिन्हो ने आर्सेनल के साथ 18 महीने का करार किया है। आर्सेनल की टीम 2004 के बाद पहली बार प्रीमियर लीग जीतने का सपना देख रही है। उसने बेल्जियम के फॉरवर्ड लियांड्रो ट्रोसार्ड को ब्राइटन और पोलैंड के डिफेंडर जाकुब किवियोर को इटली के क्लब स्पेजिया से जनवरी में खरीदा था।

ईशान और साई प्रतीक की जोड़ी थाईलैंड ओपन के दूसरे दौर में, गायत्री-त्रिशा की जोड़ी हारी

खेल डेस्क, 2 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जोड़ी त्रिशा जौली और गायत्री गोपीचंद को जापान की रेना मियाउरा और अयाको साकूरामोतो ने 21-9, 21-10 से हरा दिया।

ईशान भटनागर और साई प्रतीक की जोड़ी ने मंगलवार को सीधे गेमों में जीत हासिल कर थाईलैंड ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली। ईशान और साई ने अमेरिका के विनसन चियू और जोशुआ युआन को 21-18, 21-12 से पराजित किया। इसके अलावा पीएस रविकृष्ण और संकर प्रसाद उदयकुमार की जोड़ी को कड़े संघर्ष में चीन ताइपे के ली जेई हुई और येंग पो सुआन के हाथों 21-16, 16-18, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जोड़ी त्रिशा जौली और गायत्री गोपीचंद को जापान की रेना मियाउरा और अयाको साकूरामोतो ने 21-9, 21-10 से हरा दिया। तनीषा क्रिस्टो और अश्विनी पोनप्पा को चीन की तेन निंग और जिया यू टिंग ने 21-15, 21-18 से हराया। क्वालिफायर्स में उन्नति हुड्डा को पहला गेम जीतने के बाद थाईलैंड की पोर्नपिचा से 21-17, 21-23, 16-21 से हार मिली।

वीजा नहीं मिलने से जगरेब नहीं गए पहलवान कुछ बिना पासपोर्ट एयरपोर्ट पहुंचे, फ्लाइट छूटी

खेल डेस्क, 2 फरवरी (एजेंसियां)।भारत के कई सीनियर पहलवान तैयारी नहीं होने के कारण इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे हैं। वहीं, कई पहलवान वीजा नहीं मिलने की वजह से जगरेब नहीं पहुंचे हैं।

निरीक्षण समिति की कोशिशों के बाद सिर्फ तीन पहलवान और एक कोच मंगलवार को रैंकिंग टूर्नामेंट में खेलने जगरेब पहुंच गए। कुछ अन्य पुरुष और महिला पहलवानों के मंगलवार की रात पहुंचने की उम्मीद है, लेकिन फ्रीस्टाइल, महिला और ग्रीको रोमन के 10 से अधिक पहलवानों का वीजा नहीं लगने के कारण खेलना अधर में लटका है।

वीजा लगे पासपोर्ट देर से पहुंचने पर छूटी फ्लाइट

पुरुष फ्रीस्टाइल टीम के चीफ कोच जगमिंदर के साथ अमन (57), पंकज (61) और विशाल का लीरमण (70) जगरेब पहुंच गए हैं। सूत्रों के मुताबिक सोनीपत से पहलवानों को रात 10 बजे ही दिल्ली एयरपोर्ट रवाना कर दिया गया। उनकी फ्लाइट रात एक बजकर 50 मिनट की थी, लेकिन पहलवानों के वीजा लगे पासपोर्ट काफी देर से मिले, जिसके चलते उनकी फ्लाइट छूट गई। इसके बाद तीन बजकर 20 मिनट की फ्लाइट से जगमिंदर के साथ तीनों पहलवानों को भेजा गया। बाकी फ्रीस्टाइल के दो और महिला पहलवानों को मंगलवार सुबह 10 बजे भेजा जा सका।

फ्रीस्टाइल, ग्रीकोरोमन के नौ पहलवानों का नहीं लगा वीजा

ग्रीकोरोमन के भी सिर्फ छह पहलवानों का वीजा लगा है। बाकी के छह पहलवान कोच हरगोविंद के साथ मंगलवार की रात जगरेब रवाना होंगे। फ्रीस्टाइल पहलवानों में सुजीत (65), जोंटी (92), विक्की (92) ग्रीको रोमन में मंजीत (55), करनजीत (67), अंकित गुलिया (72), रोहित (82), नरेंदर (97) का वीजा नहीं लगा है। ये सभी पहली बार सीनियर स्तर पर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलने जा रहे हैं। इस वजह से भी इनकेवीजा में समस्या आई है।

महिला टीम के चीफ कोच को नहीं भेजा गया

धरने पर बैठे पहलवान बजरंग, रवि कुमार, जितेंदर, दीपक पूनिया, विनेश, अंशु मलिक, संगीता फोगाट, सरिता मोर टूर्नामेंट नहीं खेलने जा रहे हैं। नर सिंह यादव भी निजी कारणों से खेलने नहीं गए हैं। वहीं महिला टीम के चीफ कोच जितेंदर कुमार को महिला पहलवानों की टीम के साथ नहीं भेजा गया। पहले उनका नाम टीम में था।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारत की जूनियर हॉकी टीम का एलान, प्रीति को मिली कप्तानी

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। महिला हॉकी टीम के कोच येनेके शॉपमैन ने कहा कि यह दौरा अपने युवा खिलाड़ियों की आजमाइश के लिए बेहतरीन अवसर है।

हॉकी इंडिया ने मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे के लिए प्रीति को महिला हॉकी टीम का कप्तान बनाया है। रुतुजा दादासो पिसाल दौरे में टीम की उपकप्तान होंगी। टीम 17 से 25 फरवरी तक मेजबान जूनियर और ए टीम के साथ मैच खेलेगी। भारत की अग्रिम पंक्ति में दीपिका सोरेंग दीपिका, सुनेलिता टोप्पो, मदुगुला भवानी, अन्नू और तरणप्रीत कौर शामिल हैं।

मध्यपंक्ति में ज्योति छेत्री, मंजू चौरसिया, हिना बानू, निकिता टोप्पो, ऋतिका सिंह, साक्षी राणा और रुतुजा शामिल हैं। रक्षक पंक्ति में प्रीति, ज्योति सिंह, नीलम, महिमा टेटे और ममिता ओरेम को शामिल किया गया है। बीस खिलाड़ियों के अलावा अदिति महेश्वरी, अंजिल बारवा, एडुला ज्योति और भूमिका साहू बतौर रिजर्व खिलाड़ी टीम में होंगी। भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच येनेके शॉपमैन ने कहा कि यह दौरा अपने युवा खिलाड़ियों की आजमाइश के लिए बेहतरीन अवसर है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टेस्ट खेलेंगे रवींद्र जडेजा एनसीए में फिटनेस टेस्ट पास किया; आज ही टीम इंडिया के साथ जुड़ेंगे

खेल डेस्क, नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने नेशनल क्रिकेट एकेडमी में फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 फरवरी से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा होंगे। वह आज गुरुवार से ही टीम के साथ नागपुर में प्रैक्टिस के लिए जुट जाएंगे।

नागपुर में 2 से 6 फरवरी तक टीम इंडिया का छोटा प्रैक्टिस कैंप लगा है। जहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट स्क्वॉड में शामिल सभी शामिल होंगे। जडेजा भी अब इस स्क्वॉड का हिस्सा होंगे।

एक फरवरी को पास किया टेस्ट

रवींद्र जडेजा को बेंगलुरु स्थित एनसीए ने बुधवार को फिटनेट टेस्ट पास करने का सर्टिफिकेट दिया था। फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद बीसीसीआई ने उन्हें टीम इंडिया के साथ प्रैक्टिस कैंप जॉइन करने की परमिशन दे दी है।

6 महीनों तक क्रिकेट से दूर थे जडेजा

रवींद्र जडेजा ने आखिरी बार अगस्त 2022 में एशिया कप के दौरान भारत के लिए क्रिकेट मैच खेला था। एशिया कप में ही उन्हें घुटने में चोट लगी। सर्जरी के जरिए उनका ट्रीटमेंट हुआ, जिस कारण उन्हें 5 महीनों के लिए मैदान से दूर रहना पड़ा।

इंजरी से जडेजा ने ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप मिस किया। साथ ही बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ सीरीज का हिस्सा भी नहीं बन सके।

श्री राजस्थानी विश्वकर्मा समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद

प्लाट न. 68/69, जे. के.नगर, सुभाष नगर, कुतबुल्लापुर (सुचित्रा), जीडिमेट्ला, सिकन्दराबाद - हैदराबाद-55.

श्री विश्वकर्मा जयंती के उपलक्ष में
आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ

शुक्रवार,दि. 03-02-2023

BROWN PROFILES PVT LTD.
Fluted Panels | Slender Profiles
Kattedan, Hyderabad. Ph. : 9030777222
E-mail : brownpforiles@gmail.com

Devkaran Jangid
VISWAKARMA ML
FURNITURE
Kattedan, Hyderabad. Ph. : 9030777222
E-mail : vmlfurniture@yahoo.com

KAVITHA ENTERPRISES
14-1-415/1, Aghapura, Hyderabad - 500001.
Cell : 99663 21303 | 86396 75861

Narayanram Cell : 9703323824 8519951242
BALAJI FOOT WEAR
A FAMILY FOOT WEAR
Shop No. 4-9, Kawadipally Road, Abdullapurmet (M), RR Dist.

Ghanshyam Jangid 77374 45171 B.L. Jangid 94134 11209
SHREE RAMDEV BABA INNOVATION
All types Pipes, Shets, Angles, C-Channels, I-Beam, Flat, Round, Square & Bright Bar Available
B.N. Reddy Nagar, Cherlapally, Hyderabad.
E-mail : srbinnovation@gmail.com

SBD ENTERPRISES
Shankar Makad 9393059724
MODULAR FURNITURE TURNKEY PROJECTS
Opp, National Police Academy, Shivrampally, Hyderabad - 500 052. E-mail : sbdenterprises@hotmail.com

Prabhuram Suthar Gangaram Suthar
Parvathi Plywood Hardware & Electricals
Bandlaguda Jagir, Rajendra Nagar, Hyderabad. Ph. : 9346983755, 9849514197

Anil Kumar Jangid Ph. : 9246525351
SHEETAL HARDWARE
Aghapura, Hyderabad - 500 012. T.S.

श्री धन्नारामजी माकड़ बोईनपल्ली
श्री दिनेशजी धीर बोईनपल्ली
श्री दिनेशकुमारजी बुढ़ड़ बोईनपल्ली
श्री मोहनलालजी बरड़वा सुचित्रा
श्री सुरेशकुमारजी जोपिंग बोईनपल्ली
श्री नारायणरामजी बुढ़ड़ सुचित्रा
श्री दिनेशजी माकड़ बोईनपल्ली
श्री भीमराजजी बुढ़ड़ बोईनपल्ली
श्री गंगारामजी माकड़ बोईनपल्ली
श्री अशोकजी कुलरिया सुचित्रा
श्री कानारामजी कुलरिया कुकटपल्ली
श्री नरसिंगाराम रालड़िया सुचित्रा

श्री हरीशजी जोपिंग सुचित्रा
श्री गोपीलालजी बुढ़ड़ मियापुर
श्री पूनमचन्दजी लोढ़ा मियापुर
श्री विरमारामजी बरड़वा बेगमपेट
श्री गोपालरामजी माकड़ बोईनपल्ली
श्री ओमप्रकाशजी रालड़िया सुचित्रा
श्री सुरेशजी जांगीड़ सुचित्रा
श्री जेठालालजी बामणिया बोईनपल्ली
श्री श्रवणकुमारजी सुथार दम्मईगुड़ा
श्री छगनलालजी कुलरिया हैदराबाद
श्री अशोककुमारजी बुढ़ड़ सुचित्रा
श्री मांगीलालजी बरड़वा सुचित्रा

श्री नेमीचन्दजी पड़मा सुचित्रा
श्री शंकरलालजी चोयल सुचित्रा
श्री भागीरथजी रालडिया अलवाल
श्री श्रवणकुमार छड़िया सुचित्रा
श्री जीतेन्द्रजी रालड़िया अलवाल
श्री पूंजारामजी लोढ़ा राजीवनगर
श्री नेतारामजी बरड़वा हैदराबाद
श्री कन्हैयालालजी जायलवाल भोईगुडा
श्री भागीरथजी सांड (बब्लुजी) सुचित्रा
श्री भेरारामजी लोढ़ा सुचित्रा
श्री राणारामजी बुढ़ड़ बोईनपल्ली
श्री कैलाशजी भून्दड़ खैरताबाद

श्री चेनारामजी जोपिंग सुचित्रा
श्री शिवलाल पाखरवड़ किस्मतपुरा
श्री राणाराम भून्दड़ खैरताबाद
श्री पद्माराम बरड़वा काचीगुडा
श्री देवारामजी भून्दड़ मनीकोन्डा
श्री हनुमानरामजी रोप सुचित्रा
श्री जितेन्द्रजी लोढ़ा बाईनपल्ली
श्री रूपाराम बाईनपल्ली
श्री धर्मारामजी माकड़ (गोभक्त) सुचित्रा
श्री प्रेमारामजी भून्दड़ काचीगुडा
श्री खेतामरामजी माकड़ काचीगुडा
श्री हस्तीरामजी मांड़ण निजामाबाद

श्री सुरेशजी माकड़ सुचित्रा
श्री दमारामजी माकड़ निजामपेट
श्री नारायणरामजी, देवकिशनजी बुढ़ड़ (काचीगुड़ा)
श्री छगनारामजी, आईदानरामजी कुलरिया (सुचित्रा)
श्री दिलीपजी जोपिंग सुचित्रा
श्री नारायणजी कुलरिया रामोजी फिल्म सिटी
श्री अर्जुनजी बुढ़ड़ सुचित्रा
श्री भगारामजी सायल अलवाल
श्री त्रिलोकरामजी कुलरिया सुचित्रा
श्री मदनलालजी सुन्दा सुचित्रा
श्री पुखराजजी पाखरवड़ किस्मतपुरा
श्री अमरारामजी कुलरिया दम्मईगुड़ा

श्री सुमेरारामजी सुथार
श्री भंवरलालजी रोप
श्री उमेदारामजी कुलरिया
श्री भेरारामजी जोपिंग
श्री मगारामजी कुलरिया
श्री माधारामजी पड़मा

श्री दिनेशकुमारजी देपड़ा
श्री चंपालालजी लूंझा
श्री शैलेशजी पड़मा
श्री जेठारामजी बुढ़ड़
श्री रमेशकुमारजी सोयल
श्री गोपीलालजी कुलरिया

श्री पप्पुरामजी सुथार
श्री कान्तीलाल पड़मा
श्री दोलारामजी पड़मा (लंगरहाऊस)
श्री बिरमारामजी लुंझा
श्री प्रेमजी पाखरवड़
एवं समस्त सुथार समाज

श्री छोटुरामजी भून्दड़ बोईनपल्ली
श्री गीगारामजी बुढ़ड़ हैदराबाद
श्री सुखदेवजी माडन अलवाल (सुखदेव एसोसिएट्स, मेडचल)

यदि किसी भाई-बंधु का फोटो या नाम छूट गया हो तो हम क्षमा चाहते है।

PANCHSHIL HARDWARE LLP
Plot No. 23/A, Road No. 5, Opp. Metro Pillar No. C1573, Jubilee Hills, Hyderabad - 500 033. Telangana.
Tel. : 91-40-4020 5053/54 E-mail : infohyb@panchshilhardware.com Website : www.panchshilhardware.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.